हिन्दी सांध्य दैनिक

प्रखर पूर्वांचल

अखबार नहीं आंदोलन

RNI:UPHIN/2016/68754 www.prakharpurvanchal.com Email ID: prakharpurvanchal@gmail.com

गाजीपुर से प्रकाशित व वाराणसी, चंदौली, सोनभद्र, मऊ, बलिया, आजमगढ़, भदोही, मिर्जापुर, जौनपुर, लखनऊ, प्रयागराज, गोरखपुर, कुशीनगर, महाराजगंज तथा देवरिया से प्रसारित

वर्षः 7, अंकः 163, पृष्ठ 8, मूल्य 3.00, आमंत्रण मूल्य 2.00 5 दिसम्बर, 2022 दिन सोमवार गाजीपुर/वाराणसी

सकारात्मक दिशा में आगे बढ़ते हुए वैश्विक स्तर पर नए प्रतिमान स्थापित कर रहा भारत

एमपी शिक्षा परिषद संस्थापक समारोह में बोले मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ

गोरखपुर। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने कहा कि आजादी के अमृत महोत्सव में अपना देश सकारात्मक दिशा में आगे बढ़ते हुए वैश्विक स्तर पर नए-नए प्रतिमान स्थापित कर रहा है। 135 करोड़ की विशाल आबादी का अपना भारत देश पर दो सौ साल तक शासन करने वाले ब्रिटेन को पछाड़कर विश्व की पांचवीं सबसे बड़ी अर्थव्यवस्था बन चुका है। यह वैश्विक मंच पर भारत की बढ़ती प्रतिष्ठा का प्रमाण है। सीएम योगी रविवार को महाराणा प्रताप शिक्षा परिषद के 90वें संस्थापक सप्ताह समारोह के शुभारंभ कार्यक्रम की अध्यक्षता कर रहे थे। महाराणा प्रताप इंटर कॉलेज परिसर में आयोजित समारोह में मुख्यमंत्री ने कहा कि गत एक दिसंबर को प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने विश्व के 80 फीसद संसाधनों का नेतृत्व करने वाले 20 देशों के समूह जी-20 का नेतृत्व प्राप्त किया। नेतृत्वकर्ता के रूप में अपना देश पूरे विश्व का मार्गदर्शन करेगा। उन्होंने कहा कि भारत के बढ़ते नेतृत्व के साथ उसके कोरोना प्रबंधन मॉडल की भी सदैव चर्चा होती रहेगी। पूरी दुनिया जब कोरोना से त्रस्त थी तब

नागरिक हितों के प्रति अपनी ईमानदार प्रतिबद्धता का निर्वहन करते हुए भारत देश हित में नई नई योजनाएं बना रहा था। मुख्यमंत्री ने कहा इसी अवधि में राष्ट्रीय शिक्षा नीति घोषित कर प्रधानमंत्री ने देश के सामने एक बडा लक्ष्य रखा। यह शिक्षा नीति सर्वांगीण विकास का पथ प्रशस्त करती है। सभी शिक्षण संस्थान राष्ट्रीय शिक्षा नीति से जुड़कर खुद को समाज व राष्ट्र के प्रति दायित्वों के निर्वहन के लिए तैयार करें।

नंबर एक की अर्थव्यवस्था बनाने का दायित्व नागरिकों का भी- मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने कहा कि देश को विश्व की नम्बर एक तथा प्रदेश को देश में नम्बर एक अर्थव्यवस्था बनाने की जिम्मेदारी सिर्फ सरकार की नहीं है, नागरिकों को भी इसमें अपने दायित्वों का निर्वहन करते हुए योगदान देना होगा। इसके लिए कृषि, शिक्षा, प्रौद्योगिकी आदि सभी क्षेत्रों में रिसर्च एंड डेवलपमेंट तथा स्टार्टअप्स पर ध्यान देना होगा। उन्होंने कहा कि उत्तर प्रदेश में असीम संभावनाएं हैं। यह कृषि प्रधान राज्य है। यहां की भूमि सबसे उर्वर है, प्रचुर जल संसाधन हैं। यहां की प्रगति को डबल डिजिट में लाकर अर्थव्यवस्था को और अच्छा बनाया जा सकता है। सीएम योगी ने पूर्व राष्ट्रपति डॉ एपीजे अब्दुल कलाम तथा पूर्व एयर चीफ मार्शल आरकेएस भदौरिया का उदाहरण देकर विद्यार्थियों को प्रेरित किया। उन्होंने कहा कि हार के बाद भी जो हार नहीं मानता, वह नई प्रेरणा बन जाता है। इसलिए अच्छा स्थान न पाने वालों को भी प्रोत्साहित करने की आवश्यकता है। उन्होंने संस्थानों को सिर्फ शिक्षण तक ही सीमित न रहने तथा विद्यार्थियों से प्रतियोगी गतिविधियों में भी शामिल होने की अपील की। सीएम योगी ने विद्यार्थियों को जीवन में अनुशासन का महत्व समझाते हुए कहा कि जिसके जीवन में अनुशासन नहीं होगा वह कभी लक्ष्य नहीं प्राप्त कर सकता। अनुशासनहीन व्यक्ति का जीवन पेंडुलम की भांति होता है। अनुशासन की महत्ता को समझते हुए महाराणा प्रताप शिक्षा परिषद के संस्थापक सप्ताह का शुभारंभ अनुशासन पर्व से होता है। मुख्यमंत्री ने कहा कि महाराणा प्रताप शिक्षा परिषद की स्थापना ब्रह्मलीन महंत दिग्विजयनाथ ने उस कालखंड में की जब देश आजादी की लड़ाई लड़ रहा था। कई लोगों के मन में यह सवाल था कि आजादी मिलेगी भी या नहीं। पर, एक सन्यासी-एक योगी कभी नकारात्मक भाव के साथ नहीं रहता।

भाजपा की जन संकल्प यात्रा को मिल रहा अभूतपूर्व समर्थन : सीएम बोम्मई

बेंगलुरु। कर्नाटक के मुख्यमंत्री बसवराज बोम्मई ने रविवार को दावा किया कि राज्य में भाजपा की 'जन संकल्प यात्रा' को लोगों का 'अभूतपूर्व' समर्थन मिल रहा है। बता दें, भाजपा ने अक्तूबर में रायचूर जिले से 'जन संकल्प यात्रा' शुरू की थी। इसका उद्देश्य आगामी विधानसभा चुनाव से पहले राज्य में सत्तारूढ़ पार्टी के लिए जमीन तैयार करना है। हुबली में मीडिया से बात करते हुए सीएम बोम्मई ने कहा कि विधानसभा चुनाव के लिए हम अपने कार्यों के साथ लोगों के बीच जा रहे हैं। हमारी जन संकल्प यात्रा पहले ही राज्य के कई क्षेत्रों को कवर कर चुकी है। हम 'जन संकल्प यात्रा' के तहत दिसंबर में राज्य के अन्य हिस्सों में जाएंगे। उन्होंने कहा कि हम केंद्र और राज्य सरकार की उन योजनाओं के साथ लोगों के बीच जा रहे हैं, जो उन तक पहुंच चुकी हैं। साथ ही हम इन योजनाओं में लोगों का विश्वास पैदा करने की कोशिश रहे हैं। कर्नाटक में अगले साल विधानसभा चुनाव होने हैं। इसके मद्देनजर भाजपा 'जन संकल्प यात्रा' के जरिए लोगों के बीच जा रही है। भाजपा ने 25 दिसंबर से पहले 'जन संकल्प यात्रा' के तहत 52 विधानसभा क्षेत्रों को कवर करने की योजना बनाई है।

'मुस्लिम महिलाओं को टिकट देना इस्लाम के खिलाफ', जामा मस्जिद के शाही इमाम के बिगड़े बोल

अहमदाबाद। गुजरात में इन दिनों सियासी सरगर्मियां बढ़ी हुई हैं। कल यानी पांच दिसंबर को राज्य में दूसरे चरण का मतदान होगा। दूसरे चरण में 14 जिलों की 93 विधानसभा सीटों पर मतदान होना है। वहीं, मतदान से पहले अहमदाबाद में जामा मस्जिद के शाही इमाम शब्बीर अहमद सिद्दीकी ने अपने बयान से विवाद खड़ा कर दिया है। उन्होंने राजनीतिक पार्टियों द्वारा मुस्लिम महिलाओं को टिकट देने को इस्लाम के खिलाफ बताया है। उन्होंने कहा कि इससे उनका धर्म कमजोर हो रहा है। गुजरात विधानसभा चुनावों के बीच एक नया विवाद खड़ा हो गया है। दरअसल, राज्य की राजधानी में स्थित जामा मस्जिद के शाही इमाम ने मुस्लिम महिलाओं की राजनीति

में सहभागिता को गलत ठहराया है। उन्होंने कहा कि मुस्लिम महिलाओं को चुनावी टिकट देने वाले इस्लाम के खिलाफ हैं। इससे वे धर्म को कमजोर करने की कोशिश कर रहे हैं। शाही इमाम शब्बीर अहमद सिद्दीकी ने इस दौरान सवाल करते हुए कहा कि क्या कोई आदमी नहीं बचा है? इससे पहले गुजरात में मुस्लिम वोटों को लेकर बात करते हुए उन्होंने कहा था कि राज्य के मुसलमानों और गुजरात में किसी तीसरी पार्टी के लिए कोई गुंजाइश नहीं है। आम आदमी पार्टी पर निशाना साधते हुए उन्होंने कहा था कि पहले भी लोग आएं हैं पर चले नहीं। ऐसे में अगर किसी तीसरी पार्टी के चक्कर में आपने कांग्रेस से अदावत ले ली तो ये ठीक नहीं है, भाजपा से तो पहले से ही है।

ईरान में मोरैलिटी पुलिस की इकाइयां भंग, महीनों चले हिजाब विरोधी प्रदर्शनों के बाद उठाया सख्त कदम

तेहरान। सख्त ड्रेस कोड के खिलाफ महीनों तक चले विरोध प्रदर्शनों के बाद ईरान की नैतिकता (मोरैलिटी) पुलिस की इकाइयों को खत्म कर दिया गया है। स्थानीय मीडिया ने यह जानकारी दी है। समाचार एजेंसी आईएसएनए ने अटॉर्नी जनरल मोहम्मद जाफर मोंटाजेरी के हवाले से शनिवार को कहा, नैतिकता पुलिस का न्यायपालिका से कोई लेना-देना नहीं है। इसे खत्म कर दिया गया है। नैतिकता पुलिस को कट्टरपंथी राष्ट्रपति महमूद अहमदीनेजाद के द्वारा स्थापित किया गया था। औपचारिक रूप से इसे गश्त-ए-इरशाद के रूप मेंम जाना जाता है। 'हिजाब की संस्कृति का प्रसार करने के लिए' नैतिकता पुलिस सुनिश्चित करती थी कि महिलाओं का सिर ढका हो। नैतिकता पुलिस की इकाइयों ने 2006 में गश्त शुरू की थी। अटॉर्नी जनरल मोंटाजेरी ने नैतिकता पुलिस की इकाइयों को खत्म करने की घोषणा के एक दिन बाद कहा, संसद और न्यायपालिका दोनों इस मुद्दे पर काम कर रहे हैं कि क्या महिलाओं को अपने सिर को ढकने वाले कानून को बदलने की जरूरत है। राष्ट्रपति इब्राहिम रायसी ने शनिवार को टेलीविजन पर अपने संबोधन में कहा, ईरान की गणतंत्रात्मक और इस्लामी नींव संवैधानिक रूप से मजबूत है, लेकिन संविधान को लागू करने के ऐसे भी तरीके हैं, जो लचीले हो सकते हैं।

शिवपाल के करीबी को पुलिस ने उठाया, बोले हमारे घरों की ड्रोन तक से हो रही है निगरानी

इटावा। इटावा जिले में मैनपुरी उपचुनाव के मतदान से पहले प्रसपा अध्यक्ष शिवपाल सिंह यादव के करीबी और ताखा ब्लॉक प्रमुख के पति ध्रुव यादव

को सुबह पुलिस ने उनके घर से हिरासत में ले लिया। गेट न खोलने पर पुलिस दरवाजे से कूदकर घर में घुसी। इससे सपा कार्यकर्ताओं में आक्रोश फैल गया।

रविवार सुबह करीब साढ़े नौ बजे सीओ भरथना विजय सिंह थाना पुलिस के साथ के साथ भरथना के मोहल्ला बृज राज नगर में नई बस्ती में ध्रुव यादव के घर पहुंच गए। गेट खटखटाने पर न खुलने पर पुलिस दीवार कूदकर घर में प्रवेश कर गई। इसके बाद ध्रुव यादव को कोतवाली भरथना ले जाया गया। जानकारी पर क्षेत्र में हड़कंप मच गया। बड़ी संख्या में उनके समर्थक भरथना कोतवाली पहुंच गए। फोन पर प्रसपा प्रमुख शिवपाल सिंह यादव को सूचना दी गई। उन्होंने तत्काल डीएम और एसएसपी से बात की। इस पर अधिकारियों ने उन्हें छोड़ने के आदेश दिए। करीब 10 मिनट बाद ध्रुव यादव को छोड़ दिया गया। कुछ ही देर में ब्लॉक प्रमुख के आवास पर पहुंचे प्रसपा प्रमुख ने भाजपा सरकार पर लोकतंत्र की हत्या करने का आरोप लगाया। सरकार के इशारे पर पार्टी के नेताओं व कार्यकर्ताओं का उत्पीड़न किया जा रहा है। सरकार की मंशा है कि मतदान प्रतिशत कम रहे, मतदाताओं को डराया धमकाया जा रहा है। ताखा से शिवपाल सिंह यादव के विधायक प्रतिनिधि ध्रुव यादव ने बताया कि बेवजह कार्रवाई करके दबाव बनाया जा रहा है। जिला पंचायत अध्यक्ष अंशुल यादव, अंकुर यादव, पूर्व चैयरमेन मनोज पोरवाल आदि कई नेता,कार्यकर्ता व समर्थक मौजूद रहे।

कमलनाथ ने आरएसएस और विश्व हिंदू परिषद को दी खुली चुनौती, कहा- जब चाहें राहुल गांधी से धर्म पर बहस कर लें

भोपाल। मध्यप्रदेश के पूर्व मुख्यमंत्री कमलनाथ ने आरएसएस और विश्व हिंदू परिषद को चुनौती देते हुए कहा कि वह धर्म के मामले में राहुल गांधी से बहस करके देखें। 12 साल में बीजेपी ने राहुल गांधी की जो गलत इमेज बनाने की कोशिश की। इस यात्रा के बाद दूध का दूध और पानी का पानी हो चुका है। असली राहुल गांधी लोगों के सामने हैं। पूर्व सीएम नाथ ने कहा कि प्रदेश की बीजेपी सरकार के पास सिर्फ पुलिस, पैसा और प्रशासन है। उसके दम पर जनता पर राज करने की कोशिश हो रही है, लेकिन बीजेपी के नेता असलियत समझ चुके हैं और विधानसभा चुनाव से पहले माल बटोरने में लगे हैं। उन्होंने कहा कि देश की जोड़ने की संस्कृति पर हमला हो रहा है। भारत जोड़ो यात्रा से प्रदेश में जगह-जगह उत्साह बढ़ गया है। विधानसभा में नेता प्रतिपक्ष गोविंद सिंह ने कहा, बीजेपी ने यात्रा का मजाक उड़ाया। बोलते थे कि कांग्रेस बुजुर्गों की पार्टी है। हमारी यात्रा विफल करने की कोशिश की गई। राहुल पर आरोप लगाते थे कि वे हिन्दू विरोधी हैं। उन्होंने सभी धर्मों का आदर किया, पहले जो कांग्रेस कायकताओं में भय फैला रहे थे, वो खुद यात्रा से भयभीत हैं। कांग्रेस नेता सुरेश पचौरी ने कहा कि देश में एकता रहे, अलगाववाद न हो। राहुल दल से ऊपर उठकर देश को देख रहे हैं।

सीकर हत्याकांडः राजू ठेहट पर गोलियां बरसाने वाले 5 आरोपी गिरफ्तार, गहलोत बोले- कड़ी सजा दिलवाएंगे

सीकर। गैंगस्टर राजू ठेहट हत्याकांड में पुलिस के हाथ बड़ी सफलता लगी है। राजू ठेहट की हत्या में शामिल चार शूटर्स सहित पांच आरोपियों को पुलिस ने गिरफ्तार कर लिया है। राजस्थान के पुलिस महानिदेशक उमेश मिश्रा ने बताया कि दो बदमाशों को हरियाणा के बॉर्डर के नजदीक डाबला से पकड़ा गया है, जबकि तीन की गिरफ्तारी झुंझुनू के पौंख गांव से हुई है।

पुलिस ने इनके पास से भारी मात्रा में हथियार और चोरी की क्रेटा गाड़ी भी बरामद की है। ये शूटर्स बीते करीब एक महीने से राजू ठेहट की रेकी कर रहे थे। ADG क्राइम रवि मेहरड़ा सीकर में प्रेसवार्ता कर पूरे मामले का पदार्फाश करेंगे। महानिदेशक पुलिस उमेश मिश्रा ने बताया कि राजू ठेहट हत्याकांड के पांचों आरोपी पकड़े गए। पकड़े गए दो आरोपी मनीष जाट और विक्रम गुर्जर सीकर के रहने वाले हैं। इनके अलावा हरियाणा के भिवानी जिले के सतीश कुम्हार, जतिन मेघवाल और

नवीन मेघवाल को गिरफ्तार किया गया है। बताया जा रहा है कि पुलिस से मुठभेड़ में एक आरोपी को गोली लगी है। हत्याकांड के आरोपियों के पकड़ने और पूरे ऑपरेशन की जानकारी देने के लिए ADG क्राइम रवि प्रकाश मेहरड़ा और डीआईजी अजयपाल लाम्बा को सीकर भेजा गया है। डीजीपी ने करीब 24 घंटे के भीतर सभी आरोपियों की गिरफ्तारी के लिए सीकर पुलिस अधीक्षक और पुलिस टीम को बधाई दी है। मुख्यमंत्री अशोक गहलोत ने ट्वीट कर लिखा कि सीकर में हुए हत्याकांड के पांच आरोपियों को मय हथियार और वाहन गिरफ्तार कर लिया गया है। इन सभी आरोपियों को त्वरित ट्रायल कर अदालत के द्वारा जल्द से जल्द कड़ी सजा दिलवाना सुनिश्चित किया जाएगा। जानकारी के अनुसार आरोपियों को पकड़ने के लिए पुलिस की 150 टीम गठित की गई थी। यही कारण है कि हत्याकांड के 24 घंटे के अंदर आरोपियों को गिरफ्तार कर लिया गया। इस ऑपरेशन में डीजीपी उमेश मिश्रा पूरी रात पुलिस के आला अधिकारियों के साथ निरंतर संपर्क में बने हुए थे।

योगी के मंत्री बोलेः सपा का विलय करें तो अखिलेश यादव को केंद्रीय मंत्री बनाने पर भाजपा करेगी विचार

मैनपुरी। प्रदेश सरकार के राज्यमंत्री गिरीश चंद्र यादव ने समाजवादी पार्टी (सपा) के राष्ट्रीय अध्यक्ष अखिलेश यादव के बयान पर पलटवार किया है। शनिवार को मैनपुरी पहुंचे राज्यमंत्री गिरीश चंद्र यादव ने कहा कि अखिलेश यादव सपा का विलय भाजपा में कर दें तो उन्हें केंद्रीय मंत्री बनाने पर विचार किया जा सकता है। बता दें कि सपा मुखिया अखिलेश यादव ने चुनाव प्रचार के दौरान प्रदेश सरकार के दो डिप्टी सीएम को असिस्टेंट बताया था। अखिलेश यादव ने कहा था कि दोनों डिप्टी सीएम अगर 100 विधायक लेकर आ जाएं तो सपा उन्हें मुख्यमंत्री बना देगी। सपा मुखिया के इसी बयान पर राज्यमंत्री ने पलटवार किया। उन्होंने कहा कि अब अखिलेश मुख्यमंत्री और मंत्री बनने वाले नहीं हैं। जनमत उन्हें मिलने वाला नहीं है। जनता का मोदी और योगी पर विश्वास है और मोदी और योगी का जनता पर विश्वास है। सपा के किले पहले ही ध्वस्त हो गए हैं। मैनपुरी उपचुनाव पर कहा कि सपा का अंतिम किला भी आठ दिसंबर को ध्वस्त हो जाएगा। डिप्टी सीएम ब्रजेश पाठक को शनिवार को मैनपुरी आना था। यहां उनकी पत्रकारों से वार्ता का समय निर्धारित था। हेलीकॉप्टर में तकनीकी खराबी आने के कारण वो नहीं आ सके। इस पर वो लखनऊ से वर्चुअल तरीके से प्रेसवार्ता किए। उन्होंने कहा कि सपा के राष्ट्रीय अध्यक्ष अखिलेश यादव कहा करते थे, कि वो उपचुनाव में वोट मांगने नहीं जाते है। लेकिन पत्नी के लिए उन्हें यह संकल्प तोड़ना पड़ा। एक सवाल के जवाब में ब्रजेश पाठक ने कहा कि सपा राष्ट्रीय अध्यक्ष का हाल ही में डिप्टी सीएम को लेकर दिया गया बयान उनकी खीज को उजागर करता है। साथ ही साबित करता है कि उनके पास कोई मुद्दा नहीं है, इसलिए वो इस तरह की बयानबाजी कर रहे हैं।

अब 'हाथ से हाथ जोड़ो' अभियान चलाएगी कांग्रेस संसद के शीतकालीन सत्र में भाग नहीं लेंगे राहुल गांधी

नई दिल्ली। कांग्रेस के राष्ट्रीय अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खरगे द्वारा गठित कांग्रेस संचालन समिति की पहली बैठक आज रविवार को संपन्न हो गई। इस बैठक में पार्टी के शीर्ष नेताओं ने प्रमुख संगठनात्मक मामलों पर चर्चा के अलावा अपने पूर्ण सत्र के कार्यक्रम और स्थान पर विचार-विमर्श किया। बैठक में शामिल होने वालों में कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खरगे, पार्टी की पूर्व प्रमुख सोनिया गांधी, राजस्थान के मुख्यमंत्री अशोक गहलोत, उनके छत्तीसगढ़ समकक्ष भूपेश बघेल, वरिष्ठ नेता पी चिदंबरम, आनंद शर्मा, मीरा कुमार और अंबिका सोनी शामिल थे।

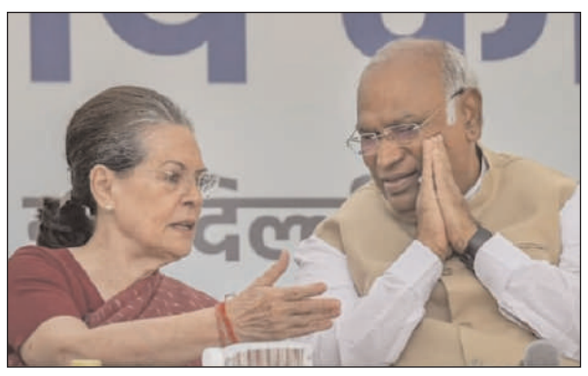

26 जनवरी से 'हाथ से हाथ जोड़ो' अभियान चलाएगी कांग्रेस- कांग्रेस सांसद केसी वेणुगोपाल ने कहा कि आज कांग्रेस संचालन समिति की बैठक में हमने दो विषयों पर चर्चा की। पहला हमारी पार्टी का पूर्ण अधिवेशन है जिसे हमने फरवरी के दूसरे पखवाड़े में आयोजित करने का निर्णय लिया है। यह तीन दिवसीय सत्र होगा जो रायपुर, छत्तीसगढ़ में आयोजित किया जाएगा। दूसरा, हमने भारत जोड़ो यात्रा के लिए भविष्य की कार्रवाई की समीक्षा की और चर्चा की। हमने 26 जनवरी से बड़े पैमाने पर 'हाथ से हाथ जोड़ो अभियान' चलाने का फैसला किया है। यह दो महीने लंबा अभियान होगा।

राहुल गांधी शीतकालीन सत्र में नहीं होंगे शामिल- कांग्रेस सांसद केसी वेणुगोपाल ने कहा कि राहुल गांधी के नेतृत्व में भारत जोड़ो यात्रा चल रही है। इसलिए संसद के शीतकालीन सत्र में राहुल गांधी का शामिल होना व्यवहारिक नहीं है।

राहुल गांधी संचालन समिति की बैठक में शामिल नहीं हो पाए- रविवार शाम को राजस्थान में प्रवेश करने वाली भारत जोड़ो यात्रा के कारण राहुल गांधी संचालन समिति की बैठक में शामिल नहीं हो पाए। बता दें कि अक्तूबर में खरगे के कार्यभार संभालने के बाद पार्टी की सर्वोच्च निर्णय लेने वाली संस्था कांग्रेस वर्किंग कमेटी (सीडब्ल्यूसी) के स्थान पर संचालन समिति का गठन किया गया था। एआईसीसी महासचिव (संचार) जयराम रमेश ने संवाददाताओं से कहा कि इस बैठक का मुख्य उद्देश्य पूर्ण सत्र की तारीख तय करना है और इसे कहां आयोजित किया जाना चाहिए और इस मुद्दे पर चर्चा होगी।

हिस्ट्रीशीटर के खिलाफ बड़ी कार्रवाई, बदमाश सपा नेता की पांच करोड़ की संपत्ति जब्त- दर्ज हैं 44 केस

गोरखपुर। गोरखपुर जिले के पीपीगंज थाने के हिस्ट्रीशीटर सपा नेता अखिलेश यादव उर्फ भोला की पांच करोड़ की संपत्ति जब्त की गई है। जिलाधिकारी के निर्देश पर रविवार को तहसील प्रशासन और स्थानीय पुलिस ने कार्रवाई की है। मिली जानकारी के अनुसार जिला अधिकारी गोरखपुर के निर्देश पर रविवार की सुबह करीब दस बजे क्षेत्राधिकारी कैंपियरगंज योगेंद्र सिंह व तहसीलदार राकेश कुमार कनौजिया तथा थानाध्यक्ष पीपीगंज दीपक कुमार सिंह के नेतृत्व में पीपीगंज पुलिस ने भारी फोर्स के साथ थाना रोड पर स्थित अखिलेश यादव उर्फ भोला के भवन व भूमि तथा पीपीगंज नगर के वार्ड नंबर छह बापू नगर में स्थित तीन मंजिला इमारत को सील कर जब्त कर दिया है। वहीं शातिर बदमाश के सहजनवां थाना क्षेत्र के भिटनी गांव में भी कार्यवाही की गई है। सरकारी आंकड़े के अनुसार बदमाश का कुल लगभग पांच करोड़ की संपत्ति जब्त किया गया है। बीस हजार रुपये के इनामी सपा नेता पूर्व जिला पंचायत सदस्य अखिलेश यादव उर्फ भोला के विरुद्ध जनपद के विभिन्न थाना क्षेत्रों में लगभग 44 गंभीर मुकदमा दर्ज हैं। पुलिस उसकी तलाश में जुटी है, लेकिन बदमाश अभी फरार है। इस मौके पर प्रमुख रूप से क्षेत्राधिकारी कैंपियरगंज योगेन्द्र सिंह, तहसीलदार राकेश कुमार कनौजिया, थानाध्यक्ष पीपीगंज दीपक कुमार सिंह, थानाध्यक्ष कैम्पियरगंज, राघवेन्द्र सिंह, समेत दर्जनों की संख्या में पुलिस कर्मी इस मौजूद रहे। सहजनवां के डोमहरमाफी गांव में भूमि पर कब्जा करने को लेकर विवाद हो गया। आरोप है कि साथी के समर्थन में पहुंचे सीआरपीएफ जवानों ने भूमि पर लगा पिलर उखाड़ दिया। सहजनवां पुलिस ने इस मामले में 12 नामजद आरोपितों पर मुकदमा दर्ज किया है। पुलिस आरोप की जांच कर रही है। गांव के योगेंद्र सिंह ने बताया कि अपनी भूमि पर पिलर लगाया था। जिससे सटे गांव में रहने वाले सीआरपीएफ जवान की भूमि है।

संपादकीय

जेल में घर

कुछ दिनों पहले उनके जेल में तेल मालिश कराते देखे जाने पर विवाद उठ खड़ा हुआ कि आखिर जेल में उन्हें ऐसी सुविधाएं कैसे मुहैया कराई जा रही हैं। तब आम आदमी पार्टी ने सफाई में कहा था कि दरअसल जैन का इलाज चल रहा है, जिसकी तस्वीर को गलत तरीके से पेश किया जा रहा है। मगर अब दिल्ली सरकार के गृह, कानून और सतर्कता विभाग के प्रमुख सचिवों ने अपनी जांच के बाद रिपोर्ट दी है कि सत्येंद्र जैन जेल में रहते हुए न केवल घर जैसी सुविधाओं का लाभ उठा रहे थे, बल्कि उसी कमरे में धनशोधन मामले से जुड़े अन्य आरोपियों से मिलते रहे। वहां उनके परिजन भी मिलने आते रहे। जाहिर है कि सत्येंद्र जैन अपने मंत्री होने का नाजायज फायदा उठाते रहे। हालांकि जेल में बंद सभी कैदियों के लिए एक जैसे नियम-कायदे नहीं होते। आरोपियों के लिए कुछ छूट होती है, उन्हें दोष सिद्ध कैदियों की तरह रखा भी नहीं जाता। मगर इसका अर्थ यह नहीं है कि आरोपी होने का लाभ लेकर कोई कैदखाने का अर्थ ही भुला बैठे। इस संभावना से इनकार नहीं किया जा सकता कि सत्येंद्र जैन के मंत्री होने की वजह से वहां के कुछ कैदी उनकी खुशामद करने का प्रयास करते होंगे। उन्हें भरोसा होगा कि जैन एक न एक दिन जेल से बाहर निकलेंगे ही और उनकी सेवा के बदले वे अपने राजनीतिक प्रभाव से उन्हें कुछ लाभ पहुंचा देंगे। ऐसा हर जेल में देखा जाता है कि कुछ कैदी दबंगों और राजनेताओं की सेवा-टहल में लग जाते हैं। मगर सत्येंद्र जैन के मामले में ऐसा नहीं था। खुद जेल प्रशासन ने दबाव बना कर उनकी सेवा में कुछ कैदियों को नियुक्त कर दिया था। तेल मालिश करते जिस व्यक्ति की तस्वीर सामने आई, उसने कबूल किया है कि उस पर दबाव डाल कर जैन की मालिश करने को कहा गया था। जांच समिति ने तत्कालीन जेल महानिदेशक की इस मामले में मिलीभगत का उल्लेख करते हुए उनके खिलाफ विभागीय कार्रवाई करने की सिफारिश की है। हालांकि ठग सुकेश चंद्रशेखर के रिश्वत मांगने वाले लिखित बयान के बाद उन्हें पहले ही निलंबित किया जा चुका है। हालांकि किसी राजनेता या मंत्री के जेल में बंद रहते इस तरह जेल नियमों को धता बता कर घर जैसे वातावरण में रहने की छूट लेने की यह पहली घटना नहीं है। उत्तर प्रदेश और बिहार की जेलों में बंद दबंगों और राजनेताओं के जन्मदिन पर जेल में जश्न मनाने और उन्हें हर तरह की सुविधाएं उपलब्ध कराने, यहां तक कि जेल से बाहर निकल कर घूम आने तक के उदाहरण हैं। पटना उच्च न्यायालय ने तो ऐसी घटनाओं पर बहुत कठोर टिप्पणी की थी। मगर सत्येंद्र जैन का ताल्लुक ऐसी राजनीतिक पार्टी से है, जो आचरण की शुचिता की दुहाई देते नहीं थकती। वह दावा करती फिरती है कि उसके नेता किसी भी रूप में अपनी ताकत का बेजा इस्तेमाल नहीं करते। फिर सत्येंद्र जैन कैसे उन सिद्धांतों को भुला बैठे। उन पर आरोप सही है या गलत, यह तो अदालत में सिद्ध होगा, मगर वे खुद को जेल में रहते हुए मुक्त कैसे मान सकते हैं। यह उनके अपने सरकारी रुतबे का दुरुपयोग नहीं तो और क्या है?

दो कटुता को त्याग!

गलत बयान ना देना ।
बोलो मीठे बोल ।।
हर तरफ है अहम ।
आपका ये रोल ।।
वैमनस्य ना बढ़े ।
दो कटुता को त्याग ।।
शांत रहे माहौल ।
लगे न कोई आग ।।
है बड़ा उपकार ।
दिया अगर ये ध्यान ।।
इन बातों से आपको ।
बनना है महान ।।
इसी में भलाई ।
और भी सम्मान ।।
दौर लगता आया ।
फिर से इम्तहान ।।

–कृष्णेन्द्र राय

संकट से जूझता संचार तकनीक क्षेत्र

हाल में ट्विटर के सीईओ समेत हजारों युवाओं की नौकरी चली गई। कई आइटी, शिक्षा (कोचिंग) और ईकामर्स कंपनियों में बड़े पैमाने पर छंटनी की खबरें हैं। कई कंपनियों ने भर्ती प्रक्रिया रोक दी है। सवाल है कि कामकाज बढ़ने के बावजूद सेवा क्षेत्र से जुड़ी बड़ी और नामी कंपनियों तक में ऐसा कौन-सा संकट आया है, जो भर्ती रोकने और छंटनी करने जैसे उपाय आजमाए जा रहे हैं। क्या ये किसी बड़ी अस्थिरता और अनिश्चय के संकेत हैं या फिर कंपनियों के बढ़ते संचालन खर्च और घटते मुनाफे की परिणिति है या इसकी कोई और वजह है।

सूचना प्रौद्योगिकी (आइटी) के क्षेत्र में शुरू हुआ छंटनी का दौर उन युवाओं में भी बेचैनी पैदा कर रहा है, जो कंप्यूटर विज्ञान जैसे पाठ्यक्रमों की पढ़ाई कर रहे हैं। आइआइटी, आइआइएम समेत तमाम बड़े विश्वविद्यालय (खासकर निजी) हाल तक दावे करते रहे हैं कि उनके यहां से आइटी-कंप्यूटर में डिग्री लेने वाले युवा तमाम नामचीन से लेकर स्टार्टअप कंपनियों में करोड़ों के वेतन पर नियुक्ति पा रहे हैं। आइटी से संबंधित नौकरियों की इस गुलाबी तस्वीर में इस साल के आरंभ में पटरी पर लौटती अर्थव्यवस्था के मद्देनजर कोई नुक्स भी नजर नहीं आ रहा था, लेकिन सोशल मीडिया कंपनी ट्विटर के अधिग्रहण के साथ ही माहौल बदलता दिखने लगा। खासकर जब एलन मस्क ने ट्विटर का संचालन अपने हाथ में लिया, उन्होंने कई बड़ी तब्दीलियों का एलान कर दिया। ट्विटर की एक विशेष सेवा ब्लूटिक के लिए उन्होंने शुल्क लगाने की घोषणा की और भारतीय पराग अग्रवाल को सीईओ पद से हटा दिया। इतना ही नहीं, कई अन्य शीर्ष अधिकारियों को बाहर करने के साथ उन्होंने वैश्विक स्तर पर कंपनी के आधे कर्मचारियों की सेवा समाप्त कर दी। भारत में तो ट्विटर के नब्बे फीसद कर्मचारियों की नौकरी एक झटके में चली गई। इनमें से ज्यादातर कर्मचारी आइटी और कंप्यूटर इंजीनियरिंग से जुड़े थे। मगर ऐसा सिर्फ ट्विटर में नहीं हुआ। नौकरियों में कटौती का सिलसिला फेसबुक (मेटा) से लेकर गूगल जैसी शीर्ष आइटी कंपनी और तमाम स्टार्टअप कंपनियों तक पहुंचा, जहां सूचना प्रौद्योगिकी की एक अहम भूमिका है।

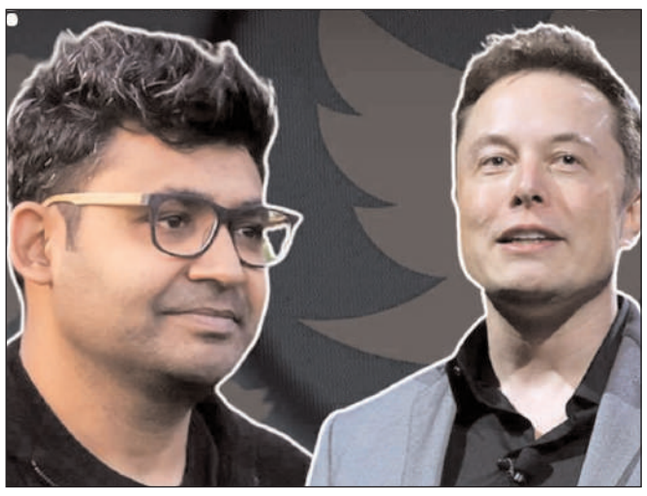

सोशल मीडिया कंपनियों में शुरू हुई छंटनी की आंच आनलाइन पढ़ाई, कोचिंग, खरीदारी और घर बैठे खाना मंगाने की सहूलियत देने वाले ऐप तक पहुंच गई। आश्चर्य है कि इनमें ऐसी स्टार्टअप कंपनियों की संख्या ज्यादा है, जिन्हें कोरोना काल में ज्यादा काम मिल रहा था। कोविड के दौर में लोग इनके माध्यम से घर बैठे कई तरह के काम कर रहे थे, लेकिन जैसे ही कोविड का असर कम हुआ, इन कंपनियों के कामकाज और कमाई में मंदी का असर दिखने लगा। ऐसा तब हुआ, जब कोविड के बाद वाले दौर में कारोबार बढ़ने की उम्मीद थी। हालांकि इसी दौर में पर्यटन उद्योग को काफी राहत मिली, क्योंकि लोग दो साल तक कहीं बाहर नहीं निकल पाए थे। मगर ऐसा सभी जगह नहीं हुआ। तकनीक या कहें कि टेक कंपनियों में मंदी आ सकती है, इसका अहसास तब हुआ, जब ट्विटर ने एलन मस्क के सुझाव पर कमाई बढ़ाने के उपायों पर अमल शुरू किया। ट्विटर की देखादेखी माइक्रोसाफ्ट ने भी अक्तूबर 2022 में अपने यहां एक हजार कर्मचारियों की छंटनी कर दी। इनके अलावा राइडशेयर कंपनी लिफ्ट में तेरह फीसद और पेमेंट प्रोसेसिंग फर्म- स्ट्राइप में चौदह फीसद कर्मचारियों को नौकरी से निकालने की खबरों ने दुनिया का ध्यान खींचा। यहां तक कि दिग्गज ई-कामर्स कंपनी अमेजन और गूगल की पितृ कंपनी अल्फाबेट में भी छंटनी के साथ-साथ नई भर्तियों पर रोक की खबरें आ चुकी हैं।

सबसे बड़ा विरोधाभास यह है कि नए किस्म के जिस कामकाज से जुड़ी कंपनियों को रोजगार सृजन के मामले में सबसे ज्यादा तरजीह दी जा रही है, सबसे ज्यादा मुश्किलें उन्हीं के साथ पैदा हुई हैं। जैसे कि कोचिंग के क्षेत्र में हाल के दशक में बड़ा नाम कमाने और करोड़ों का व्यापार करने वाली भारतीय कंपनियों- बायजूज, वेदांतु, अनअकैडमी, लिडो लर्निंग आदि में साल की पहली छमाही में बाईस हजार युवा विश्व स्तर पर नौकरी गंवा चुके हैं, जिनमें से साठ फीसद से ज्यादा युवा भारत के हैं। यह दावा भी किया जा रहा है कि साल के अंत तक इन स्टार्टअप कंपनियों से पचास-साठ हजार लोगों की छंटनी हो सकती है। प्रश्न है कि सेवा क्षेत्र की जिन कंपनियों में रोजगार मिलने की बड़ी उम्मीद है, वहां ऐसा क्या हुआ कि बड़े पैमाने पर छंटनी की जा रही है। सेवा क्षेत्र की कंपनियों के साथ पहली बड़ी दिक्कत यह बताई जा रही है कि निवेशकों ने जिस मुनाफे की उम्मीद में इनमें भारी-भरकम निवेश किया था, उन्हें वह मिलता नहीं दिख रहा है। इन कंपनियों का वास्ता अब ऐसी कारोबारी वास्तविकताओं से पड़ा है, जिनसे जूझने और उबरने की क्षमता तथा योग्यता अक्सर पुरानी स्थापित कंपनियों के पास ही होती है। इन कंपनियों में पैसा लगाने वाले निवेशकों ने अपने निवेश के बदले कोई लाभ न होता देख पूंजी वापसी का दबाव बनाना शुरू कर दिया है। इससे पूंजी का अकाल होने लगा है। हालांकि कोरोना काल में निवेशकों ने धीरज बनाए रखा, लेकिन आर्थिक गतिविधियां दुबारा शुरू होने के बाद भी स्टार्टअप कंपनियों की कमाई में कोई उल्लेखनीय इजाफा नहीं हो रहा है। कोविड का दौर थमते ही दुनिया में कई नई कंपनियां और नए स्टार्टअप सामने आ गए हैं। उनकी मौजूदगी से कुछ अरसा पहले स्थापित हुई स्टार्टअप कंपनियों में नई प्रतिस्पर्धा पैदा हो गई, जिनसे उनके लाभ की दर बुरी तरह प्रभावित हुई है। नई कंपनियां और स्टार्टअप कैसी मुश्किल खड़ी कर रहे हैं, यह फेसबुक (अब मेटा) के मामले से साफ होता है। फेसबुक को भी टिकटाक, इंस्टाग्राम और यूट्यूब जैसे सोशल मीडिया के अपेक्षाकृत नए मंचों से कड़ी टक्कर मिल रही है। फेसबुक की कमाई में बेतहाशा गिरावट आई है। इस साल फेसबुक के शेयर तिहत्तर फीसद नीचे चले गए हैं। ये बदलाव देखते हुए कंपनी ने पहले ही नई भर्तियों पर रोक लगा दी थी और अब वह बड़े पैमाने पर छंटनी करने जा रही है। हाल ही में मेटा ने कहा कि उसके यहां ग्यारह हजार से अधिक कर्मचारियों की छंटनी की जाएगी।

सेवा क्षेत्र की तकनीकी कंपनियों को नई चुनौतियों और दबावों से जूझने के अलावा कमाई बढ़ाने और निवेश हासिल करने के नए स्रोत जुटाने होते हैं। मगर इन सभी मामलों में वे अपने पुराने और बड़े निवेशकों को कोई ठोस आश्वासन नहीं दे पाई हैं। कमाई पर पड़ रहे इसी दबाव का नतीजा है कि ओला जैसी ऐप-आधारित टैक्सी सेवाएं और क्रिप्टो करेंसी का कारोबार करने वाले स्टार्टअप भी पूंजी के सूखे से जूझ रहे हैं। इस मामले में एक विडंबना यह है कि जब हमारे देश में सरकार साठ हजार से ज्यादा स्टार्टअप कंपनियां शुरू होने का दावा कर रही है, तब उनमें नौकरियों का अकाल पड़ना शुरू हो गया है। इस पूरे घटनाक्रम का एक सबक यह भी है कि युवाओं को अब कंप्यूटर, आइटी और प्रबंधन के बाहर के विषयों पर भी अपना ध्यान लगाना चाहिए।

प्रकृति के साथ जीवन

दरअसल, आज दुनिया को एक ऐसी जीवनशैली को अपनाने की जरूरत है जो प्राकृतिक संसाधनों का उपयोग इस तरह से करे, ताकि उनकी उपलब्धता भावी पीढ़ियों के लिए भी बनी रहे। पेयजल के माध्यम से इस बात को आसानी से समझा जा सकता है। अगर हम पेयजल का इस्तेमाल विवेक से करें और उसको कभी भी व्यर्थ न बहने दें तो आज भी दुनिया के कई इलाकों में पेयजल की जो कमी दिखती है, वह आसानी से दूर हो सकती है। ऊर्जा के लिए हम जिन प्राकृतिक संसाधनों पर निर्भर करते हैं, उनमें जीवाश्म ईंधन, कोयला और लकड़ी शामिल हैं। यह दुनिया जानती है कि इन सभी का भंडार सीमित है और अगर हमने ऊर्जा के लिए इनका अंधाधुंध इस्तेमाल जारी रखा तो आने वाले समय में इनके भंडार समाप्त हो जाएंगे।

अपनी ऊर्जा की जरूरतों को पूरा करने के लिए जरूरी है कि दुनिया के सभी देश नवीकरणीय ऊर्जा यानी सौर ऊर्जा और पवन ऊर्जा, जैसे अक्षय ऊर्जा के उत्पादन और इस्तेमाल के लिए पहल करें। दरअसल, अक्षय ऊर्जा ऊर्जा के उस स्वरूप को कहते हैं जो भावी पीढ़ियों की ऊर्जा आवश्यकताओं से समझौता किए बिना वर्तमान की जरूरतों को पूरा करती है। अक्षय ऊर्जा स्रोतों में अक्सर सभी नवीकरणीय स्रोत शामिल होते हैं, जैसे वनस्पति पदार्थ, सौर शक्ति, पवन शक्ति, भू-ऊष्मा शक्ति, तरंग शक्ति और ज्वार द्वारा उत्पन्न शक्ति। ऊर्जा अक्षयता की ओर अग्रसर होने के लिए न केवल ऊर्जा पूर्ति करने के तरीकों को बदलना होगा, बल्कि ऊर्जा के उपयोग के तरीकों को भी बदलना होगा और विभिन्न सेवाओं और वस्तुओं के लिए आवश्यक ऊर्जा की मात्रा को भी घटाना अनिवार्य होगा। उदहारण के लिए भवन निर्माण करते समय इस बात का पूरा ध्यान रखना होगा कि उसमें दिन में रोशनी के लिए बिजली का इस्तेमाल न करना पड़े। यों इसमें आमतौर पर ऊर्जा के प्रभाव को बढ़ाने वाली एलईडी जैसी प्रौद्योगिकियां भी शामिल हैं।

वर्तमान में वातानुकूलन के लिए भी हम जो रसायन इस्तेमाल में लाते हैं, उनसे भी प्रदूषण का दायरा बढ़ता है। जहां तक संभव हो, हमें ऐसे सभी कार्यों को प्रदूषण मुक्त बनाने के लिए यथाशीघ्र वैकल्पिक उपाय खोजने होंगे। मोटे तौर पर किसी भी प्राकृतिक संसाधन का उपयोग करते समय हमें यह ध्यान रखना होगा कि उसकी मात्रा सीमित है और उसकी जरूरत कमोबेश दुनिया के सभी लोगों को है। खाद्य पदार्थ इसी श्रेणी में आते हैं। भोजन गरीब हो या अमीर, सभी को चाहिए। खेद की बात यह है कि अन्न को हम लोग बड़ी मात्रा में बर्बाद करते आए हैं, जबकि दुनिया भर में लाखों लोग भुखमरी के शिकार हैं। जरूरत इस बात की है सिर्फ संश्लेषित रसायनों के सहारे खेती की पैदावार बढ़ाने पर जोर न दिया जाए, बल्कि पैदा हुए कृषि उत्पादों के भंडारण, प्रसंस्करण और उसे इस्तेमाल करने के तौर-तरीकों में ऐसे बदलाव किए जाएं, ताकि विभिन्न स्तरों पर होने वाली अन्न की बबार्दी से पूरी तरह से बचा जा सके। हमें यह बात भी समझनी होगी कि संश्लेषित रसायनों के अंधाधुंध इस्तेमाल से भूमि की उर्वरा शक्ति नष्ट हो रही है। दरअसल, आज दुनिया को ऐसी प्रदूषण मुक्त प्रौद्योगिकियों की जरूरत है जो एक ओर हमारी जरूरतों को पूरा करती हों और दूसरी ओर प्राकृतिक संसाधनों का कम से कम इस्तेमाल करती हों। जहां भी संभव हो, इस्तेमाल की गई सामग्री का पुनर्चक्रण करके उसे फिर से उपयोग किया जाना चाहिए। कुल मिलाकर, अगर जल, जमीन और जंगल सहित धरती की प्राकृतिक क्षमताओं में कोई गिरावट नहीं होगी तो उससे हमें एक टिकाऊ जीवनशैली की तरफ तेजी से बढ़ने में मदद मिलेगी। सवाल उठता है कि क्या दुनिया इसके लिए तैयार है? सच्चाई यह है कि पर्यावरण से जुड़े ज्वलंत मुद्दों पर भी दुनिया दो हिस्सों में बंटी हुई है। कुछ देशों के लिए आज पर्यावरण एक अहम मुद्दा है, वहीं कुछ देश अपनी विकास की गति को बनाए रखने में अधिक दिलचस्पी रखते हैं। वजह जो भी हो, सच यह है कि जो विकास हमें विनाश की तरफ ले जाता हो, उससे हम सभी को बचने की कोशिश करनी होगी।

पर्यावरण की समस्या ठीक से समझने के लिए हमें प्राकृतिक साधनों के बंटवारे को और उसकी खपत को भी समझने की जरूरत है। कुछ विशेषज्ञों के अनुसार करीब पांच फीसद आबादी दुनिया के प्राकृतिक संसाधनों के साठ फीसद हिस्से पर काबिज है। दस फीसद आबादी के हाथ में पच्चीस फीसद संसाधन हैं। लेकिन साठ फीसद लोगों के हिस्से में मुश्किल से पांच फीसद संसाधन हैं। अगर यही सब कुछ यथावत रहा और हमने अपनी जीवनशैली में कोई बड़े बदलाव न किए तो सन् 2050 तक दुनिया की साढ़े नौ अरब मानव आबादी की जरूरतों को पूरा करने के लिए हमारे पास ऐसी दो और पृथ्वी होनी चाहिए।

द कश्मीर फाइल्स के विरोध में बोलने वालों को दरअसल पच नहीं रहा है सच

गोवा में आयोजित भारतीय अंतरराष्ट्रीय फिल्म महोत्सव में इंटरनेशनल फिल्मों की ज्यूरी के प्रमुख इजराइली फिल्मकार नदव लैपिड ने विवेक अग्निहोत्री की फिल्म, द कश्मीर फाइल्स को "वल्गर प्रोपेगेंडा" और घटिया करार देकर एक बहुत ही शर्मनाक व घटिया हरकत की है। उनके बयान से ऐसा लगता है कि नदव लैपिड भारत के उस छद्म वामपंथी गिरोह की साजिशों का हिस्सा बन गये हैं जो हिंदू समाज से नफरत करता है। इस विषाक्त बयान के पश्चात सोशल मीडिया में वह सभी लोग इससे भी अधिक निकृष्ट शब्दों का प्रयोग करके ऐसे खुशी मना रहे हैं जैसे उन्होंने एक बहुत बड़ी लड़ाई जीत ली हो। जो लोग आज नदव लैपिड के बयान पर नाच रहे हैं उन्हें ईश्वर और देश की जनता दोनों शांत भाव से देख रहे हैं।

नदव लैपिड का बयान बहुत ही घटिया हरकत है जिसकी जितनी भी निंदा व विरोध किया जाए कम होगा। वास्तव में यह लोग कश्मीरी हिन्दुओं के अस्तित्व को ही नकार रहे हैं और उनके नरसंहार तथा हिंदू बहन- बेटियों के साथ हुए अमानवीय अत्याचारों को सही ठहराकर उसका जश्न मना रहे हैं। ऐसे लोगों को यह कतई नहीं भूलना चाहिए कि जम्मू-कश्मीर राज्य सहस्त्राब्दियों से भारत का अभिन्न अंग था, है और रहेगा।

नदव की टिप्पणी पर आनंद मनाने वालों को इस बात का अनुमान नहीं है कि भारत की जनता अब हर बात को बहुत ही बारीक तरीके से समझ रही है और इन लोगों को बड़ी शांति के साथ कूड़ेदान में पहुंचाने जा रही है। यह अनर्गल प्रलाप करने वाला टूलकिट गैंग है जो समय-समय पर जीवित हो जाता है। विगत दिनों जब भारतीय सेना के कमांडर ने कहा था कि भारतीय सेना पाक अधिकृत कश्मीर को किसी भी क्षण पाकिस्तान से आजादी दिलाने के लिए तैयार है, तब एक फ्लॉप और धर्मान्तरित फिल्मी कलाकार ऋचा चड्ढा ने भारतीय सेना को अपमानित करने के लिए गलवान की घटना की याद दिलाते हुए एक ट्वीट किया था जिसके बाद काफी हंगामा मचा था और अदाकारा को माफी मांगनी पड़ी थी जबकि यह टूलकिट गैंग, वामपंथी तथा कांग्रेसी उसका बचाव कर रहे थे। आश्चर्यजनक रूप से कांग्रेसी, वामपंथी, सेकुलर गैंग के साथ-साथ महाराष्ट्र में नए सेकुलर बने संजय राउत जैसे लोग भी नदव के बयान का समर्थन करते हुए कह रहे हैं कि यह फिल्म एक धर्म विशेष के खिलाफ चलाया गया प्रोपेगेंडा ही था। और तो और भारतीय सेना को समर्थन देने के लिए अक्षय कुमार को कनाडाई कहने वाले विदेशी नदव की टिप्पणी का आनंद उठा रहे हैं। वास्तव में द कश्मीर फाइल्स उन लोगों को वल्गर लग रही है जिन्होंने मिशन कश्मीर और शिकारा जैसी फर्जी प्रेम कहानियां गढ़कर कश्मीर में हुए हिन्दू जेनोसाइड पर व्हाइट वाश करने का प्रयास किया था। द कश्मीर फाइल्स उन लोगों को भी पसंद नहीं आएगी जिनको वास्तविक इतिहास से घृणा है और जो लोग कभी इस्लामी आतंकवादी हिंसा का शिकार नहीं हुए हैं। आज वे लोग भी विदेशी फिल्मकार नदव की टिप्पणी का आनंद उठा रहे हैं जो भारत- इजराइल मैत्री के विरोधी रहे हैं। द कश्मीर फाइल्स के अभिनेता अनुपम खेर ने नदव लैपिड के साथ-साथ टूलकिट गैंग पर भी निशाना साधते हुए कहा, कि द कश्मीर फाइल्स फिल्म नहीं बल्कि एक आंदोलन है, कुछ लोगों को यह सच पच नहीं रहा है। ये न इसे निगल पा रहे हैं और न उगल। इस सच को झूठा साबित करने के लिए उनकी आत्मा जो मर चुकी है बुरी तरह से छटपटा रही है। जो सच जितना भद्दा और नंगा है उसे अगर आप देख नहीं पाते तो आंखें बंद कर लीजिए मगर उसका मजाक उड़ाना बंद कीजिए।

जब यह फिल्म सिनेमाघरों में प्रदर्शित की जा रही थी और लोकप्रियता की हर पायदान पार कर रही थी उस समय भी तथाकथित सेकुलर गैंग ने जम्मू-कश्मीर के गुपकार गठबंधन के नेतृत्व में विरोध की पराकाष्ठा कर दी थी। फिल्म की लोकप्रियता के कारण उनको शांत होना पड़ा लेकिन अब नदव के बयान से उनको पुनः ऑक्सीजन मिल गयी। अब वामपंथी, सेकुलर कांग्रेसी, देशविरोधी अभियान चलाने वाला सेकुलर टुलकिट गैंग कश्मीरी हिन्दुओं का ही नहीं अपितु उनकी आड़ में समस्त हिंदू सनातन संस्कृति का अपमान कर रहा है। फिल्म के निमार्ता विवेक अग्निहोत्री ने कहा है कि अगर विरोधी फिल्म के किसी भी हिस्से को झूठा साबित कर दें तो वह फिल्म बनाना छोड़ देंगे। फिल्मकार नदव लैपिड के बयान के बाद इजरायली राजदूत नाओर गिलोन ने नदव को तगड़ी फटकार लगाते हुए उनके बयानों को पूरी तरह से खारिज किया और इसके लिए भारत से माफी मांगी है। गिलोन ने कहा कि नदव ने भारतीय संस्कृति में अतिथि को भगवान मानने की परम्परा का असम्मान और आतिथ्य का दुरूपयोग किया है। ज्यूरी प्रमुख के नाते लैपिड के बयान ने न केवल समारोह के आयोजकों को हतप्रभ किया अपितु सरकार के लिए असहज स्थितियां पैदा कीं। राजदूत गिलोन ने कहा कि यह फिल्म कश्मीर की संवेदनशीलता को दशार्ती है और हम लैपिड के बयान की निंदा करते हैं। पूरे भारत में फिल्मकार नदव लैपिड के बयान पर हंगामा मचा हुआ है, सभी सरकार विरोधी राजनैतिक दल जहां नदव के बयान के साथ खड़े हैं वहीं महाराष्ट्र के मुख्यमंत्री व उपमुख्यमंत्री सहित गोवा के मुख्यमंत्री प्रमोद सावंत तक नदव के बयान की कड़ी निंदा कर रहे हैं। द कश्मीर फाइल्स को वल्गर बताने वाले फिल्मकार नदव लैपिड के खिलाफ जम्मू-कश्मीर में भी जोरदार विरोध प्रदर्शन हो रहा है जिसमें प्रदर्शनकारी नदव को तत्काल भारत से वापस भेजने की मांग कर रहे हैं।

हिजबुल मुजाहिदीन के हमले में मारे गए प्रधानाचार्य अशोक कुमार रैना के बेटे विकास रैना ने कहा कि द कश्मीर फाईल्स ने कश्मीरी पंडितों के पलायन पर सच्चाई को छुपाने के लिए तैयार किए गए 30 साल पुराने प्रोपेगेंडा को बेनकाब कर दिया है। उन्होंने पूछा कि क्या यह लैपिड हमारा दर्द समझता है ? जब मैं बच्चा था तब मैंने अपने पिता को खो दिया था। यह भारत की शिंडलर्स लिस्ट है और यह हमारा सत्य भी है। जम्मू-कश्मीर के प्रदेश भाजपा अध्यक्ष रवींद्र रैना का कहना है कि नदव को पहले जम्मू-कश्मीर में विस्थापित कश्मीरी पंडितों के शिविरों का दौरा करना चाहिए। इस तरह की टिप्पणी की उम्मीद केवल उस व्यक्ति से की जा सकती है जो जमीनी स्थिति के साथ ही यह भी नहीं जानता कि आतंकवाद के चलते लोग कितने प्रभावित हुए हैं चाहे उनका धर्म कोई भी हो। पाक समर्थित आतंकवाद ने पिछले तीन दशकों में एक लाख लोगों की जान ली है और इसके चलते कश्मीरी पंडितों को अपने घरों से पलायन करना पड़ा।

उप जिलाधिकारी ने किया दलित बस्ती का औचक निरीक्षण, अधीनस्थ अधिकारियों को दिया दिशा निर्देश

प्रखर मुहम्मदाबाद यूसुफपुर (गाजीपुर)। स्थानीय तहसील अंतर्गत दलित बस्तियों का उप जिला अधिकारी हर्षिता तिवारी ने औचक निरीक्षण किया ।उनकी स्थिति व आवास की स्थिति को देखते हुए उन्होंने तत्काल कार्रवाई की। बताया जाता है कि उप जिला अधिकारी हर्षिता तिवारी ने यूसुफपुर रेलवे स्टेशन के पश्चिम व पूरब की ओर विगत लगभग ८० वर्षों से कपड़े के बने आवास में अपनी जिंदगी गुजार रहे दलितों की जानकारी ली। इन दलितों की स्थिति काफी दयनीय है ।बेचारे भीख मांग कर अपना गुजर-बसर कर रहे हैं ।अचानक उप जिलाधिकारी ने जब औचक निरीक्षण किया तो अपने बिच अधिकारी को देखकर सैकड़ों दलित इकट्ठा हो गए । दलित बस्ती के स्त्री-पुरुष , बच्चे सभी उनके सामने थे ।उनके चेहरे पर खुशहाली के साथ-साथ आंखों में आंसू भी थे। उन्होंने उप जिला अधिकारी को देख कर कहा -आप पहली ऐसी अधिकारी हैं, जिन्होंने हम गरीबों की खोज की। उप जिला अधिकारी ने क्षेत्रीय लेखपाल व संबंधित अधीनस्थ अधिकारी को दिशा निर्देश देते हुए तत्कालीन गरीबों की पूरी जानकारी मांगी। उप जिला अधिकारी ने इनके रहने के लिए कहा कि स्थान को खोज कर आप लोगों के रहने की उचित व्यवस्था की जाएगी ।दलितों ने बताया कि हम लोगों के पास ना तो आधार कार्ड है और ना ही वोटर लिस्ट है ।इस संबंध में पत्र प्रतिनिधि के पूछने पर उन्होंने कहा कि इनके आधार कार्ड, वोटर कार्ड व अन्य व्यवस्थाओं को तत्काल ठीक कराया जाएगा। इस कड़ाके की ठंड में यह दलित किसी तरह अपना जीवन यापन कर रहे हैं। देखा जाए तो उप जिलाधिकारी द्वारा उठाया गया कदम हजारों दलितों को नई जिंदगी देगा ।इस औचक निरीक्षण के दौरान गणमान्य नागरिक ईश्वर दयाल चून्नू लाल व अन्य लोग भी उपस्थित थे।

सेवराई तहसील की बैठक संपन्न, कमान मो. शौकत को

प्रखर ब्यूरो सेवराई/गाजीपुर। यूनाइटेड मीडिया पत्रकार एसोसिएशन के तत्वावधान में रविवार को सेवराई तहसील के पत्रकारो की एक महत्वपूर्ण बैठक दिलदारनगर के तथागत मैरेज हॉल में सम्पन्न हुई। जिसकी अध्यक्षता मुख्य अतिथि के रुप मे एसोसिएशन के संस्थापक अध्यक्ष उपेन्द्र यादव व प्रदेश महासचिव इंद्रजीत सिंह ने संयुक्त रूप से किया। बैठक में कई महत्वपूर्ण तथ्यों पर बारीकियों से विचार-विमर्श किया गया। जिसमें सरकार व आम जनता के मध्य एक मजबूत कड़ी के तहत पत्रकारों के समक्ष अनेक चुनौतियों के बावजूद भारतीय लोकतंत्र के चौथे स्तंभ के रुप में निर्भीक, निष्पक्ष व अडिग रहने आदि विषय पर जोर दिया गया। जिसमें सभी ने एक स्वर मे संगठन की मजबूती पर सहमति प्रदान की। बैठक के दौरान यह भी निर्णय लिया गया कि जल्द ही सेवराई तहसील इकाई का विस्तार किया जाएगा। अभी एसोसिएशन की गतिविधि व अग्रेतर कार्रवाई के लिए सर्वसम्मति से मो. शौकत को तहसील अध्यक्ष, मो. मारूफ को उपाध्यक्ष तथा मो. नुरुल होदा खान को भदौरा ब्लाक अध्यक्ष का दायित्व सौंपा गया है। इसके साथ ही संगठन के परिचय पत्र नवीनीकरण पर जोर दिया गया। इस अवसर पर मो. शौकत खान, मो. मारूफ खान, मो. हैदर अली, मो. जफर इकबाल ,मो. शहजाद खान ,मो. नुरुल होदा खान, सत्य प्रकाश उर्फ पिंटू सिंह, पवन कुमार श्रीवास्तव, राजीव कुमार पांडे, शैलेंद्र कुमार यादव, अविनाश कुमार यादव आदि लोग उपस्थित रहे।

परिवार परामर्श केंद्र द्वारा दो पारिवारिक विवाद का कुशलता से हुआ निस्तारण

प्रखर ब्यूरो गाजीपुर। परिवार परामर्श केंद्र गाजीपुर द्वारा पुलिस लाइन गाजीपुर के प्रांगण में पुलिस अधीक्षक गाजीपुर ओमवीर सिंह के कुशल निर्देशन में कुल 7 पारिवारिक विवाद प्रस्तुत हुए। इसमें नियासा देवी पत्नी श्रीकांत निवासी चिलार थाना नंदगंज गाजीपुर की शिकायत थी कि उसके पति अकारण ही उसे मारते पीटते रहते हैं। इस पर पति एवं ससुराल पक्ष के लोगों को समझाकर विदाई कराई गई। मनीषा देवी पत्नी महेश कसेरा निवासी बरौला बाजार थाना बलौदा बाजार जिला गोपालगंज बिहार की शिकायत थी कि उसके पति उसके चरित्र पर हमेशा शंका करते रहते हैं। इस पर पति को समझाकर बधाई कराई गई। दो पारिवारिक विवाद कुशलता के बाद बंद कर दिए गए एक पारिवारिक विवाद के लिए अगली तिथि 18/ 12/22 निर्धारित की गई है जबकि दो परिवारिक विवाद में दोनों पक्ष उपस्थित नहीं हुए। इन सभी प्रकरणों के निस्तारण में विक्रमादित्य मिश्र, शिवशंकर तिवारी,

वीरेंद्रनाथ राम, महिला सहायता प्रकोष्ट प्रभारी महिला निरीक्षक सुनम त्रिपाठी, आरक्षी आलेश कुमार, महिला आरक्षी रोली सिंह, महिला होमगार्ड उर्मिला गिरी उपस्थिति थे।

मुख्यमंत्री ने लगाया जनता दर्शन

प्रखर गोरखपुर। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ तीन दिवसीय दौरे पर लगाया जनता दर्शन.रविवार की सुबह हमेशा की तरह तड़के अपने आवास से निकलने के बाद योगी ने सबसे पहले गुरु गोरखनाथ के दरबार में हाजिरी लगाई।विधि-विधान के साथ वैदिक मंत्रोच्चार के बीच उनका दर्शन-पूजन किया। इसके बाद उन्होंने अपने गुरु ब्रह्मलीन महंत अवेद्यनाथ के समाधि स्थल पर जाकर शीश नवाया।मंदिर परिसर के भ्रमण और गोसेवा के बाद वह हिंदू सेवाश्रम गए,जहां सुबह से ही अपनी समस्या बताने के लिए लोग उनका इंतजार कर रहे थे।रविवार को जनता दर्शन में मुख्यमंत्री ने आए हुए फरियादियों की सुनी समस्या बड़ी संख्या में जमीन-जायदाद और इलाज के मामले आए। मुख्यमंत्री ने जनता दर्शन में मौजूद अधिकारियों को जमीन की समस्या का समाधान जल्द से जल्द करने का निर्देश दिया। साथ ही इलाज के लिए धन की मांग लेकर आए लोगों पर विशेष ध्यान देने को कहा।उन्होंने अधिकारियों से कहा कि आगे बढ़कर वह यह सुनिश्चित करें कि किसी भी व्यक्ति का इलाज धन के अभाव में रुकने न पाए। बहुत से लोग जमीन के विवाद का मामला लेकर पहुंचे थे। इसके अलावा बहुत से इलाज के लिए धन देने की सिफारिश कर रहे थे। मौके पर मौजूद अधिकारियों को सीएम ने निर्देश दिया कि हर किसी के साथ न्याय होना चाहिए।

भव्यता पूर्वक मनाई गई लुईब्रेल की जयंती, वक्ताओं ने डाला प्रकाश

प्रखर जखनियां। गाजीपुर। मानव सेवा समिति के तत्वावधान में श्री महादेव जी रामअधार दिव्यांग शिक्षण प्रशिक्षण केन्द्र औढ़ारी सिखड़ी में शनिवार को ब्रेल लिपि के जन्मदाता लुई ब्रेल की जयंती धूमधाम से मनाई गई। दिव्यांग बच्चों ने जहां प्रभात फेरी निकाला वहीं सांस्कृतिक कार्यक्रम प्रस्तुत कर मन मोह लिया। कार्यक्रम की शुरूआत मुख्य अतिथि सरदार दर्शन सिंह ने लुई ब्रेल की फोटो पर माल्यार्पण कर-के इसकी शुरूआत की। इसके बाद उन्होंने कहा कि लुई ब्रेल ही वह व्यक्ति थे, जिन्होंने दृष्टिबाधित बच्चों के लिए स्पर्शीय लिपि का निर्माण किया। जो आज के समय में उनके लिए काफी मददगार है। पूर्व मंत्री डा.रमाशंकर राजभर ने कहा कि ब्रेल का जन्म फ्रांस के एक छोटे से गांव कूप्रे में 4 जनवरी 1809 में हुआ था। वह खुद भी दृष्टिबाधित थे इसके बाद भी उन्होंने इस लिपि का अविष्कार किया जो सारे विश्व के लिए बेहद लाभदायी साबित हुई। समाजसेवी ब्रजभूषण दूबे ने कहा कि लुई ब्रेल फ्रांस के शिक्षाविद तथा अन्वेषक थे जिन्होने दृष्टिबाधितों के लिये लिखने तथा पढ़ने की प्रणाली विकसित की।

यह पद्धति 'ब्रेल' नाम से जगप्रसिद्ध है। फ्रांस में जन्मे लुई ब्रेल दृष्टिबाधितों के लिए ज्ञान का भंडार बन गए। ब्रेल लिपि के निर्माण से दृष्टिबाधित छात्रा/ छात्राओं के पढ़ने की कठिनाई को मिटाने वाले लुई स्वयं भी दृष्टिबाधित थे। लेकिन अपने हौसले के कारण दृष्टिबाधितो के लिए आदर्श बन गए। मानव सेवा समिति के प्रवंधक रमेश यादव एवं शमीम अब्बासी ने कहा कि दृष्टिबाधितों के प्रति नकारात्मक सोच समाज को बदलना चाहिए। दृष्टिहीनों को दया नहीं सहयोग की जरुरत है। इस अवसर पर योगेश पांडेय, गोरखनाथ राजभर, अरविंद यादव, रामपूजन राजभर प्रधान, श्रीनारायन गिरी, सुनील गुप्ता, सत्यप्रकाश, सूबेदार यादव आदि उपस्थित रहे संचालन सतीष गिरी एवं अंत में आए हुए सभी अतिथियों का आभार पूर्व जिला पंचायत सदस्य रमेश यादव ने जताया।

3 शातिर चोर गिरफ्तार

बलिया। पुलिस अधीक्षक जनपद बलिया श्री राज करन नय्यर के आदेश के अनुपालन मे अपराध नियत्रंण व संदिग्ध व वांछित अपराधियों की गिरफ्तारी हेतु चलाये जा रहे अभियान के क्रम में उ.नि. अजय यादव व उ.नि. हितेश कुमार मय पुलिस फोर्स देखभाल क्षेत्र, पेण्डिगं विवेचना, तलाश वाँछित वारण्टी, चेकिंग संदिग्ध व्यक्ति/वाहन में क्षेत्र में मामूर होकर तिराहीपुर पुल पर चेकिंग के दौरान 01 वाहन पर तीन व्यक्ति शिवरी अमहट की तरफ से आते हुए दिखाई दिये जिन्हे रुकने का इशारा किया गया तो वह व्यक्ति अपनी मोटरसाइकिल को घुमाकर भागना चाहें जिनको शक के आधार पर पुलिस टीम द्वारा दौड़ाकर पकड़ लिया गया । जमातलाशी के दौरान अभियुक्तों के कब्जें से 02 अदद अवैध चाकू व 01 अदद चाबी नुमा पना मोटर साइकिल के लाक तोड़ने की गोटी बरामद हुआ अभियुक्तो से पूछताछ दे दौरान पकड़े गये तीनों अभियुक्तों की निशानदेही पर 01 अदद मोटरसाइकिल बरामद कर सभी अभियुक्तों को हिरासत पुलिस में लिया गया।

घरवाले बेटी की शादी की तैयारी में जुटे थे गांव का एक युवक लड़की को लेकर हुआ फरार

प्रखर गोरखपुर। गुलरिहा थाना क्षेत्र के जंगल डुमरी नंबर 2 सकलदीपपुर टोला से 31 अक्टूबर 2022 की शाम से 18 वर्षीय लड़की को गांव का ही श्याम मोहन बहला-फुसलाकर भगा ले गया है लड़की अपने साथ गहना भी लेकर फरार हो गई है। लड़की की बरामदगी के लिए बूढ़ी मां गुलरिहा थाने का पिछले कई दिनों से चक्कर लगा रही है। पीड़ित ने इसकी शिकायत गुलरिया थाने पर 4 नवंबर को दिया था हालांकि उसकी शिकायत 5 नवंबर को गुलरिहा पुलिस ने रिसीव किया लेकिन इस बूढ़ी मां की आंखें बेटी के इंतजार में पथरा गई है पाई पाई करके एक एक तिनका जुटाकर बेटी की शादी तैयारी में जुटी थी कुछ दिन बाद उसकी शादी होनी भी थी कि इसी बीच में गाँव का एक युवक लड़की को बहला-फुसलाकर जेवरात लेकर फरार हो गया ।पीड़ित ने इस संबंध में गुलरिया थाने पर तहरीर देकर बेटी की बरामद की गुहार लगा रही है । बूढ़ी मां की आंखें बेटी के इंतजार में पथरा गई हैं कि कब बेटी घर आएगी और उसके हाथ पीले करेंगे लेकिन गुलरिया पुलिस की उदासीनता के वजह से जंगल डुमरी नंबर दो सकलदीपपुर टोला की रहने वाली बेइला देवी पिछले कई दिनों से गुलरिहा थाने का चक्कर लगाकर थक चुकी है लेकिन पुलिस उसकी लड़की को 1 माह से अधिक बीत जाने के बाद भी अभी तक तलाश नहीं कर सकी। पुलिस महिला सशक्तिकरण व महिला सुरक्षा और संरक्षण की बात करती है लेकिन गुलरिहा थाने के थानेदार को अपने उच्च अधिकारियों के आदेश व निर्देश का पालन करने से कतरा रहे हैं। गुलरिया थाना प्रभारी मनोज कुमार पांडे से बात की गई तो उन्होंने कहा कि मुकदमा दर्ज कर लिया गया है और लड़की की तलाश की जा रही है।

बेटे-बेटियों में फर्क नहीं करना चाहिए

बेटियों को भी आगे बढ़ने के लिए समान अवसर मिलने चाहिए

प्रखर जौनपुर। की युवा कवियित्री शुचि मिश्रा हिंदी साहित्य के क्षेत्र में जिले का नाम रोशन कर रही हैं। तेजीबाजार क्षेत्र के मितावां गॉव निवासी युवा कवियित्री शुचि मिश्रा ने अपनी प्रतिभा की बदौलत देश ही नही बल्कि विदेश में भी कामयाबी का परचम लहराने का काम किया है। जिसके लिए शुचि मिश्रा को सिंगापुर के प्रसिध्द कविताई प्रथम पुरस्कार से भी सम्मानित किया जा चुका है। शुचि ने कहा कि बेटियों को कभी भी रोकना नही चाहिए, उन्हें शिक्षित बनाने व आगे बढ़ने में उनके माता-पिता की तरह हर बेटी के माता-पिता को आगे आना चाहिए।

दरअसल, युवा कवियित्री शुचि मिश्रा बक्शा विकास क्षेत्र के मितावां गांव निवासी पेशे से अधिवक्ता अशोक मिश्र की सबसे छोटी बेटी हैं। उनके दादा कोलकाता में शिक्षा सदन स्कूल के प्राचार्य रहे हैं। शुचि ने पेशे से शिक्षक अपने मामा की लाइब्रेरी से किताबें पढ़कर कविता लिखने की शुरूआत की। उन्होंने अपनी प्रतिभा की बदौलत हिंदी साहित्य के क्षेत्र में बेहद कम समय मे ही बड़ा मुकाम हासिल करने का काम किया। बेटी की इस कामयाबी से परिवार रिस्तेदार ही नही बल्कि जिले के लोग भी गौरवांवित महसूस करते है। शुचि मिश्रा अपनी प्रतिभा से सिंगापुर तक देश का नाम रोशन करने का काम कर चुकी हैं।

गॉव के प्राथमिक विद्यालय से हुई शिक्षा : सिंगापुर तक अपनी प्रतिभा से जिले देश का नाम रोशन करने वाली जौनपुर की युवा कवियित्री शुचि मिश्रा का जन्म 20 अक्टूबर 1995 को मितावां गांव में हुआ। उनकी आरंभिक शिक्षा घर व उच्च शिक्षा प्राथमिक विद्यालय मयन्दीपुर से हुई। इसके बाद शुचि ने हिंदी में स्नातकोत्तर तक डिग्री हासिल किया, फिलहाल वह अभी हिंदी साहित्य में शोध कर रही हैं। उन्होंने बताया कि उनके माता-पिता ने कभी भी बेटे-बेटी में कोई भेदभाव नहीं किया। उन्हें परिवार का हमेशा भरपूर सहयोग मिलता है। उन्होंने कहा कि किसी भी माता-पिता को कभी भी बेटे

और बेटियों में किसी तरह का कोई भेदभाव नही करना चाहिए, बेटियों को भी बेटों की तरह अवसर देकर उन्हें शिक्षित बनाना चाहिए, ताकि बेटियां भी घर-परिवार, समाज व देश के लिए कुछ कर सकें।

कई बड़े पत्र-पत्रिकाओं में प्रकाशित हो चुकी हैं शुचि की रचनाएं व लेख : हिंदी साहित्य के क्षेत्र में युवा कवियित्री शुचि मिश्रा का बेहद रुझान रहा। जिसके फलस्वरूप बेहद कम उम्र में ही साक्षात्कार, वागर्थ, बहुमत, युग तेवर, अट्ठहास, आकंठ, दुनिया इन दिनों, इलेक्ट्रॉनिकी आपके लिए, विज्ञान प्रगति सहित कई पत्र-पत्रिकाओं में शुचि की रचनाएं प्रकाशित हुईं। विश्वरंग महोत्सव के साथ ही अन्य साहित्यिक गतिविधियों में जौनपुर की बेटी की सक्रिय भागीदारी रही। साहित्य के अलावा विज्ञान के क्षेत्र में भी शुचि मिश्रा की गहरी रुचि रही जिससे उन्होंने अल्बर्ट आइंस्टाइन, जगदीश चंद्र बसु और सत्यनाथ बोस पर लेखन का कार्य किया।

शुचि को मिल चुका है सिंगापुर का प्रसिद्ध प्रथम कविताई पुरस्कार- जौनपुर की बेटी को साहित्य के क्षेत्र में अबतक देश से लेकर विदेश तक अनेकों पुरस्कार मिल चुके हैं। "पृथ्वी झुकी है" कविता पर शुचि मिश्रा को सिंगापुर का प्रसिद्ध कविताई पुरस्कार मिल चुका है। इसमे देश-विदेश के बड़े-बड़े कवियों व रचनाकारों ने प्रतिभाग किया था। जिसमे शुचि को प्रथम स्थान प्राप्त करने पर उन्हें इस सम्मान से पुरस्कृत किया गया था। इसके अलावा, अभी कुछ दिनों पूर्व उन्हें रविन्द्र नाथ टैगोर विश्वविद्यालय, भोपाल द्वारा आयोजित विश्वरंग कार्य्रकम के अंतर्गत विज्ञान पर्व में प्रथम स्थान प्राप्त करने पर सर सी.वी. रमन युवा विज्ञान कविता पुरस्कार से नवाजा गया है। जिसमे उन्हें ग्यारह हजार रु नकद पुरस्कार स्वरूप मिले हैं। युवा कवियित्री शुचि मिश्रा को विज्ञान प्रसार दिल्ली की ओर से बिलासपुर में आयोजित विज्ञान कवि सम्मेलन में भी प्रथम स्थान प्राप्त करने पर सम्मानित किया जा चुका हैं। इसके अलावा दर्जनों से अधिक अवार्ड उन्हें मिल चुके है।

माता-पिता को अपनी कामयाबी का श्रेय देती है शुचि : जौनपुर की युवा कवियित्री शुचि मिश्रा ने बताया कि उन्हें यहां तक पहुँचने में सबसे बड़ा योगदान उनके माता-पिता और गुरुजनों का है। उन्होंने बताया कि आज के समाज मे लोग अभी भी लड़कियों को घर से बाहर भेजने व उन्हें कुछ करने देने से डरते है। लेकिन उनके माता-पिता की तरफ से उन्हें इसके लिए किसी तरह से रोका-टोका नही गया। बल्कि हमेशा उनके माता-पिता उनपर भरोसा करके उनका साथ देते हैं। शुचि ने कहा कि हिंदी साहित्य के क्षेत्र में वह आगे भी अच्छा कार्य करके अपने माता-पिता, गांव, जिले व देश का मान बढ़ाने का काम करती रहेंगी। जौनपुर की बेटी की इस प्रतिभा को देखकर हर कोई शुचि के उज्ज्वल भविष्य के लिए कामना करते हुए उन्हें बधाईयां दे रहा है।

संक्षिप्त खबरें

आईजीएल के बिजनेस हेड एस के शुक्ल ने तीन सिलाई मशीन मदन मोहन मालवीय प्रद्यौगिक विश्वविद्यालय को प्रदान किया

प्रखर गोरखपुर। इण्डिया ग्लाईकॉल्स लिमिटेड गीडा के व्यापार प्रमुख एवं यूपीडिये के अध्यक्ष एस के शुक्ल ने मदन मोहन मालवीय प्रद्यौगिक विश्वविद्यालय के कुलपति जेपी पांडेय जी को रामलखना गांव में महिलाओं को आत्मनिर्भर एवं शसक्त बनाने हेतु सिलाई मशीन प्रदान किया। इसके पूर्व में आईजीएल ने एमएमएमयूटी को ११ सिलाई मशीन उपलब्ध कराया था और दोनों सिलाई सेण्टर का उद्घघाटन राजयपाल महोदया द्वारा किया गया था , इस सिलाई प्रशिक्षण हेतु सिलाई मशीन और अन्य उपकरण प्रबंधक प्रशासन एवं जनसम्पर्क डॉ सुनील कुमार मिश्रा की देख रेख में दिया जा रहा है। डॉ सुनील कुमार मिश्रा बिजनेस हेड एस के शुक्ल के मार्गदर्शन यह कार्य कर रहे ह। दोनों सिलाई प्रशिक्षण केंद्र में तकरीबन एक साथ ३०० से अधिक महिलाये प्रशिक्षण प्राप्त कर सकती है।

आबकारी विभाग अवैध कच्ची शराब बरामद कर की कार्रवाई

प्रखर गोरखपुर। आबकारी आयुक्त के निर्देश पर अवैध कच्ची शराब के खिलाफ प्रवर्तन अभियान चलाया गया। 4-12-22 को गोरखपुर में प्रवर्तन अभियान के तहत आबकारी निरीक्षक सेक्टर-1अरविंद कुमार मिश्रा व आबकारी निरीक्षक मिथलेश कुमार द्वारा कच्ची एवं अवैध शराब के विभिन्न स्थानों पर दबिश दी गई। थाना-रामगढ़ ताल के अन्तर्गत रामपुर एवं थाना- खोराबार के अन्तर्गत जंगल अयोध्या प्रसाद मे दबिश दी गई। आबकारी विभाग के दबिश के दौरान लगभग 75 ली अवैध कच्ची शराब बरामद कर आबकारी अधिनियम के अन्तर्गत 03 अभियोग पंजीकृत कर कार्रवाई की गई।

एसीपी सर ने शिवम स्कूल में लगी विज्ञान प्रदर्शनी की खूब सराहना की

प्रखर डेस्क। सहायक पुलिस आयुक्त (एसीपी) श्री अवधेश कुमार पाण्डेय ने कक्षा 1 से 8 तक के छोटे छोटे बच्चों द्वारा बनाये गए मॉडल व प्रोजेक्ट की बहुत सराहना की। ग्रामीण जीवन के विज्ञान को दशार्ने वाले मॉडल " हमारा गाँव " के लिए अभिषेक मिश्र व सत्यप्रकाश तिवारी को संयुक्त रूप से प्रथम पुरस्कार दिया गया। स्मार्ट सिटी, वॉटरफॉल, ह्यूमन स्केलटन, इग्लू आदि की भी दर्शकों ने बहुत प्रंशसा की। कार्यक्रम में आये हुए यातायात निरीक्षक (टी.आई.) पंकज तिवारी, उपनिरीक्षक देवानन्द बरनवाल, विकास अधिकारी (एल.आई.सी.) कृष्ण मोहन मिश्र, दूरदर्शन कलाकार भारत भूषण जी समेत सभी अतिथियों व अभिभावकों ने बच्चों के प्रयास को खूब सराहा और उनके उज्ज्वल भविष्य का आशीर्वाद दिया। शिवम इंग्लिश स्कूल के प्रबंधक राजेश मिश्र ने सबका स्वागत व प्रधानाचार्य सौरभ मिश्र ने धन्यवाद ज्ञापन किया।

जो बन चुके पहेली, ऐसे राह ढूढता हूँ.....

प्रखर कसया, कुशीनगर। विमर्श साहित्यिक संस्था के तत्वाधान में निरंकारी इंटरमीडिएट कालेज परिसर में आयोजित मासिक काव्य गोष्ठी में कवियों ने सम सामयिक कविता, गजल, शेरो, शायरी को सुनाकर बहाबही लुटी। गोष्ठी की शुरूआत माँ सरस्वती के कविता पाठ से हुआ। युवा कवि अश्वनी दिवेदी ने जिनगी के संयिहारे के सीख, कबो न हिम्मत हारे के सिख। सुजीत पाण्डेय ने तूफानों की औकात अब पतवार बताएगी। डॉ इम्तियाज 'समर' ने मेरा चेहरा नजर आएगा। डॉ अर्शी बस्तवी ने ख्वाब शोहरत के देखने वालों शोहरतें दुश्मनी बढ़ाती है। कृष्णा श्रीवास्तव ने शब्द की पीड़ा न समझे, हो रहे अति क्रूर हम। मधुसूदन पाण्डेय ने भारत की क्या ब्यथा सुनाऊं। रेणुका चौहान ने रहें हम साथ जीवन भर। महेश अकाशपुरी ने वतन में लोकशाही का सबल आधार होता है। सुरेंद्र प्रसाद गोपाल ने अब तो दीवारों से संवाद करता आदमी। एडवोकेट इरशाद कामिल ने सबकी निगाह में ही खता वार हो गए। संतोष संगम ने गर नजरों में ढाल हो जाये। मोहन पाण्डेय भ्रमर ने लहकत मकईया से महकत सिवान के, हे भईया गंऊवा के ठाट निक बाटे। सीताराम मधुर नेत्र संवाद पर ओमप्रकाश दिवेदी ने फुलवा लोढ़न चले राम लक्ष्मण दुनु भईया जनक बगिया सुनाई। कवियों की रचनाओं का दर्शकों ने खूब आनंद लिया। मुख्य अतिथि पूर्व विधायक रजनीकान्त मणि त्रिपाठी ने सभी कवियों को शुभकामनाएं देते हुए कहा कि अपनी रचना हम अपनी मुश्किलों में, एक राह ढूढता हूँ। जो बन चुके पहेली, ऐसे राह ढूढता हूँ। सुनाकर जीवन की सच्चाई बयां की। विशिष्ट अतिथि अखिल भारतीय पत्रकार सुरक्षा समिति के प्रदेश अध्यक्ष अजय प्रताप नारायण सिंह ने कवियों की रचनाओं की सराहना की। कार्यक्रम की शुरूआत माता सरस्वती के चित्र के समक्ष दीपनप्रज्वलन से हुआ। अतिथियों, कवियों और पत्रकारों का माल्यार्पण, अंग वस्त्र व प्रशस्ति पत्र देकर सम्मानित किया गया। संचालन कर रहे विमर्श अध्यक्ष आरके भट्ट ने संतुलन जो बिगाड़ा सृष्टि का, मल मल के हाय पछताओगे। सुनाकर कुरीतियों पर प्रहार किया। आभार सचिव जय क?ष्ण शुक्ल व प्रधानाचार्य अवधेश चौरसिया ने व्यक्त किया। इसी क्रम में मधुसूदन मिश्रा, अवधेश नन्द, शैलेंद्र असीम, उगम चौधरी उगम, गोमल कवि, नूरुद्दीन नूर, डॉ बलराम राय, रामनरेश शर्मा, धीरज राव, नंदलाल सिंह कांतिपति, जगदीश प्रसाद, अशोक शर्मा, सुजीत पाण्डेय, सत्यप्रकाश शुक्ल, मदन मोहन पाण्डेय आदि ने अपनी बेहतरीन रचना सुनाई। इस दौरान जेपी यादव, रालोद नेता विवेक कुमार वर्मा, हरीओम मिश्रा, संजय सिंह, आफताब आलम, अब्दुल मजीद, देवेंद्र पाण्डेय, मनोज चौरसिया, धीरेंद्र त्रिपाठी आदि मौजूद रहे।

बॉलीवुड

विक्की कौशल की गोविंदा नाम मेरा

सरदार उधम की सफल फिल्म देने के बाद, विक्की कौशल आने वाली फिल्म गोविंद नाम मेरा में दिखाई देंगे, जो 16 दिसंबर को रिलीज होने वाली है। कियारा आडवाणी और भूमि पेडनेकर अभिनीत, फिल्म का प्रीमियर डिज्नी हॉटस्टार पर होगा। विक्की कौशल डीजे बने, भारी बारिश के कारण शूटिंग ठप हो गई थी। विक्की ने जबरदस्त शाम बिताई। सेट पर चाय और वड़ा पाव भी मंगवाए गए। फिल्म में विक्की गोविंदा वाघमारे का किरदार निभाएंगे। भूमि पेडनेकर को उनकी पत्नी गौरी के रूप में हैं जबकि कियारा उनकी प्रेमिका की भूमिका निभाएंगी। फिल्म में विराज घेलानी, सयाजी शिंदे और दयानंद शेट्टी भी हैं। गोविंदा नाम मेरा शशांक खेतान द्वारा लिखित और निर्देशित कॉमेडी फिल्म है।

दिल्ली लकी चार्म है : अर्जुन कपूर

अर्जुन कपूर अपनी फिल्म के लिए दिल्ली में शूटिंग शुरू कर चुके हैं। अर्जुन ने कहा, दिल्ली हमेशा से मेरे लिए बहुत खास रही है और यह मेरा लकी चार्म है। मैंने 2 स्टेट्स, की एंड का, संदीप और पिंकी फरार की शूटिंग राष्ट्रीय राजधानी में की है, ये सभी फिल्में मेरी फिल्मोग्राफी की सबसे खास फिल्में रही हैं, इन फिल्मों से मुझे बड़ी पहचान मिली।

अपना फिजिकल ट्रांसफॉर्मेशन करते हुए आहार की कठोर दिनचर्या का पालन कर रहे अर्जुन दिल्ली के स्वादिष्ट व्यंजनों का आनंद लेना चाहा। अर्जुन ने कहा, चूंकि मैं फिटनेस के लिए सतर्क हूं, जल्द ही अपेक्षित शरीर हासिल करना चाहता हूं। इसलिए मैं दिल्ली के व्यंजनों का स्वाद रोज नहीं ले पाएंगे, लेकिन मैंने अपने मन की चीजें खाने दे। उन्होंने कहा, मैं अपनी बुआ का घर का खाना और यहां की चाट खाउंगा। मैं दिल्ली में इस आउटडोर शेड्यूल के लिए उत्साहित हूं, जब मैं अपनी बचपन की छुट्टियों के दिनों को याद करूंगा और यहां पर अपने परिवार के साथ समय बिताते हुए अपनी पसंद की चीजें खाउंगा।

यजनेश शेट्टी ने ब्रूस ली का जन्मदिन मनाया

मशहूर ब्रूस ली का जन्मदिन को देश-विदेश में लोग बड़ी धूमधाम से मनाते हैं। मार्शल आर्ट एक्सपर्ट चीता यजनेश शेट्टी ने भी ब्रूस ली का 82वां जन्मदिन अंधेरी (वेस्ट) में स्थित 'सावन डांस एकेडमी हॉल' में मनाया। बच्चों ने साथ मिलकर केक काटा गया। चीता यजनेश ने कहा कि बच्चों के चेहरों पर खुशी देखकर अच्छा लगा और हर युवा और मार्शल आर्टिस्ट से समाज के लिए कुछ करने का आग्रह किया। इस मौके पर चीता यजनेश शेट्टी, श्रवण शेट्टी, अमरजीत कौर शेट्टी सहित अन्य मौजूद रहे और कार्यक्रम को सफल बनाया। यजनेश ने कहा, मार्शल आर्ट अनुशासन, समर्पण, दूसरों के लिए सम्मान आदि की प्रेरणा देता है। इसके माध्यम से लोग अपने शरीर और दिमाग को स्वस्थ रखने में सफल हो सकते हैं। यह लड़ने की कला नहीं है, बल्कि आत्मरक्षा के लिए है। इसके लिए हम सभी को ब्रूस ली का शुक्रिया अदा करना चाहिए, जिनकी वजह से मार्शल आर्ट का प्रसार हुआ और देश-विदेश में हर किसी को प्रेरणा मिलती है।

उत्सुकता बनाए रखना चाहते सिद्धार्थ

डायरेक्टर, सिद्धार्थ आनंद फिल्म 'पठान' को भारत के सबसे बड़े एक्शन शो के तौर पर पेश करना चाहते हैं। 'पठान' आदित्य चोपड़ा के स्पाई यूनिवर्स का हिस्सा है, जिसमें शाहरुख खान, दीपिका पादुकोण और जॉन अब्राहम मुख्य भूमिकाओं हैं। 4 साल बाद शाहरुख सिनेमा में वापसी कर रहे है। दीपिका पादुकोण दिलकश अवतार में दिखाई देंगी। इसके अलावा, शाहरुख और जॉन अब्राहम एक-दूसरे से मुकाबला करते हुए नजर आने वाले हैं। सबसे पहले 'पठान' के दो गाने रिलीज किए जाएंगे, जनवरी में फिल्म का ट्रेलर रिलीज होगा। सिद्धार्थ कहते हैं, पठान में दो गाने सचमुच बेहतरीन हैं, खास तौर पर दिसंबर का महीना, दुनिया भर के लोगों के लिए पार्टी करने और छुट्टियां बिताने का समय होता है। इसलिए हम गाने रिलीज करेंगे। 'पठान' 25 जनवरी, को हिंदी, तमिल और तेलुगु में रिलीज के लिए तैयार है।

ल्यूक ने विजुअली चैलेंज्ड के बारे में की बात

हाल ही में लॉन्च की गई एमएक्स ओरिजिनल सीरीज धारावी बैंक में हैं ल्यूक केनी। ल्यूक केनी बताते हैं, धारावी बैंक में माइकल का किरदार के लिए, मैंने कठिन और जटिल तैयारियों में पूरा किया। जब आपकी आखें अवरुद्ध हो जाती है, तो काम करने के लिए कुछ समय लेते हैं। यह आंशिक अंधापन था और मेरी आंखें पूरी तरह से प्रोस्थेटिक्स से बंद थीं। मैं वास्तव में खुश हूं कि समित और टीम ने मुझे ऐसा करने के लिए प्रेरित किया क्योंकि यह एक ऐसा अनुभव है जिसे मैं कभी नहीं भूलूंगा। इस सीरीज में सोनाली कुलकर्णी, फ्रेडी दारूवाला, शांति प्रिया, संतोष जुवेकर, नागेश भोसले, सिद्धार्थ मेनन, हितेश भोजराज, समीक्षा बटनागर, रोहित पाठक, जयवंत वाडकर, चिन्मय मंडलेकर, भावना राव, श्रुति श्रीवास्तव, संध्या शेट्टी शामिल हैं।

रिद्धिमा तिवारी ने किए खुलासे

शेमारू उमंग पर रिद्धिमा तिवारी, हिमांशु सोनी और नेहा हरसोरा द्वारा अभिनीत राज महल की शुरुआत हो चुकी है। रिद्धिमा बताती हैं, शादी से पहले मेरे पति हमेशा इस बात को लेकर अचंभे रह जाते थे कि मुझे हमेशा बिना बताई बातों का पता कैसे चल जाता है या मैं पहले से कई भविष्यवाणियां खुद कैसे कर लेती थी। जबकि मैं हमेशा कहती थी कि मेरे पास काली जादुई शक्तियां हैं। वह हमेशा इस बात को लेकर फंस जाते थे कि वे मुझपर भरोसा करें या न करें और मैं खूब हंसा करती थी। यह बात घर पर बहुत आम हो गई। मुझे नहीं पता था कि मैं जल्द ही शक्तिशाली, रहस्यमयी खूबसूरत चंद्रलेखा-डाकिनी की भूमिका निभाऊंगी, जिसके पास जादुई शक्तियां हैं। और आखिरकार जब मैंने पति जसकरन सिंह को इस किरदार के बारे में बताया तो उन्होंने मजाक उड़ाया. बोल पड़े 'दुनियावलो आओ आकर मुझसे पूछो', डाकिनी के सारे रहस्य मुझे पता हैं।

मलाइका और नोरा के साथ डांस करना खुशी की बात है : आयुष्मान

बॉलीवुड स्टार आयुष्मान खुराना हिंदी फिल्म सुपरस्टार की भूमिका निभा रहे हैं, जिसने अपराध किया है और कुख्यात लोग उसको फंसाने की कोशिश कर रहे हैं। आयुष्मान ने इस प्रोजेक्ट के लिए डांस भी किया है। सॉन्ग, आप जैसा कोई में मलाइका अरोड़ा के साथ और जेहदा नशा में नोरा फतेही के साथ डांस कराएंगे। आयुष्मान कहते हैं, भारत की दो सबसे बड़ी डांसिंग स्टार्स- सिचुएशनल सॉन्ग आप जैसा कोई में मलाइका अरोड़ा के साथ और मेरी अपकमिंग रिलीज एन एक्शन हीरो के गाने जेहदा नशा में नोरा फतेही के साथ डांस करना बेहद खुशी की बात है। वे हैरान कर देने वाली शानदार परफॉर्मर्स हैं और खूबसूरत इंसान भी हैं। इन डांस नंबर्स के लिए उनके साथ काम करना मेरा सबसे अच्छा समय था। मुझे उम्मीद है कि देश भर के दर्शक इनको पसंद करेंगे। वे आगे कहते हैं, हिंदी फिल्म इंडस्ट्री के सुपरस्टार की भूमिका निभाना मेरे लिए मजेदार जर्नी रही है। मुझे फिल्म में न सिर्फ कुछ हार्डकोर एक्शन करने को मिला, बल्कि इन सेंसशनल डांसर्स के साथ डांस करने का भी मौका मिला, जिन्होंने सभी को अपने अविश्वसनीय टैलेंट से बांध लिया है। आयुष्मान कहते हैं, मैंने उनके साथ स्टेप्स मैच कराने की कोशिश की है। यह अनुभव मेरे लिए हमेशा यादगार रहेगा क्योंकि मैंने पहली बार किसी फिल्म में दिल खोलकर डांस किया है और मुझे बहुत मजा आया है। अपनी फिल्मों में इस तरह डांस करना निश्चित तौर पर मेरी बकेट लिस्ट का हिस्सा था और मैं हैरान हूं कि यह सपना मलाइका अरोड़ा और नोरा फतेही के साथ पूरा हुआ।

वर्धन ने म्यूजिक वीडियो की शूटिंग की

ये साली जिंदगी से शुरुआत कर चुके अभिनेता वर्धन पूरी ने फिल्मफेयर अवार्ड में बेस्ट एक्टर डेब्यू के लिए नॉमिनेशन हासिल किया। युवा अभिनेता के पास कई फिल्में और प्रॉजेक्ट्स है, जिसकी शूटिंग में वे व्यस्त हैं। उन्होंने 36 घंटे में दो म्यूजिक वीडियो को दो अलग-अलग देश में शूट किया। वर्धन ने मुंबई में सोनू निगम द्वारा गाए गए ना जाना कहीं दूर संगीत वीडियो की शूटिंग की, उसके बाद मॉरीशस में दीपक मुकुट के लिए कहां चले नामक एक और संगीत वीडियो की शूटिंग पूरी की। वर्धन कहते हैं, बैक-टू-बैक शूट करना अद्भुत अनुभव था। मेरी मॉरीशस की शूटिंग पहले से ही तय थी और वहां से, मैं सीधे हवाई अड्डे के लिए रवाना हो गया (मेरे बैग पहले से ही मेरी कार के बूट में थे) मॉरीशस के लिए उड़ान भरी। जैसे ही मैं वहां उतरा, वहां तीन दिन बिना रुके शूटिंग शुरू कर दी। वर्धन कहते हैं कि ना जाना कहीं दूर मध्यम वर्ग के जोड़े की कहानी है। मैंने अनोखे और नई तरह के कॉन्सेप्ट के रूप में पाया और मैं वास्तव में उत्साहित था क्योंकि मुझे यह आइडिया बेहद पसंद आया इसमें नयापन है। वर्धन निर्देशक विवेक अग्निहोत्री की 'नौटंकी' में, अनुपम खेर, सतीश कौशिक और पल्लवी जोशी के साथ नजर आएंगे, इसके अलावा दो फिल्में, कुणाल कोहली द्वारा निर्देशित और दूसरी सरीम मोमिन द्वारा निर्देशित की जाएगी। एंडेमोल शाइन के साथ मनोवैज्ञानिक फिल्म में दिखाई देंगे।

डायरेक्टर शशांक खेतान का स्पेशल कैमियो

गोविंदा नाम मेरा में विक्की कौशल, कियारा आडवाणी और भूमि पेडनेकर की हैं। फिल्म में डायरेक्टर शशांक खेतान खुद कैमियो निभाते नजर आएंगे। हालांकि, कैरेक्टर के बारे में जानकारी गुप्त है। लेकिन इश्कजादे में भी कैमियो में देखा गया था। अभिनेता अर्जुन कपूर ने खेतान निर्देशित फिल्म धड़क की बात की थी, जिसमें ईशान खट्टर और जाह्नवी कपूर ने अभिनय किया था। अर्जुन ने कहा था, दरअसल, शशांक खेतान ने इश्कजादे में मेरे और परिणीति (चोपड़ा) के साथ एक्टिंग डेब्यू किया था। हालांकि बहुत कम लोग जानते हैं कि उन्होंने मेरे साथ 'छोकरा जवान' में डांस किया था।

टीवी

मैं दाढ़ी रखना चाहूंगा : शक्ति अरोड़ा

जी टीवी का शो 'कुंडली भाग्य' के लिए शक्ति मैव्योर नजर आने के लिए दाढ़ी ट्रिम करके रखते हैं। शक्ति ने कहा, मैंने हाल ही में दाढ़ी रखनी शुरू की है लेकिन पहले मैं क्लीन शेव या फिर बिखरी हुई दाढ़ी रखता था। हालांकि मुझे दाढ़ी मेंटेन करना पड़ता है। हर दिन शूटिंग पर निकलने से पहले मैं दाढ़ी ट्रिम करता हूं। मुझे अर्जुन की दाढ़ी का स्टाइल और लुक अच्छा लगता है और अब मैंने असल जिंदगी में भी अर्जुन का लुक और उसके जैसी दाढ़ी रखने का फैसला किया है।

टेलीविजन वर्सेस मूवीज पर राजू खेर

अभिनेता राजू खेर जल्द ही स्टार भारत के नए शो 'आशाओं का सवेरा... धीरे धीरे से' में नजर आएंगे। टेलीविजन और फिल्मों में कई महत्वपूर्ण किरदार निभाने वाले राजू खेर बताते हैं, मैं हमेशा से टेलीविजन इंडस्ट्री के साथ-साथ सिनेमा का भी हिस्सा रहा हूं। हालांकि मुझे दोनों बिरादरी में काम करना बहुत पसंद है, लेकिन मुझे फिल्में और वेब सीरीज करना अधिक आरामदायक लगता है। चूंकि टेलीविजन इंडस्ट्री की इस वक्त बहुत मांग रही है और हमेशा स्क्रिप्ट तैयार करने और अगले एपिसोड को विशेष समय सीमा में डिलीवर करने का दबाव रहता है, जबकि दूसरी ओर फिल्में अपनी खुद की होती हैं, हालांकि इसका अपना शेड्यूल होता है जहां हम लगातार काम करते हैं और इसे पूरा करते हैं। वे कहते हैं, हालांकि हमेशा इसका हिस्सा बना रहूंगा, चाहे मैं कहीं भी रहूं। साथ ही मेरा मानना है कि इससे कोई फर्क नहीं पड़ता कि आप किस मंच पर दिखाई देते हैं, यह आपके द्वारा किए गए अच्छे काम करने को लेकर है।

इंडियन आइडल को मिले टॉप 11 कंटेंस्टेंट्स

सोनी एंटरटेनमेंट टेलीविजन पर सिंगिंग रियलिटी शो 'इंडियन आइडल - सीजन 13' को टॉप 11 कंटेस्टेंट्स मिल गए। जजों - हिमेश रेशमिया, नेहा कक्कड़ और विशाल ददलानी की मौजूदगी में अयोध्या के ऋषि सिंह, कोलकाता की विदिप्ता चक्रवर्ती, अनुष्का पात्रा, देबोस्मिता रॉय, सेंजुति दास एवं सोनाक्षी कर, जम्मू के चिराग कोतवाल,

लखनऊ के विनीत सिंह, अमृतसर के नवदीप वडाली और गुजरात के शिवम सिंह एवं काम्या लिमये शामिल हैं। कंटेस्टेंट नवदीप वडाली और मणि की परफॉर्मेंस ने ददलानी समेत सभी का मन मोह लिया। सुभाष घई कंटेस्टेंट बिदिप्ता चक्रवर्ती को ब्लैक स्कार्फ पहन कर डायरेक्ट करते नजर आए। सुभाष घई ने अपनी पत्नी मुक्ता के साथ अपनी प्रेम कहानी से जुड़े कुछ दिलचस्प खुलासे किए। ददलानी एवं होस्ट आदित्य नारायण ने फिल्म 'राम लखन' के गाने 'तेरा नाम लिया' का साड़ी वाला सीन भी रीक्रिएट किया।

वापसी करेंगी अदिति देव

एक्ट्रेस अदिति शर्मा सोनी एंटरटेनमेंट टेलीविजन के शो 'कथा अनकही' के साथ टीवी पर वापसी करने जा रही हैं। 5 दिसंबर से शुरू हो रहा यह शो सुपरहिट टर्किश सीरीज '1001 नाइट्स' का हिंदी रीमेक है। यह पछतावे से भरी प्रेम कहानी है। अदिति बताती हैं, मुझे कॉन्सेप्ट सुनाया गया, तो किरदार ने आकर्षित किया, क्योंकि पेशेवर और ईमानदार महिला है, जो हार मानना नहीं जानती। एक्टर के रूप में अलग-अलग रोल्स में प्रयोग करना और खुद को टटोलना बहुत अच्छा है, कथा का किरदार मुझे अपने पिछले किरदारों से कुछ अलग करने का मौका देता है। यह मेरे पिछले सभी रोल्स से वाकई बहुत अलग है।

स्कूल के बच्चों के लिए आशी की पहल

आशी सिंह को विनम्र व्यवहार करते देखा है, जो सबकी मदद करती है। आशी कुछ बच्चों के बीच के चेहरे पर मुस्कान लाने के लिए स्पेशल गिफ्ट्स देने का फैसला किया। आशी बताती हैं, मुझे सरप्राइसेज बहुत अच्छे लगते हैं। जब कोई छोटा-सा तोहफा भी देता है तो खुशी होती है। इसलिए मैंने इन बच्चों के बीच खुशियां फैलाने और उन्हें कुछ गिफ्ट्स देने का फैसला किया। वो इतने उत्साहित थे और उनकी मुस्कान देखकर मेरा दिल भी खुशी से भर गया। मैं भगवान की शुक्रगुजार हूं कि मुझे ऐसा मौका मिला, जिससे मैं इन बच्चों के चेहरों पर मुस्कान बिखेर सकूं और कुछ स्पेशल गिफ्ट्स के साथ उन्हें सरप्राइज दे सकूं।

नया अध्याय 'विकार उपचार'

सोनी एंटरटेनमेंट टेलीविजन का शो 'मेरे साईं : श्रद्धा और सबुरी' में नया अध्याय 'विकार उपचार' शुरू होने जा रहा है, जो पांच विकारों पर है, जो इंसान अपनी जिंदगी में कभी न कभी अपना ही लेता है। ये पांच विकार हैं, ईर्ष्या, लालच, घमंड, क्रोध एवं इच्छा। लीड रोल निभाने के लिए चाइल्ड एक्टर क्रिश चौहान को लिया गया है। क्रिश कहते हैं, हर इंसान की हकीकत दिखाई जाएगी। मैंने यह जाना कि जाने-अनजाने में कैसे इंसान इन विकारों के जाल में फंस जाता है। लेकिन जिस तरह से साईं सिखाते है, उससे भावना जागेगी कि वो अपने अंदर झांकें और स्वयं को बेहतर बनाएं।

खंडेराव का किरदार सबसे बड़ा इनाम : गौरव

सोनी एंटरटेनमेंट टेलीविजन के पीरियड ड्रामा 'पुण्यश्लोक अहिल्याबाई' में खंडेराव (गौरव अमलानी) योग्य पुत्र और महान योद्धा थे, जो वीरता के लिए जाने जाते थे। कुम्हेर के युद्ध में उन्होंने अपने साहस और कूटनीति से यह साबित कर दिया था कि वो महान योद्धा और योग्य नेता हैं। खंडेराव युद्ध की तैयारी करेंगे, जहां वो सूरजमल से लड़ने के लिए किले से गुप्त सुरंग खोदने की योजना बनाते हैं। गौरव अमलानी ने कहा, ऐतिहासिक और महान किरदार निभाने का मौका मिलता है, जो जिंदगी से बड़ा है। मैं वाकई खुद को खुशनसीब मानता हूं कि मुझे ऐसा मौका मिला, जहां मैं खंडेराव होल्कर जैसा किरदार निभा रहा हूं, जिसके कई पहलू हैं। लोग इस किरदार से, इसके अलग-अलग पक्षों, इसकी कमजोरियों और इसके जज्बातों से जुड़ सकते हैं। जीवन में बहुत-से उतार-चढ़ाव हैं, लेकिन पिता मल्हार राव होल्कर और पत्नी अहिल्या ने उन्हें संभाला। यह टर्निंग पॉइंट होगा, जहां से अहिल्याबाई के जीवन का महत्वपूर्ण अध्याय शुरू होगा।

हेमा मालिनी ने की तुलना

जी टीवी का सारेगामापा लिटिल चैंप्स के 9वें सीजन में स्पेशल एपिसोड 'हेमा मालिनी- ड्रीम ऑफ हीरोज' में बॉलीवुड की ड्रीम गर्ल हेमा मालिनी मेहमान के रूप में नजर आई, 'तू क्या जाने ओ बेवफा' गाने पर परफॉर्मेंस देखकर सभी हैरान रह गए। हेमा मालिनी ने कहा, आप वाकई कमाल हैं। मैं कभी सोच भी नहीं सकती थी कि लड़की, जो कैमरे के पीछे इतनी शांत रहती है, वो इस तरह से गा सकती है। मुझे लगा छोटी शर्मीली लड़की मंच पर आई है लेकिन आपकी परफॉर्मेंस देखने के बाद मैं कह सकती हूं कि ओरिजिनल गाना भी इस तरह नहीं था, जिस तरह आपने इसे गाया।

जितेंद्र का सरप्राइज

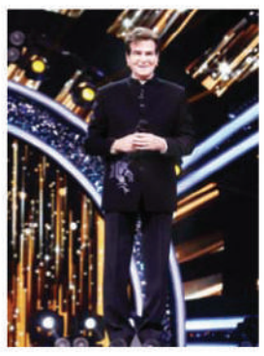

सोनी एंटरटेनमेंट टेलीविजन के सिंगिंग रियलिटी शो 'इंडियन आइडल - सीजन 13' में जितेंद्र का स्वागत किया जाएगा। ऋषि सिंह की परफॉर्मेंस से पहले जीतू जी सरप्राइज लेकर आएंगे। जीतेंद्र कहेंगे, आपने शानदार सिंगिंग की है ऋषि, बहुत बढ़िया। मैं अपने सुनहरे दिनों के गाने सुनता हूं लेकिन ये गाना बड़ा ताजगी भरा और सुनने में बड़ा सुंदर था। आपके अंदर बड़ा संगीतकार है और आप बहुत टैलेंटेड हैं। आप दिखने में बहुत अच्छे हैं और मुझे यकीन है कि कोई भी लड़की न सिर्फ आपकी सिंगिंग के लिए बल्कि आपके लुक के कारण भी आपसे प्यार करने लगेगी।

रियलिटी सीरीज से इनथ्रिलिंग कंटेंट तक

साल का अंत आ गया है, इसको खास बनाने के लिए, एमएक्स प्लेयर विदेशी शो के साथ बिंज- वर्थी अंतर्राष्ट्रीय शो जारी कर रहा है सुनील शेट्टी द्वारा आयोजित पहली एमएमए रियलिटी शो क्रिसमस के लिए। हॉट स्टोव लीग बेसबॉल टीम पर आधारित है, जो 16 एपिसोड एमएक्स प्लेयर पर 7 दिसंबर से हिंदी, तमिल, तेलुगु, मराठी, बंगाली, कन्नड़, मलयालम में भी उपलब्ध होंगे। वॉरियर हंट मिक्स्ड मार्शल आर्ट्स पर आधारित भारत की पहली रियलिटी सीरीज है। यह सुनील शेट्टी द्वारा होस्ट किया जाएगा, 10 दिसंबर से स्ट्रीम करें। लव स्क्रिप्ट जुआन वेन सभी जिम्मेदारियों को छोड़ देता है और उनके अजीबोगरीब मामले के लिए प्रेरित करती है। मंदारिन नाटक के सभी 24 एपिसोड 10 दिसंबर को हिंदी में उपलब्ध होंगे। डांस ऑफ द स्काई इम्पायर कहानी समृद्ध तांग राजवंश की पृष्ठभूमि के खिलाफ है जहां मनुष्य और राक्षस सह-अस्तित्व में थे। जो 14 दिसंबर से उपलब्ध है।

हियर टू हार्ट प्यार की कहानी के साथ मंदारिन ड्रामा युवा जोड़े की है जो पारिवारिक त्रासदी के कारण अलग हो गए थे। एपिसोड 17 दिसंबर से उपलब्ध है। डोन्ट डेयर टू ड्रीम में रोमांस के साथ-साथ एंकर और मौसम फोरकास्टर के बीच इंटेंस राइवलरी है। यह 21 दिसंबर को उपलब्ध होंगे। माय अनफॉरचुनेट बॉयफ्रेंड यू जी ना युवा पेशेवर है, जिन्हें झूठ बोलने में कोई समस्या नहीं है। यूं ताए वून के रोमांस जी ना के लिए बोझ बन जाता है। कोरियन सीरीज 24 दिसंबर से उपलब्ध। ए लव टू लास्ट एंडिंग और एंटोन परीक्षण करेंगे कि दो क्षतिग्रस्त दिल उनके रोमांस को फिर से जगा सकते हैं या नहीं। फिलिपीनो ड्रामा 28 दिसंबर से देखें। द वन एंड ओनली रोमांस ड्रामा है, जिसमें तीन गंभीर रूप से बीमार महिलाओं के जीवन को दिखाया गया है जो धर्मशाला में मिलती है। वे तय करते है कि मरने से पहले वे बुरे आदमी को नीचे ले जाना चाहते है।

अमर उपाध्याय दोहरी भूमिका में

अमर उपाध्याय शेमारू उमंग के आगामी शो 'क्योंकि तुम ही हो' के निर्माता के रूप में तैयार है। अमर उपाध्याय कहते हैं, मैंने पहले बहुत सारे प्रोजेक्ट्स में काम किया है, लेकिन आखिरकार मैं प्रोडक्शन की दुनिया में कदम रख रहा हूं। मैं बहुत उत्साहित हूं और निर्माता-अभिनेता होने के नाते मेरे लिए यह अनुभव अद्भुत था क्योंकि मैंने अपनी टीम और सह-कलाकार हर्ष और प्रियंका के स्ट्रांग बॉन्ड बनाया है। मैंने न केवल उनकी चुनौतियों को समझा, बल्कि उनकी चिंताओं को भी समझा और चीजों को सुचारू रूप से चलाने की पूरी कोशिश की।

योगेश त्रिपाठी और कामना पाठक हैं खाने के शौकीन

एण्डटीवी के 'हप्पू की उलटन पलटन' की दरोगा हप्पू सिंह (योगेश त्रिपाठी) और उसकी दबंग दुल्हनिया राजेश (कामना पाठक) साथ बैठकर तरह-तरह के खाने का आनंद उठना पसंद करते हैं। योगेश त्रिपाठी, ने कहा, अरे दद्दा खानो से हमारा रिश्ता सदा के लिए है। खाना किसी भी समय मेरे उत्साह को बढ़ा सकता है। मेरी ऑन-स्क्रीन बीवी रज्जो (कामना पाठक) को भी खाने से इतना ही प्यार है (हंसते हैं)। हम दोनों को ही नए-नए व्यंजनों का स्वाद चखना अच्छा लगता है, खासकर जब हम किसी दूसरे शहर में जाते हैं। कामना और मैं घाटों के शहर काशी गए थे। मैंने दुनिया का बेस्ट डेजर्ट मलाईयो चखा। यह बहुत लाइट होती है एवं इसकी मिठास बिल्कुल परफेक्ट होती है। हम ग्वालियर गए थे तो कामना ने मुझे पोहा जलेबी, खट्टा समोसा, मूंग भजिया और इंदौर के नमकीन चखाए थे, जो मुझे बहुत अच्छे लगे। कामना ने कहा, खाना हमेशा से ही मेरी पसंदीदा चीजों में सबसे ऊपर रहा है (हंसती हैं)। मैं इंदौर की रहने वाली हूं और इंदौर पकवानों को लेकर मशहूर है। हम साथ बैठकर खाना खाते हैं और टिफिन शेयर करते हैं। नायगांव में हम हमेशा लस्सी या गुलाब जामुन, रसमलाई जैसी मिठाईयां या पनीर पकौड़ा ऑर्डर करते हैं। बनारस के कुल्हड़ वाली चाय और टमाटर, पुदीना एवं धनिए की चटनी तथा स्वादिष्ट समोसों के साथ शुरूआत की। हम 'पहलवान की लस्सी' पर भी गए, माखन मलाईयो मशहूर डेजर्ट है, जिसे कुल्हड़ में परोसा जाता है।

अमेरिका जाएंगी श्रद्धा

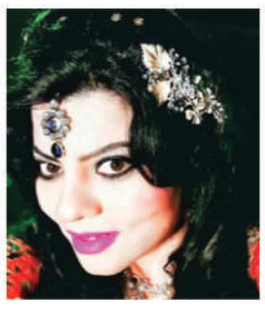

न्यूयॉर्क में 27 दिसंबर को 'क्रिसमस पार्टी और रेड कॉर्पेटअवार्ड' का आयोजन किया गया है। जिसमें 'डांस शो' के लिए अभिनेत्री, डांसर व 'बिग बॉस' फेम श्रद्धा रानी शर्मा को बुलाया गया है। श्रद्धा कहती है, यह बहुत ही अच्छा ऑफर था, इससे काफी भारतीय मूल के लोग जुड़े हुए है। लाईव रिएक्शन से हमेशा कलाकार का हौसला बढ़ता है, उसका मजा ही अलग होता है। मुझे लाईव परफॉर्मेंस बहुत पसंद है।

म्यूचुअल फंड कंपनियों ने बाजार में कई ऐसे वित्तीय उत्पाद पेश किए हैं जो खास तौर पर बच्चों के लिए डिजाइन किए गए हैं। इन उत्पादों को चिल्ड्रेन फंड के नाम से जाना जाता है। इस फंड में लंबी अवधि के लिए निवेश किए जाने पर कम से इतनी रकम तो मिल ही जाती है कि बच्चे की शिक्षा से लेकर रोजगार तक की सारी जरूरतें पूरी की जा सकें

आपके बच्चे के भविष्य को बेहतर बनाने में मददगार है

चिल्ड्रेन फंड

कमाल अहमद रूमी

आर्थिक पत्रकार

हर मां-बाप चाहते हैं कि उनके बच्चे का भविष्य आर्थिक रूप से बेहतर हो। इसके लिए वे अपने बच्चे को बेहतर से बेहतर शिक्षा दिलाने का प्रयत्न करते हैं और इस लायक बनाने की कोशिश करते हैं कि भविष्य में उसे किसी भी तरह की आर्थिक तंगी का सामना न करना पड़े। इसके लिए अभिभावक बच्चे के नाम से बैंक में बचत खाता खोलते हैं और हर माह कुछ रकम उसमें जमा करते रहते हैं ताकि भविष्य में एक बड़ा फंड तैयार हो सके। इसके अलावा कई लोग बच्चों के लिए विशेष रूप से तैयार की गई बीमा पालिसी भी अपने बच्चे के नाम से खरीदते हैं। यह बीमा पालिसी बच्चे के जन्म से शुरू होती है और इसकी परिपक्वता अवधि बच्चे के वयस्त होने पर पूरी हो जाती है और अभिभावक को बच्चे की उच्च शिक्षा अथवा शादी ब्याज के लिए एक मोटी रकम मिल जाती है। इस तरह के बीमा में लोग आमतौर पर 10 से 15 लाख के कवर वाली पालिसी का चयन करने को प्राथमिकता देते हैं। कुछ अभिभावक अपने बच्चे के नाम से हर माह कुछ रकम म्यूचुअल फंड के चिल्डेन प्लान में निवेश करते हैं। यह प्लान लंबी अवधि के होते हैं और बड़ा फंड बनाने के लिए इसमें 20 से 30 साल की अवधि के लिए इसमें निवेश किया जा सकता है। यह प्लान काफी कारगर होते हैं और अगर इसमें 25 साल तक हर माह एक तय रकम निवेश की जाती रहे तो कम से कम इतना फंड तो मिल ही जाता है कि उससे बच्चे की पढ़ाई-लिखाई, शादी-ब्याह और यहां तक उसके कारोबार के लिए वित्तीय बंदोबस्त हो जाता है।

चिल्ड्रेन फंड में क्या है खास

आमतौर पर चिल्ड्रेन फंड पांच साल के लॉक इन पीरियड वाले होते हैं। अर्थात पांच साल तक इन फंड्स में से कोई भी निकासी नहीं की जा सकती। म्यूचुअल फंड कंपनियां चिल्ड्रेन फंड को हाईब्रिड फंड की श्रेणी में रखती हैं। इसका अर्थ यह है कि इस फंड में मिले निवेश का 60 फीसद से ज्यादा हिस्सा इक्विटी में और कम से कम 20 फीसद हिस्सा 'डेट' जैसे बांड अथवा अन्य सरकारी प्रतिभूति में निवेश किया जाता है। हाईब्रिड फंड में चूंकि अन्य फंड्स की तुलना में रिटर्न की दर कुछ ज्यादा होती है इसलिए उम्मीद की जानी चाहिए कि यह फंड कम से कम 12 फीसद या इससे ज्यादा का रिटर्न दे सकते हैं।

इन फंड्स का कुछ हिस्सा चूंकि सरकारी प्रतिभूतियों में निवेश होता है इसलिए इस तरह के फंड में कम से कम नुकसान की संभावना तो काफी कम ही रहती है। इन फंड्स में कई योजनाएं ऐसी भी होती हैं जिनमें निवेश का अधिकतर हिस्सा डेट यानी सरकारी प्रतिभूतियों में निवेश किया जाता है। इससे रिटर्न तो कम हो सकता है लेकिन निवेश की सुरक्षा की पूरी गारंटी होती है। इन फंड्स में तय समयावधि से पहले निकासी पर अधिकतम चार फीसद तक का एक्जिट लोड भी लग सकता है। कुछ म्यूचुअल फंड कंपनियां चिल्ड्रेन फंड्स पर न तो लॉक इन पीरियड रखती हैं और न ही समय से पूर्व निकासी पर एक्जिट लोड रखती हैं।

किस नाम से मिलते हैं चिल्ड्रेन फंड

हर कंपनी ने चिल्ड्रेन फंड को अलग-अलग नामों से बाजार में उतारा है। इनमें चाइल्ड केयर फंड, चिल्ड्रेन असेट प्लान, चिल्ड्रेन कैरियर फंड और चिल्ड्रेन गिफ्ट फंड जैसे नाम शामिल हैं। नाम भले ही अलग हों लेकिन काम सभी फंड एक जैसा ही करते हैं। इसके अलावा चाइल्ड लाइफ, चिल्ड्रेन कैरियर और चाइल्ड क्रेज नाम से भी कुछ फंड को बाजार में लांच किया गया है।

कैसे करें निवेश

चिल्ड्रेन फंड को बच्चे के जन्म वाले वर्ष में ही लेना बेहतर साबित होता है। इससे बच्चे के बालिग होने तक यानी 18 साल की आयु तक अच्छी रकम मिल जाती है। मान लीजिए किसी व्यक्ति ने 20 वर्ष के लिए 5000 रुपए प्रति माह चिल्ड्रेन केयर फंड में निवेश किया और यह उम्मीद भी रखी कि कम से कम 12 फीसद तक का रिटर्न मिल जाएगा। इस योजना के तहत निवेश करने पर आप 20 वर्षों में कुल 12 लाख रुपए निवेश करेंगे निवेश को निकालते वक्त आपको कुल 49.95 लाख रुपए मिलेंगे। इसी तरह इतने ही रिटर्न पर 25 साल में 94.88 लाख रुपए और 30 साल में 1.76 करोड़ रुपए मिल सकते हैं। इस योजना में सिस्टेमेटिक प्लान यानी एसआईपी के जरिए हर माह निवेश किया जा सकता है। म्यूचुअल फंड कंपनी में आनलाइन या आफलाइन खाता खुलवाने के लिए बच्चे की बजाए अभिभावक का केवाईसी मांगा जाता है। इसके अलावा यह फंड डायरेक्ट प्लान के रूप में खरीदने से एक फायदा यह भी होता है कि ब्रोकरेज चार्ज नहीं लगता।

सिप के जरिए निवेश बेहतर

अगर आप चिल्ड्रेन फंड में निवेश करना चाहते हैं तो एकमुश्त निवेश या लंपसंप निवेश से बेहतर सिप के जरिए किया जाने वाला निवेश है। सिस्टेमेटिक इन्वेस्टमेंट प्लान अर्थात सिप के जरिए निवेश करने से आपको सबसे बड़ा फायदा यह है कि आप थोड़ी-थोड़ी रकम करके एक बड़ी रकम जोड़ लेंगे लेकिन एकमुश्त निवेश करने में मुश्किल आती है। अगर आपने सोचा कि हम पहले पांच लाख रुपए बचा लें और उसके बाद एकमुश्त पांच लाख रुपए निवेश कर दें तो याद रखिए ऐसा कभी नहीं हो पाता।

चिल्ड्रेन फंड के अलावा भी हैं कई फंड

कोई जरूरी नहीं है कि आप अपने बच्चे के नाम से चिल्ड्रेन फंड में ही निवेश करें। म्यूचुअल फंड कंपनियों द्वारा रिटायरमेंट फंड, लाइफ फंड और मैरिज फंड समेत कई नामों से फंड पेश किए गए हैं। आप इनमें से किसी भी फंड में लंबी अवधि में अच्छा कोष तैयार कर सकते हैं। लेकिन इस बात का भी ध्यान रखना होगा कि इक्विटी आधारित फंड में रिटर्न जरूर ज्यादा होता है लेकिन इसमें जोखिम भी ज्यादा हो सकता है। इसी तरह डेट फंड में जहां जोखिम कम होता है वहीं रिटर्न भी अन्य प्रकार के फंड्स की तुलना में कम होता है।

निवेश पोर्टफोलियो अवश्य बनाएं

जिस तरह से हम अपने लिए एक निवेश पोर्टफोलियो तैयार करते हैं उसी तरह बच्चों के लिए भी निवेश पोर्टफोलियो तैयार करना चाहिए। इसमें म्यूचुअल फंड में विभिन्न प्रकार के फंड को शामिल करना चाहिए। इसके अलावा इस बात का ध्यान रखना चाहिए कि आपके पोर्टफोलियो में इक्विटी आधारित फंड्स के साथ-साथ डेट फंड को भी जगह मिल सके। साथ ही बैलेंस्ड फंड को भी अपने बच्चे के निवेश पोर्टफोलियो में शामिल करें। भले ही आप जितनी रकम निवेश करना चाहते हैं उसे विभिन्न प्रकार के फंड्स में समान रूप से बांटकर अपने बच्चे का निवेश पोर्टफोलिया तैयार करें। बच्चों के लिए जो भी निवेश अपना करना चाहते हैं उसमें 15 साल से 25 साल की अवधि में मैच्योर होने वाले फंड रहेंगे तो बेहतर रहेगा। इसका फायदा यह होगा कि 15 साल में जो फंड मैच्योर होगा उसका इस्तेमाल आप बच्चे की उच्च शिक्षा के लिए कर सकेंगे और बाद में मैच्योर होने वाले फंड अन्य कार्यों में खर्च कर सकेंगे।

चिल्ड्रेन फंड के बारे में क्या कहते हैं वित्तीय क्षेत्र के विशेषज्ञ

बच्चों के लिए पेश की जाने वाली म्यूचुअल फंड योजनाओं में एक बार निवेश शुरू किए जाने के बाद बीच में किसी तरह का बदलाव नहीं कराया जा सकता। हालांकि यह योजनाएं लंबी अवधि वाली होती हैं लेकिन फिर भी इसमें किसी तरह की टैक्स छूट नहीं मिलती अलबत्ता यह योजनाएं कैपिटल गेन टैक्स के दायरे में आती हैं। कैपिटल गेन टैक्स तब लगता है जब किसी एक वित्तीय वर्ष में निवेशक को एक लाख रुपए से ज्यादा की कमाई हो जाती है।

कुछ बातों का ध्यान रखें निवेश करने वाले अभिभावक

इस तरह की योजनाओं में चूंकि निवेश की शुरुआत अभिभावकों द्वारा की जाती है इसलिए बच्चों से कुछ भी लेना-देना नहीं होता लेकिन रकम की वापसी बच्चे के नाम पर ही होती है। इस फंड में बेशक इक्विटी में निवेश का ज्यादा फायदा होता है लेकिन फिर भी निवेशक अगर बैलेंस्ड फंड, लार्जकैप अथवा इंडेक्स फंड में निवेश करे तो निवेश ज्यादा सुरक्षित हो जाता है साथ ही रिटर्न भी कुछ कम भले ही हो लेकिन फिर भी ठीक-ठाक मिल जाता है। इसके अलावा अगर संभव हो तो इस योजना को 25 या 30 साल तक जारी रखें। ऐसा करने से कंपाउंडिंग का फायदा देखने को मिलता है और जो रकम 20साल में आपको लगभग 50 लाख रुपए मिलेंगे उतने ही निवेश में 25 साल में एक करोड़ रुपए से कुछ कम और 30 साल में लगभग पौने दो करोड़ रुपए की रकम मिल सकती है। यानी 20 साल के बाद अगले दस वर्षों में कुल कोष में जबरदस्त इजाफा देखा जाता है।

थर्ड पार्टी वाहन बीमा

अब एक समान होगा सभी कंपनियों का प्रीमियम

एक अध्ययन के अनुसार देश में करीब 60 फीसद दुपहिया वाहन बिना बीमा के इस्तेमाल हो रहें हैं। इसके अलावा 40 फीसद चौपहिया वाहन भी बिना बीमा पालिसी के इस्तेमाल किए जा रहे हैं। लेकिन सभी वाहन स्वामियों के लिए यह जानन बेहद जरूरी है कि दुपहिया के अलावा, कार, बस, ट्रक और इंडस्ट्रियल व्हेकिल समेत सभी प्रकार के वाहनों के लिए थर्ड पार्टी बीमा अनिवार्य है

अपूर्व कुमार दत्त

बीमा विशेषज्ञ

थर्ड पार्टी वाहन बीमा में वैसे व्यक्ति को परिभाषित किया जाता है जिन्हें बीमित वाहन से किसी प्रकार का नुकसान हुआ हो, अर्थात बीमित वाहन से जाने अनजाने में कोई टक्कर लग गई और दूसरे किसी व्यक्ति अथवा उसकी किसी संपत्ति को कुछ नुकसान हो गया। बीमा कवर में अस्थायी विकलांगता व स्थायी विकलांगता को भी शामिल किया गया है। थर्ड पार्टी बीमा, वाहन बीमा उद्योग में सबसे सस्ता और वैधानिक मान्यता प्राप्त बीमा होता है, किन्तु इसमें वाहन मालिक / चालक या वाहन से सम्बंधित किसी भी प्रकार का क्लेम नहीं मिलता है। यहां यह भी बताना जरूरी है कि यदि आपके पास नए क्रय किए हुए वाहन हैं या वाहन दस वर्ष या इससे ज्यादा पुराना है तो कांप्रिहेंसिव प्लान खरीदना ज्यादा फायतेमंद है। कांप्रिहेंसिव प्लान में थर्ड पाटी का कवर मिलता है ही साथ ही वाहन स्वामी अथवा वाहन को पहुंचने वाले नुकसान का भी कवर मिलता है।

कैसे तय होता है प्रीमियम

स्वाभाविक तौर वाहन बीमा के प्रीमियम की गणना वाहन का प्रकार और वाहन कितना पुराना है यह देखकर की जाती है। प्रीमियम तय करते वक्त यह भी देखा जा सकता है वाहन घरेलू इस्तेमाल के लिए है या व्यवसायिक इस्तेमाल के लिए हैं। ये सभी कारक वाहन बीमा के प्रीमियम की गणना को प्रभावित करते हैं। इसके अलावा प्रीमियम की गणना में इंजन की क्षमता व किस ईंधन से वाहन चलता है इसे भी शामिल किया जा सकता है।

पुराने वाहनों की लिए थर्ड पार्टी सही

वाहन उद्योग में थर्ड पार्टी बीमा सबसे सस्ता और वैधानिक मान्यता प्राप्त बीमा माना जाता था लेकिन हर बीमा कंपनी ने प्रीमियम तय करने के मानक अलग-अलग तय कर रखे थे जिससे बीमा प्रीमियम में काफी अंतर होता था। इसे देखते हुए बीमा नियामक इरडा ने प्रीमियम की एक निश्चित राशि तय कर दी है इसलिए अब प्रीमियम की रकम में एकरूपता आ गई है। अब भी थर्ड पार्टी बीमा अन्य प्रकार के बीमा के मुकाबले काफी सस्ता पड़ता है।

दुपहिया और कारों का थर्ड पार्टी बीमा प्रीमियम

इंजन क्षमता	प्रीमियम दर
निजी कार	
1000 सीसी तक	₹2094
1000 सीसी से 1500 सीसी तक	₹3416
1500 सीसी से अधिक	₹7897
दुपहिया	
75 सीसी तक	₹538
75 सीसी से अधिक और 150 सीसी तक	₹714
150 सीसी से अधिक और 350 सीसी तक	₹1366
350 सीसी से अधिक	₹2804

जितना इस्तेमाल उतना प्रीमियम

वाहन बीमा के तहत चौपहिया वाहन के लिए 'जितना इस्तेमाल करें उतना प्रीमियम भरें' योजना भी लागू की गई है। इस योजना के तहत वाहन का प्रीमियम इस आधार पर तय किया जाएगा कि गाड़ी कितने किलोमीटर चली है। पे एज यू ड्राइव के नाम से पेश इस योजना के तहत वाहन मालिके के लिए प्रीमियम की गणना के नए मानक पेश किए गए हैं। इस योजना में बीमा लेने वाले वाहन स्वामी के लिए एक माइलेज लिमिट तय कर दी जाती है। इस माइलेज लिमिटे के तहत तीन स्लैब 2500, 5000 और 7500 रुपए तय कर दी गई है। माइलेज लिमिट से ज्यादा वाहन चलाए जाने पर अतिरिक्त प्रीमियम का भुगतान करना होगा। हालांकि इसके बावजूद वाहन बीमा की प्रीमियम दर अब भी काफी कम है।

इस योजना से भी करें बचत

वाहन चलाने का स्लैब (एक साल में कितने किलोमीटर)	प्रीमियम पर छूट का प्रतिशत	कुल बीमा प्रीमियम	बचत
असीमित	शून्य	10000/-	शून्य
7,500 किलोमीटर	10%	9000/-	1000/-
5,000 किलोमीटर	15%	8500/-	1500/-
2,500 किलोमीटर	25%	7500/-	2500/-

वाहन चलाने वाले पर नजर

इस योजना के तहत एक विशेष प्रकार के यंत्र के जरिए वाहन चलाने वाले व्यक्ति पर पूरी नरज रखी जाएगी। अगर वाहन स्वामी या चालक वाहन को बहुत अच्छे ढंग से चलाता है तो उसे प्रीमियम में कुछ छूट प्रदान की जाएगी। इसके अलावा इस यंत्र के 'डाटा' के आधार पर जितना कम संयमित, सुरक्षित और कुशल वाहन चलाया जाएगा, मालिक को बीमा प्रीमियम में छूट उसी के अनुपात में प्रदान की जाएगी।

अधिक प्रीमियम मांगने पर करें शिकायत

चूंकि थर्ड पार्टी वाहन बीमा के तहत प्रीमियम की दरें अब तय हो चुकी हैं इसलिए अगर कोई कंपनी इससे इतर कुछ अतिरिक्त प्रीमियम की मांग कर रही है तो इसकी शिकायत बीमा नियामक इरडा अथवा बीमा लोकपाल कार्यालय में की जा कती है। ध्यान रहे कि बीमा नियामक इरडा ग्राहकों के हितों को ध्यान में रखते हुए समय-समय पर नई योजनाओं को अमल में लाने और पुरानी योजनाओं में सुधार करने के निर्देश बीमा कंपनियों को देता रहता है। अगर इसके बाद भी आपको लगता है कि बीमा कंपनी ने आपको गलत पालिसी दे दी है या अन्य किसी भी प्रकार की शिकायत आपको है तो आप बेधड़क बीमा नियामक की वेबसाइट पर जाकर अपनी शिकायत दर्ज करा सकते हैं।

भारत बांड ईटीएफ

सुरक्षित निवेश का फिर मिला मौका

शेयर बाजार से जुड़े वित्तीय उत्पादों में जोखिम बहुत ज्यादा होता है। हर निवेशक जोखिम उठाने की क्षमता नहीं रखता। इसलिए अधिकतर निवेशक सुरक्षित निवेश की तलाश में रहते हैं। सुरक्षित निवेश की श्रेणी में डेट फंड को रखा गया है। इसके तहत निवेशक की रकम को सरकारी प्रतिभूतियों में निवेश किया जाता है। भारत बांड ईटीएफ भी इसी कड़ी का एक हिस्सा है। भारत बांड ईटीएफ की चौथी किस्त दो दिसम्बर को जारी हो गई है और यह आठ दिसम्बर तक निवेश के लिए खुली रहेगी। अगर आप भी सुरक्षित निवेश की तलाश में हैं तो आपके लिए यह एक अच्छा अवसर साबित हो सकता है।

क्या है भारत बांड ईटीएफ

भारत बांड ईटीएफ टारगेट मैच्योरिटी फंड का एक हिस्सा है हालांकि इस ईटीएफ में टारगेट मैच्योरिटी फंड के मुकाबले कुछ भिन्नता है। इसलिए भारत बांड ईटीएफ में निवेश करने से पहले इसके बारे में पूरी जानकारी हासिल कर लेना बेहद जरूरी है। वैसे भी हर निवेशक को चाहिए कि वह जिस वित्तीय उत्पाद में निवेश करने जा रहा है, पहले उसके बारे में पूरी जानकारी हासिल कर ले। उसके बाद ही निवेश का फैसला करे। भारत बांड ईटीएफ की शुरुआत 2019 में हुई थी और अब चौथी किस्त निवेश के लिए पेश की गई है। लेकिन इसके बावजूद काफी कम निवेशक ही इस वित्तीय उत्पाद के बारे में पूरी जानकारी रखते हैं।

डेट फंड की श्रेणी

भारत बांड ईटीएफ डेट फंड की श्रेणी में रखा गया है। यह एक ऐसा फंड है जो निवेशक की रकम को फिक्स्ड इनकम वाली प्रतिभूतियों में ही निवेश करता है। खास बात यह है कि सरकारी कंपनियों में निवेश करने वाला यह फंड सिर्फ एएए श्रेणी की रेटिंग वाली कंपनियों में ही निवेशक का पैसा लगाता है। यह योजना एक तय अवधि की योजना है और योजना की अवधि पूरी होने के बाद निवेशक का पैसा उसके रिटर्न के साथ वापस मिल जाता है। इस फंड को इसलिए भी पेश किया गया है कि इससे सरकार को बाजार से पूंजी जुटाने में मदद मिलेगी।

डीमैट अकाउंट जरूरी

भारत बांड ईटीएफ में निवेश करने के लिए निवेशक का अपना डीमैट अकाउंट होना जरूरी। अगर आपके पास डीमैट खाता है तो आप फंड मैनेजर के माध्यम से इसमें निवेश कर सकते हैं। वर्ष 2019 में एडलवाइस एमएफ ने इस फंड को लांच करने में फंड मैनेजर की भूमिका निभाई थी। तब से अब तक वह तीन किस्ते इसकी लांच कर चुका है और अब यह चौथी किस्त लांच की गई है।

रिटर्न ज्यादा नहीं

अक्सर देखा जाता है कि जिस निवेश में उत्पाद में जोखिम ज्यादा होता है उसमें रिटर्न भी ज्यादा होता है। लेकिन अगर किसी वित्तीय उत्पाद में कम रिटर्न की दर कम है तो यह मान लीजिए वह बेहद सुरक्षित निवेश होगा। यही हाल भारत बांड ईटीएफ का भी है। इसमें रिटर्न की दर अर्थात यील्ड टू मैच्योरिटी सिर्फ साढ़े सात फीसद है। लेकिन इसमें फायदे वाली बात यह है कि इसमें निवेश करने वालों की रकम सरकारी कंपनियों खासकर एएए रेटिंग वाली कंपनियों में ही निवेश की जाती है इसलिए यह निवेश बेहद सुरक्षित निवेश की श्रेणी में रखा गया है।

भारत बांड ईटीएफ की चौथी किस्त दो दिसम्बर को खुल गई है और आठ दिसम्बर तक खुली रहेगी। यह एक बेहद सुरक्षित निवेश है अलबत्ता रिटर्न की दर ज्यादा नहीं है। लंबी अवधि के इस वित्तीय उत्पाद को वर्ष 2019 में पहली बार लांच किया गया था। इस उत्पाद में निवेश की जाने वाली रकम को एएए रेटिंग वाली कंपनियों में ही निवेश किया जाता है

कब होगी मैच्योरिटी

भारत बांड ईटीएफ की यह किस्त अप्रैल 2033 में मैच्योर होगी। अर्थात लगभग 10 साल से ज्यादा समय तक निवेशक का धन इसमें लगा रहेगा। इस हिसाब से अगर देखा जाए तो अप्रैल 2033 में निवेशक को साढ़े सात फीसद रिटर्न के साथ उसका निवेश वापस मिल जाएगा। मौजूदा किस्त की यील्ड टू मैच्योरिटी की दर इस फंड आफर के आठ दिसम्बर को बंद होने के बाद ही पता चल सकेगी।

खरीद-फरोख्त संभव

वैसे तो यह स्कीम अप्रैल 2033 में मैच्योर होनी है लेकिन जो निवेशक इतनी अवधि तक अपना निवेश बनाए रखते हैं वही फायदे में रहते हैं। यह एक ओपन एंडेड स्कीम है इसलिए निवेशक इसमें यूनिट्स को जब चाहे खरीद-फरोख्त कर सकता है। लेकिन इसमें निवेश लंबी अवधि तक बनाए रखने में ही समझदारी कही जा सकती है।

लंबी अवधि का नहीं चाहते निवेश ?

भारत बांड ईटीएफ चूंकि लंबी अवधि का फंड है इसलिए जो लोग लंबी अवधि तक निवेश नहीं बनाए रखना चाहते हैं तो वे किसी अन्य डेट फंड में अपनी रकम निवेश कर सकते हैं। हालांकि टैक्स बेनिफिट लेने के लिए कम से कम तीन साल की अवधि के निवेश का चयन करना बेहतर होगा।

फीफा वर्ल्ड कप : क्वार्टर फाइनल में पहुंचा नीदरलैंड डमफ्राइज बने हीरो, अमेरिका को 3-1 से दी शिकस्त

एजेंसी ▶▶| अल रेयान

नीदरलैंड डेंजेल डमफ्राइज के शानदार प्रदर्शन से शनिवार को यहां खलीफा इंटरनेशनल स्टेडियम में फीफा विश्व कप के राउंड 16 मुकाबले में अमेरिका को 3-1 से शिकस्त देकर क्वार्टरफाइनल में पहुंचने वाली पहली टीम बनी। नीदरलैंड के लिए मेंफिस डीपे (10वें मिनट), डाले ब्लाइंड (45+1वें मिनट) और डमफ्राइज (81वें) ने गोल किए। डमफ्राइज ने दोनों गोल करने में भी मदद की। यह डीपे का 43वां अंतरराष्ट्रीय गोल था जिससे नीदरलैंड की टीम 1-0 से आगे हो गई।

ग्रुप ए में दो जीत और एक ड्रा से शीर्ष पर रही नीदरलैंड को इस मुकाबले में प्रबल दावेदार माना जा रहा था और उसने इसके अनुरुप प्रदर्शन किया। अब शुक्रवार को क्वार्टर फाइनल में उसका सामना अर्जेंटीना और आस्ट्रेलिया के बीच होने वाले मुकाबले के विजेता से होगा। अमेरिका के लिए एकमात्र गोल स्थानापन्न खिलाड़ी हाजी राइट ने 76वें मिनट में दागा। अमेरिका के लिए यह निराशाजनक परिणाम रहा जो 2002 के बाद पहली बार राउंड 16 से आगे बढ़ने की उम्मीद लगाए थी।

ब्राजील की 24 साल में ग्रुप चरण में पहली हार

ब्राजील ने 1998 में नार्वे के हाथों 2-1 से हार के बाद जीते थे लगातार 17 मैच

एजेंसी ▶▶| लुसैल

विंसेंट अबूबकर के दूसरे हाफ के इंजरी टाइम के दूसरे मिनट में किए गए गोल की बदौलत कैमरून ने ब्राजील को 1-0 से पराजित करके उसे पिछले 24 वर्षों में विश्व कप फुटबॉल के ग्रुप चरण में पहली हार का स्वाद चखाया लेकिन इसके बावजूद पांच

बार का चैंपियन ग्रुप जी में शीर्ष पर रहकर नॉकआउट चरण में पहुंचा। अबूबकर ने ब्राजील के गोलकीपर एडरसन हो छकाकर हैडर से गोल किया और इसके बाद जश्न में अपनी शर्ट उतार दी। कैमरून के कप्तान ने कॉर्नर फ्लैग के पास में अपनी शर्ट फेंकी जिसके बाद रेफरी ने उन्हें पीला कार्ड दिखा दिया। यह उनका दूसरा पीला कार्ड था जिसके कारण उन्हें मैदान से बाहर होना पड़ा। कैमरून ने इससे पहले विश्व कप में पिछले नौ मैचों में जीत दर्ज नहीं की थी।

अंतिम 16 में पहुंचा स्विट्जरलैंड

दोहा। स्विट्जरलैंड ने सर्बिया को 3-2 से हराकर विश्व कप फुटबॉल प्रतियोगिता में लगातार तीसरी बार अंतिम 16 में जगह बनाई। मैच में रेमो फ्रेयुलर (48वें मिनट) ने मध्यांतर के तुरंत बाद विजयी गोल दागा। इस जीत से स्विट्जरलैंड ग्रुप में ब्राजील के बाद दूसरे स्थान पर रहा। वह अंतिम 16 में मंगलवार को लुसैल स्टेडियम में पुर्तगाल का सामना करेगा। जेरदान शाकिरी ने 20वें मिनट में स्विट्जरलैंड के लिए पहला गोल दागकर उसे बढ़त दिलाई लेकिन सर्बिया ने अलेक्जेंडर मित्रोविच (26वें मिनट) और दुसान व्लाहोविच (35वें मिनट) के गोल की मदद से शानदार वापसी की। खेल एम्बोलो (44वें मिनट) ने मध्यांतर से ठीक पहले गोल करके स्विट्जरलैंड को बराबरी दिलाई।

राउंड ऑफ 16 शेड्यूल

दिनांक	टीमें	समय
3 दिसंबर	नीदरलैंड Vs यूएए	रात 8.30
4 दिसंबर	अर्जेंटीना Vs ऑस्ट्रेलिया	रात 12.30
	फ्रांस Vs पोलैंड	रात 8.30
5 दिसंबर	इंग्लैंड Vs सेनेगल	रात 12.30
	जापान Vs क्रोएशिया	रात 8.30
6 दिसंबर	ब्राजील Vs कोरिया	रात 12.30
	मोरक्को Vs स्पेन	रात 8.30
7 दिसंबर	पुर्तगाल Vs स्विट्जरलैंड	रात 12.30
9 दिसंबर	क्वार्टर फाइनल	रात 8.30
11 दिसंबर	क्वार्टर फाइनल	रात 12.30
14 दिसंबर	सेमीफाइनल	रात 12.30
15 दिसंबर	सेमीफाइनल	रात 12.30
17 दिसंबर	थर्ड प्लेस मैच	रात 8.30
18 दिसंबर	फाइनल	रात 8.30

खबर संक्षेप

सुकांत पैरा बैडमिंटन टूर्नामेंट के अंतिम-4 में

नई दिल्ली। दुनिया के तीसरे नंबर के पैरा बैडमिंटन खिलाड़ी सुकांत कदम पेरू पैरा बैडमिंटन अंतरराष्ट्रीय स्पर्धा के सेमीफाइनल में पहुंच गए। इस भारतीय खिलाड़ी ने लीमा में खेले जा रहे टूर्नामेंट के क्वार्टर फाइनल में ब्राजील के ब्रेनो जोहान को महज 21 मिनट तक चले मुकाबले में 21-14, 21-9 से शिकस्त दी। रविवार को खेल जाने वाले सेमीफाइनल में उनके सामने ग्वाटेमाला के राउल एंगुइआनो की चुनौती होगी। कदम ने अपने ग्रुप चरण के अपने दोनों मैचों में फ्रांस के क्लेमेंट सरोबर्ट और लुडविंग एंक्विस चैना के खिलाफ सीधे गेम में जीत दर्ज की थी।

बंगाल टी20 ब्लास्ट में भाग लेंगी छह टीम

कोलकाता। बीरभूम की एमजीआर खेल अकादमी में सोमवार से शुरू होने वाले बंगाल महिला टी20 ब्लास्ट के दूसरे टूर्नामेंट में छह टीम में भाग लेंगी। यह टूर्नामेंट 17 दिन तक चलेगा जिसमें कुल 33 मैच खेले जाएंगे। इससे लगभग 100 खिलाड़ियों को अगले साल होने वाले पहले महिला आईपीएल से पूर्व अपना कौशल दिखाने का मौका मिलेगा। टूर्नामेंट में जो छह टीम भाग लेंगी उनमें मोहन बागान, मोहम्मडन स्पोर्टिंग, कालीघाट क्लब, राजस्थान क्लब, बारानगर स्पोर्टिंग क्लब और जिमखाना शामिल हैं।

एमएम स्कूल में स्वीमिंग प्रतियोगिता का आयोजन

रायपुर। अंतर्राज्यीय 'सीबीएसई फ़ार ईस्ट जोन क्लस्टर स्वीमिंग कॉम्पटीशन' का आयोजन विद्यालय के तरणताल परिसर में चल रहा है। इस प्रतियोगिता में देश के अनेक राज्यों से 250 से भी अधिक विद्यालयीन छात्र चुनौती पेश कर रहे हैं। कार्यक्रम का समापन आज होगा। छत्तीसगढ़ स्वीमिंग एसोशिएशन के उपाध्यक्ष गौरव खंडेलवाल, सीबीएसई आब्जर्वर मनोज कश्यप, हेमंत सिंह परिहार, राजेश साहू, महेश बिसाई, संस्कार पाण्डेय एवं विद्यालय प्राचार्य सुष्मिता देब ने छात्रों को उनकी उपलब्धियों के लिए पदकों से अलंकृत किया।

क्रिकेट : बांग्लादेश के खिलाफ आज से शुरू हो रही तीन मैचों की श्रृंखला

वनडे श्रृंखला में भारत के शीर्ष क्रम के तालमेल पर होगा ध्यान

एजेंसी ▶▶| मीरपुर

भारत के शीर्ष बल्लेबाजी क्रम का उद्देश्य बांग्लादेश के खिलाफ रविवार को यहां शुरू हो रही तीन मैचों की वनडे श्रृंखला में परिवर्तन लाने के साथ और अधिक जज्बा दिखाने का होगा। नुभवी शिखर धवन और प्रतिभाशाली केएल राहुल के बीच सलामी बल्लेबाजी स्थान के लिए द्वंद्व की स्थिति होगी। अगर निरंतर अच्छा प्रदर्शन कर रहे युवा शुभमन गिल भी इस टीम में शामिल हो जाएं तो कोच राहुल द्रविड़ के लिए भारतीय शीर्ष क्रम की पहेली को सुलझाना मुश्किल होगा।

अगले एक साल में ध्यान सिफ वनडे पर लगा होगा और 50 ओवर में भारत के रवैए में बड़े बदलाव की जरूरत है। कभी कभार ज्यादा विकल्प होना भी वास्तव में अच्छा सिरदर्द नहीं होता क्योंकि इससे ज्यादा भम्र की स्थिति उत्पन्न होती है। जब एक ही तरह के कौशल में कई विकल्प होते हैं तो कोच हर किसी को बराबरी के मौके देने का प्रयास करता है लेकिन इससे संतुलित लाइन अप नहीं बन पाती और जब कोई बड़ा टूर्नामेंट करीब ही हो तो यह आदर्श स्थिति नहीं है।

पंत-ईशान में जंग

धवन न्यूजीलैंड से सीधे मीरपुर में टीम से जुड़े हैं। मध्यक्रम की बात की जाये तो विराट कोहली का तीसरा नंबर तय है, श्रेयस अय्यर भी भारत के चौथे स्थान पर धीरे धीरे अपनी पैठ बना रहे हैं। इंग्लैंड में वनडे श्रृंखला में प्रदर्शन के बाद ऋषभ पंत लाइन अप में पांचवें स्थान के लिए ईशान किशन से आगे ही रहेंगे। वह 50 ओवर के प्रारूप में पहली पसंद के विकेटकीपर बने रहेंगे। किशन टी20 में पारी का आगाज करना पसंद करते हैं, उन्होंने वनडे में तीसरे या चौथे नंबर पर बल्लेबाजी करते हुए तीन अर्धशतक जड़े हैं

चोटिल शमी बाहर उमरान शामिल

तेज गेंदबाज मोहम्मद शमी कंधे में चोट के कारण बांग्लादेश के खिलाफ रविवार से शुरू होने वाली एकदिवसीय मैचों की श्रृंखला में नहीं खेल पाएंगे और उनकी जगह उमरान मलिक को टीम में शामिल किया गया है। भारतीय क्रिकेट बोर्ड ने शनिवार को यह जानकारी दी। शमी ऑस्ट्रेलिया से लौटने के बाद अभ्यास सत्र के दौरान चोटिल हो गए थे। उनका 14 दिसंबर से चटगांव में शुरू होने वाली दो टेस्ट मैचों की श्रृंखला में खेलना भी संदिग्ध है।

ओपनिंग जोड़ीदार पर फंसा पेंच

कुछ साल पहले रोहित शर्मा और शिखर धवन भारत के वनडे में सलामी जोड़ीदार के रूप में पसंदीदा जोड़ी होती थी जिस पर बमुश्किल ही कोई सवाल पूछा जाता था या फिर उनके स्थान पर बहस की जाती थी। लेकिन धवन के पावरप्ले में धीमे खेल और गिल के आने से संभावनाए पैदा होनी ही थी। केएल राहुल शीर्ष क्रम में बल्लेबाजी करना पसंद करते हैं और उन्हें इसमें सफलता भी मिली है, लेकिन पूर्व कोच रवि शास्त्री के कार्यकाल के दौरान उन्होंने मध्यक्रम में कुछ मैच खेले। लेकिन विडंबना यह है कि इतनी संख्या देखते हुए भी इससे स्पष्ट संकेत नहीं मिल रहा है कि श्रृंखला के लिए रोहित के साथ पारी का आगाज करने के लिए किसे होना चाहिए।

टीमें इस प्रकार हैं

भारत : रोहित शर्मा (कप्तान), केएल राहुल (उपकप्तान), शिखर धवन, विराट कोहली, श्रेयस अय्यर, ऋषभ पंत (विकेटकीपर), ईशान किशन (विकेटकीपर), रजत पाटीदार, राहुल त्रिपाठी, अक्षर पटेल, वाशिंगटन सुंदर, कुलदीप सेन, उमरान मलिक, दीपक चाहर, शार्दुल ठाकुर, शाहबाज अहमद, मोहम्मद सिराज।
बांग्लादेश : लिटन दास, अनामुल हक बिजॉय, शाकिबुल हसन, मुश्फिकुर रहीम, अफीफ हुसैन, यासिर चौधरी, मेहदी हसन मिराज, मुस्तफिजुर रहमान, तास्किन अहमद, हसन महमूद, इबादत हुसैन चौधरी, नासुम अहमद, महमूद उल्लाह, नजमुल हुसैन शांटो, काजी नुरूल हसन सोहन, शोरफुल इस्लाम।

उन्नति फाइनल में पहुंचने वाली पहली भारतीय

नई दिल्ली। भारत की उभरती हुई बैडमिंटन खिलाड़ी उन्नति हुड्डा ने बैडमिंटन एशिया जूनियर चैंपियनशिप के अंडर-17 एकल महिला स्पर्धा के सेमीफाइनल में शनिवार को जापान की मियोन योकूची को सीधे गेम में शिकस्त दी। थाईलैंड के नोथाबुरी में खेली जा रही प्रतियोगिता के फाइनल में रविवार को उनका सामना स्थानीय खिलाड़ी सरुनरक विटिडसन से होगा। उन्नति जापान की खिलाड़ी के खिलाफ 21-8, 21-17 की जीत के साथ प्रतियोगिता के अंडर-17 एकल महिला वर्ग के फाइनल में पहुंचने वाली पहली भारतीय खिलाड़ी भी बन गई।

ऑस्ट्रेलिया ने भारत को 5-1 से दी करारी शिकस्त, जीती सीरीज

एजेंसी ▶▶| एडिलेड

भारतीय टीम ने शुरू में अच्छा प्रदर्शन करके बढ़त बनाई लेकिन मध्यांतर से ठीक पहले उसकी रक्षापंक्ति बिखर गई जिसका फायदा उठाकर ऑस्ट्रेलिया ने वापसी करके शनिवार को यहां चौथे हॉकी टेस्ट मैच में भारत को 5-1 से करारी शिकस्त दी।

ऑस्ट्रेलिया ने इस जीत से पांच मैचों की श्रृंखला में 3-1 से अजेय बढ़त हासिल की। श्रृंखला का पांचवा और अंतिम मैच रविवार को खेला जाएगा। पहले क्वार्टर में कोई भी टीम गोल नहीं कर पाई जिसके बाद दिलप्रीत सिंह ने 25वें मिनट में गोल करके भारत को बढ़त दिलाई। पहले क्वार्टर में भारतीय रक्षापंक्ति ने अच्छा खेल दिखाया लेकिन बाद में वह अपने प्रदर्शन में निरंतरता नहीं रख पाई। दूसरे क्वार्टर के आखिरी क्षणों में भारतीय रक्षा पंक्ति बिखर गई जिसका फायदा उठाकर जेरेमी हेवर्ड (29वें) और जेक व्हीटन (30वें) ने 50 सेकेंड के अंदर दो गोल करके ऑस्ट्रेलिया को मध्यांतर से पहले बढ़त दिला दी। ऑस्ट्रेलिया ने तीसरे क्वार्टर में पूरा दबदबा बनाया।

रुद्रांक्ष प्रेसिडेंट कप खिताब चैंपियन...

काहिरा। भारतीय शूटर रुद्रांक्ष पाटिल ने 2022 सीजन का अंत शानदार अंदाज में किया है। उन्होंने इंटरनेशनल शूटिंग स्पोर्ट्स फेडरेशन प्रेसिडेंट कप का खिताब अपने नाम किया। यह टूर्नामेंट मिस्र के काहिरा में आयोजित हुआ। 10 मीटर राइफल के प्लेऑफ में रुद्रांक्ष ने इटली के डेनिलो सोलाजो को 16-8 से हरा दिया। स्पोर्ट्स अथॉरिटी ऑफ इंडिया ने भी रुद्रांक्ष को बधाई दी है। उन्होंने ट्वीट किया- रुद्रांक्ष ने 2022 को एक धमाकेदार अंदाज के साथ खत्म किया। 10 मीटर राइफल प्ले-ऑफ में सोलाज़ो को 16-8 से हराकर आईएसएसएफ प्रेसिडेंट कप जीता। बधाई हो, पूरे भारत को आप पर गर्व है।

वेस्टइंडीज को जीत दर्ज करने के लिए 306 रन की जरूरत

लाबुशेन का एक ही टेस्ट में शतक और दोहरा शतक

एजेंसी ▶▶| पर्थ

मार्नस लाबुशेन ने पहली पारी में 204 रन बनाने के बाद दूसरी पारी में नाबाद 104 रन की पारी खेली जिससे वह एक ही टेस्ट में शतक और दोहरा शतक जड़ने वाले तीसरे आस्ट्रेलियाई क्रिकेटर बन गए। इससे आस्ट्रेलिया ने शुरुआती टेस्ट में शनिवार को यहां वेस्टइंडीज को जीत के लिए 498 रन का लक्ष्य दिया। वेस्टइंडीज ने शनिवार को यहां स्टंप तक अपनी दूसरी पारी में 62 ओवर में तीन विकेट पर 192 रन बना लिए और उसे सनसनीखेज जीत दर्ज करने के लिए 306 रन की जरूरत है।

आस्ट्रेलिया ने इससे पहले लंच तक अपनी दूसरी पारी दो विकेट पर 182 रन पर घोषित की। तब लाबुशेन 104 और स्टीव स्मिथ 20 रन बनाकर नाबाद थे। लाबुशेन से पहले एक ही टेस्ट में शतक और दोहरा शतक जड़ने वाले अन्य आस्ट्रेलियाई खिलाड़ी ग्रेग चैपल और डग वाल्टर्स हैं। आस्ट्रेलिया ने पहली पारी चार विकेट पर 598 रन के स्कोर पर घोषित की थी और वेस्टइंडीज को 283 रन पर समेट दिया था। वेस्टइंडीज के लिए दूसरी पारी में कप्तान क्रेग ब्रेथवेट नाबाद 101 रन बना चुके हैं जो 80 टेस्ट में उनका 11वां शतक है। उन्होंने और पदार्पण कर रहे सलामी बल्लेबाज तेजनारायण चंद्रपाल (45) ने पहले विकेट के लिए 116 रन की भागीदारी निभाई। ब्रेथवेट इस तरह 5,000 टेस्ट रन पूरे करने वाले वेस्टइंडीज के 13वें बल्लेबाज बन गए।

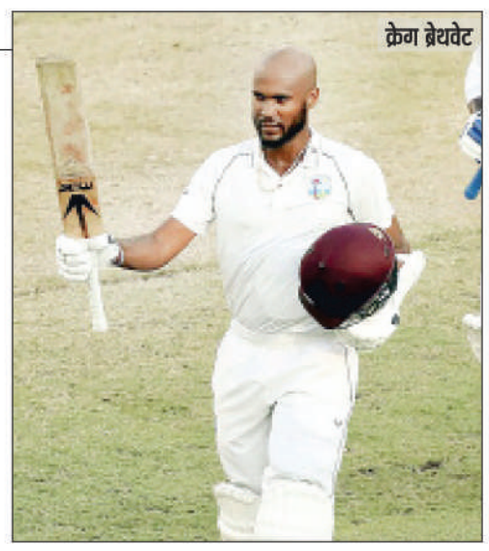
क्रेग ब्रेथवेट

इंग्लैंड-पाकिस्तान मैच में सात बल्लेबाजों के शतक

रावलपिंडी। कप्तान बाबर आजम (136), इमाम उल हक (121) और असद शफीक (114) की शतकीय पारियों के बाद इंग्लैंड के गेंदबाजों ने बल्लेबाजों की मददगार पिच पर पाकिस्तान के खिलाफ पहले टेस्ट मैच के तीसरे दिन की आखिरी सत्र में चार विकेट झटक कर शानदार वापसी की। शनिवार को स्टंप्स के समय पाकिस्तान ने अपनी पहली पारी में सात विकेट पर 499 रन बना लिए। टीम हालांकि इंग्लैंड की पहली पारी में बनाए 657 रन से अब भी 158 रन पीछे है। खराब रोशनी के कारण लगातार तीसरे दिन मैच को समय से पहले रोकना पड़ा। मैच में अब तक सात बल्लेबाज शतक जड़ चुके है। यह पहली बार है जब किसी टेस्ट की पहली पारी में दोनों टीमों के चारों सलामी बल्लेबाज ने शतकीय पारियां खेली।

टीम इंडिया को जीत के लिए करना होगा सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन

सुनील गावस्कर की कलम से

न्यूजीलैंड के खिलाफ बारिश ने भारतीय टीम को बचा लिया। अगर ऐसा नहीं होता तो तीन मैचों की वनडे सीरीज में टीम को और करारी शिकस्त मिलती। इस सीरीज ने जो एक बात दिखाई वो ये कि जब भी पिच में मूवमेंट और अतिरिक्त उछाल होता है तो विपक्षी गेंदबाज भारतीय बल्लेबाजों को चुनौती देते नजर आते हैं। ठीक वैसे ही जैसे कि पिछली पीढ़ी के बल्लेबाजों की इन हालात में परीक्षा ली जाती थी। टेस्ट क्रिकेट में तकनीक और चपलता दिखाने के काफी ज्यादा अवसर होते हैं और रन बनाने के लिए कड़े प्रयासों की जरूरत होती है लेकिन वनडे क्रिकेट में जहां हर गेंद अहम होती है वहां रन बनाने योग्य गेंदों का इंतजार करने का वक्त बहुत कम होता है। यहां बल्लेबाज लीक से हटकर कुछ करने की कोशिश कर रहे हैं। अगर ये काम करता है तो रन बनते हैं लेकिन अगर ऐसा नहीं होता है तो स्कोरशीट में दिखाने के लिए ज्यादा कुछ नहीं होता। न्यूजीलैंड दौरे पर भारतीय टीम के कुछ बेहतरीन बल्लेबाजों को आराम दिया गया और युवा खिलाड़ी इन पिचों पर पूरी तरह एक्सपोज हो गए। मगर अब बांग्लादेश दौरे के लिए सभी बड़े बल्लेबाज टीम में लौट आए हैं और गेंदबाजी विभाग भी मजबूती के साथ उतरेगा।

हमारी मुस्कान (स्माइल) बिना कहे भी बहुत कुछ कह देती है। यह बिना बोले किसी को धन्यवाद कह सकती है, बिना माफी मांगे माफी दिला सकती है, बिगड़े काम बना सकती है और पर्सनालिटी भी निखार सकती है। इस कला को कोई भी सीख सकता है, लेकिन इससे जुड़ी कुछ बातों को हमें ध्यान रखना होगा।

आइए जरा-सा मुस्कुरा लें

जिंदगी बनेगी खूबसूरत

कहते हैं मुस्कुराना एक कला है। इस कला में पारंगत व्यक्ति का जीवन पॉजीटिविटी से भरा रहता है। मुस्कान में वो ताकत होती है, जो बिगड़े काम भी बना देती है। यह महज कहने की बात नहीं, हकीकत है और इस हकीकत को कई क्लीनिकल रिसर्च में भी परखा गया और सच पाया गया है। वास्तव में स्माइल यूनिवर्सल है। यह किसी एक भाषा, देश या संस्कृति की थाती नहीं है। यह अफ्रीका में भी उतनी ही मायने रखती है, जितनी भारत, अमेरिका या अरब में। जाहिर है, ऐसी बहुपयोगी कला को आप भी जरूर सीखना चाहेंगे।

ऐसे पाएं अट्रैक्टिव स्माइल

अट्रैक्टिव स्माइल के लिए जब कुछ पढ़ें तो पढ़कर जो भाव बन रहे हों, उसे अपने होंठों, आंखों और चेहरे की भाव-भंगिमाओं से व्यक्त करना सीखें। धीरे-धीरे यह आदत का हिस्सा हो जाएगा और आपको पता ही नहीं चलेगा कि इस आदत में आपका सहजता से मुस्कुराना भी शामिल है। इसका एक तकनीकी तरीका यह है कि बिना किसी वजह के एक मुस्कुराहट अपने चेहरे पर सजाएं। अपने मुंह के कोनों को तिरछा स्ट्रेच करें, करीब 10 सेकेंड तक इस पोजिशन में स्थिर रखें फिर अपने होंठों को अलग करें और मुस्कुराहट को आंखों में बनाए रखें। इसे कई बार दोहराएं। इसके अलावा सिली रैबिट एक्सरसाइज भी कर सकते हैं। इसके लिए पहले जितना मुंह चौड़ा कर सकें, उतनी चौड़ी स्माइल करें। फिर नाक को इधर-उधर खरगोश की तरह हिलाएं। इससे आपके गालों की मसल्स की एक्सरसाइज होगी, क्योंकि ये भाव-भंगिमाएं गालों की मसल्स को इंगेज करती हैं। इससे आपकी मुस्कान सुंदर बनेगी। कहने का मतलब यह है कि अच्छी मुस्कुराहट भी उठने, बोलने के अच्छे तौर-तरीकों की तरह सीख सकते हैं।

सीखें आंखों से मुस्कुराना

एक गीतकार ने लिखा है, 'हंसता हुआ नूरानी चेहरा...' तो उसमें ये आंखें ही हैं, जो हंस रही होती हैं, और उसी हंसी से चेहरा नूरानी हो जाता है यानी ग्लो करने लगता है। एक आकर्षक मुस्कुराहट सिर्फ मुंह से या होंठों से संभव नहीं है। इसमें आपका पूरा चेहरा और सबसे ज्यादा आंखें शामिल होती हैं। जब आपकी मुस्कुराहट से आपकी आंखों के आस-पास हल्की-सी शिकन पड़ जाती है, तब पता चलता है कि आप मुस्कुरा तो रहे हैं, लेकिन आपकी आंखों को ये मंजूर नहीं है। लेकिन जब आपकी मुस्कुराहट के साथ आपका पूरा चेहरा खिल जाता है, उसमें रौनक दिखने लगती है तो मतलब है आपकी आंखें भी मुस्कुरा रही हैं और चेहरा खुशी का इजहार कर रहा है। ऐसी मुस्कुराहट तभी देखने को मिलती है, जब गालों की मसल्स मुस्कुराने में उठती और गिरती हैं। आईब्रोज भी इंगेज होते हैं। इसे अच्छे से आईने के सामने प्रैक्टिस किया जा सकता है।

इन बातों को भी अमल में लाएं

प्यारी सी मुस्कान पाने के लिए आप कुछ लाइफस्टाइल संबंधी नियम भी पालन कर सकते हैं। अच्छी मुस्कुराहट पाने के लिए भरपूर नींद लेना जरूरी है, स्मोकिंग से दूर रहना आवश्यक है और हां, छोटी-छोटी परेशानियों को अनदेखा करना भी जरूरी है, तभी एक हंसती हुई चमकदार मुस्कुराहट आपके होंठों पर सज सकती है, वह भी बिल्कुल निर्दोष और आकर्षक।

मूड हो तभी मुस्कुराएं

अच्छी पर्सनालिटी और इंप्रेशन के लिए जबरदस्ती मुस्कुराने से बचना चाहिए। इसलिए अच्छी मुस्कुराहट के दो ही तरीके हैं। अगर आपने मुस्कुराहट की कला बकायदा सीखी नहीं है तो तभी मुस्कुराएं, जब आपका मूड हो यानी अंदर से मुस्कुराने का मन कर रहा हो और अगर आपने मुस्कुराने की कला नियमित अभ्यास के जरिए सीखी है तो मुस्कुराने के पहले मुस्कुराहट का मूड बनाएं। बिना मूड के मुस्कुराहट व्यंग्य वाली प्रशंसा जैसी होती है।

पाएं स्माइल का खजाना

हमारे इर्द-गिर्द खूबसूरत मुस्कुराहटों का खजाना होता है, लेकिन उसे हम तभी जान सकते हैं या पा सकते हैं जब हमारा रिश्ता ऐसे खुशमिजाज लोगों से हो, जो उन मुस्कुराहटों से खेलना अच्छे से जानते हों। ऐसे लोगों के साथ न रहें, जो बात-बात पर तनाव में आ जाते हैं, हर समय अपनी असफलता का रोना रोते रहते हैं, कभी खुश होना जानते ही नहीं, ऐसे लोगों के पास मुस्कुराहट की पूंजी नहीं होती। इसलिए ऐसे लोगों के साथ रहने से बचें। हमेशा खुश रहने वाले लोगों के साथ रहें। वो अपनी छोटी-छोटी बातों से इतना प्रेरित करते हैं, इतना गुदगुदाते हैं कि जब वे हमारे सामने नहीं होते, तब भी उनकी बातें याद करके हम मुस्कुरा देते हैं। ऐसे लोग हमारी जिंदगी को हर तरह से समृद्ध करते हैं। क्योंकि इनके पास पॉजीटिविटी का एक ऐसा जादू होता है, जो सबको अपना बना लेता है। *

असली-नकली स्माइल

मुस्कान भी दो तरह की होती है। जहां दिल से निकली असली स्माइल आपके बिना कहे किसी को थैंक्यू बोल सकती है, बिना माफी मांगे आपको माफी दिलवा सकती है, वहीं जानबूझकर नकली स्माइल सामने वाले को इरीटेट कर सकती है। आपकी इमेज बिगाड़ सकती है। वैज्ञानिकों के अनुसार, असली स्माइल में दो मसल्स नेचुरली फैलती और संकुचित होती हैं। दरअसल, जाइगोमैटिक मेजर और ऑर्बिक्यूलर ऑक्युली, जो मुंह के दोनों ओर गालों और आस-पास के एरिया को उठाती हैं, जब इनमें ये सहज रूप से फैलती और संकुचित होती हैं तो चेहरे पर एक मासूम सी मुस्कुराहट उभरती है। जिसमें आंखें बहुत कुछ कह रही होती हैं। यह ऐसी स्माइल होती है, जिसे किसी तकनीकी तरह से सीखने की जरूरत नहीं होती, बस ईमानदारी से अपने भाव व्यक्त करने की जरूरत होती है। असली स्माइल में हमारे ब्रेन के अलग-अलग पार्ट्स शामिल होते हैं, जबकि नकली स्माइल में ये सभी एक्टिविटीज नहीं होती हैं। *

एक शोध में यह बात सामने आई है कि 55-60 की उम्र पार करने के बाद आमतौर पर लोगों के यार-दोस्त क्यों कम हो जाते हैं? जीवन की संध्या में एकाकीपन ना आए, इसके लिए इस शोध के निष्कर्षों से मदद मिल सकती है।

जीवन की सांझ रहे

यार-दोस्तों से गुलजार

इस दुनिया में वाकई सारी बहार जवानी यानी युवावस्था की होती है। जैसे-जैसे उम्र बढ़ती है, ना केवल शारीरिक शिथिलता घेरने लगती है, आस-पास के लोग भी दूरी बनाने लगते हैं, साथ छोड़कर जाने लगते हैं। कुछ दिनों पहले अमेरिका में 55 साल से ज्यादा की उम्र के 2000 लोगों पर एक सर्वेक्षण हुआ और यह बात निकलकर सामने आई कि जैसे-जैसे उम्र बढ़ती जाती है, यारी-दोस्ती का संकट भी बढ़ता जाता है।

दोस्त बनाने का करते रहें प्रयास: इस सर्वे में शामिल 77 फीसदी लोगों ने माना कि सीनियर सिटीजन होने के बाद से लगातार उनके सामाजिक दायरे में कमी आई है। सर्वे में जो लोग शामिल हुए उनमें से करीब 50 फीसदी लोगों ने विस्तार से बताया कि 55 साल के बाद आमतौर पर उन्होंने दोस्त बनाने ही बंद कर दिए। इस सर्वे का एक निष्कर्ष यह भी सामने आया है कि आमतौर पर रिटायरमेंट के कुछ सालों बाद हमारे अधिकतम सिर्फ चार दोस्त ही बचते हैं, जो हम पर भरोसा करते हैं। यानी भले ही ओल्ड एज में युवावस्था की तरह दोस्तों की भरमार नहीं होती, लेकिन अगर जीवन में जीवंतता बनाए रखने के लिए प्रयास किए जाएं तो दोस्तों से महरूम नहीं रहेंगे। ज्यादा ना सही कुछ दोस्तों का साथ तो बना ही रहेगा। जिनके साथ आप अपने गम और खुशियां बांट सकते हैं, जिनके साथ खुशनुमा पल गुजार सकते हैं। एकाकीपन का सामना करने वाले बुजुर्ग योगा क्लासेस, मॉर्निंग वॉक और धार्मिक गतिविधियों के जरिए भी नए दोस्त बना सकते हैं। ऐसी गतिविधियां आपको ना केवल स्वस्थ रखने में मदद करती हैं बल्कि नए लोगों से परिचय पाने, यार-दोस्त बनाने में भी मददगार साबित होती हैं।

सही नहीं नकारात्मक सोच: इस सर्वे से संबंधों के समाजशास्त्र से जुड़े कई महत्वपूर्ण निष्कर्ष निकलकर सामने आए हैं। मसलन, जिस तरह से बहुत कम उम्र में दोस्ती का बहुत व्यापक मायने नहीं होता यानी बच्चे एक-दूसरे से दोस्ती में कोई बड़ी या महत्वपूर्ण चीज ले-दे नहीं सकते। ठीक उसी तरह से जब उम्र 60-65 साल या इसके पार चली जाती है, तो उस दोस्ती में ठोस लेन-देन जैसी कोई चीज नहीं बचती। सिर्फ अच्छा व्यवहार और अतीत के अनुभवों को ही बांटने और पाने का कारोबार बचता है। इसके साथ सर्वे में यह भी सामने आया कि भले बेहतर संबंधों के लिए जीवन में देर कभी न होती हो, लेकिन नए संबंधों के लिए एक उम्र के बाद लोग समझने लगते हैं कि देर हो चुकी है। इस वजह से वे स्वयं नए दोस्त बनाने की दिशा में सक्रियता नहीं दिखाते हैं। पुरुषों के मुकाबले महिलाओं के लिए यह और बड़ी समस्या होती है। पुरुष तो फिर भी पार्क में, बाजार में या सुबह-शाम घूमने के दौरान सड़क में किसी अजनबी से बोलने, बतियाने की कोशिश कर भी सकते हैं। लेकिन उम्रदराज महिलाओं को नया दोस्त बनाने में कठिनाई होती है, इसलिए वे खुद को घर की चारदीवारी में समेट लेती हैं। इस मामले में मनोवैज्ञानिकों का कहना है कि नकारात्मक सोच से भरकर लोगों से कटे रहना सही नहीं है, इससे भीतर की जीवंतता भी कम होने लगती है, जो खुशहाल जीवन के लिए सही नहीं है।

समय रहते कर लें प्लानिंग: यह सच है कि नई दोस्ती कभी भी की जा सकती है। अपने पुराने दोस्तों से बराबर संपर्क बनाए रखकर अपने एकाकीपन को दूर किया जा सकता है, जीवन की संध्या को जीवंतता के साथ जिया जा सकता है। खासतौर पर अगर आपके पास पैसे हैं, निर्णय लेने की क्षमता है तो आप घूम-फिरकर अपना एकाकीपन दूर कर सकते हैं। अपने पैसे से मनचाही सेवाएं और सुविधाएं खरीद सकते हैं। लेकिन यह भी तभी संभव है, जब आपका स्वास्थ्य बढ़िया हो। इसीलिए विशेषज्ञ सलाह देते हैं कि 30-35 की उम्र से ही, ओल्ड एज में सही ढंग से जीने की प्लानिंग कर लेनी चाहिए। इसमें हेल्थ पर जरूरी ध्यान देने के साथ पैसे की व्यवस्था करना भी शामिल है। *

अपनी बेटी मसाबा से

क्या चाहती हैं नीना गुप्ता

पिछली सदी के अंतिम दो दशकों में कई फिल्मों और सीरियल्स में अभिनय के जरिए पहचान बनाने वालीं अभिनेत्री नीना गुप्ता कुछ वर्ष के लिए लाइमलाइट से दूर रहीं। फिर वर्ष 2018 में रिलीज हुई 'बधाई हो' की ग्रैंड सक्सेस ने उनके फिल्म करियर को रिवाइव कर दिया। इन दिनों नीना कई फिल्मों और वेब शोज में बिजी हैं। एक तरफ उनके एक्टिंग करियर ने फिर से रफ्तार पकड़ ली है तो उनकी बेटी मसाबा ने भी बतौर फैशन डिजाइनर अलग मुकाम बना लिया है। इस बात पर नीना को बहुत प्राउड है। लेकिन एक मां के तौर पर उनके मन में एक कसक है कि किसी तरह मसाबा का घर फिर से बस जाए। अपनी इस चाहत को नीना गुप्ता ने बहुत ही भावुकता के साथ तब व्यक्त किया, जब फिल्म 'वध' के प्रमोशन के दौरान उनसे पूछा गया कि वे मसाबा से क्या चाहती हैं? उन्होंने कहा, 'सच कहूं तो दुनिया में मसाबा ही मेरी सबसे अच्छी दोस्त है। जहां तक उसके प्रोफेशनल सक्सेस की बात है तो मसाबा ने सिर्फ पांच वर्षों में बड़े फैशन डिजाइनर्स को पछाड़ कर अपना ब्रांड बनाने में कामयाबी हासिल की। इस बात के लिए मसाबा पर मुझे फख्र है। लेकिन उसकी पर्सनल लाइफ की बात करूं तो चिंता होती है। एक्चुअली मसाबा का डिवोर्स (प्रोड्यूसर मधु मंटेना से मसाबा की शादी हुई थी) हो चुका है। मैं जब भी मसाबा से दोबारा घर बसाने की बात करती हूं, तो वो टाल जाती है। मैंने उसको अपना ही एग्जांपल देते हुए कई बार समझाया कि जैसे-जैसे इंसान की उम्र ढलने लगती है तो अपने पेशे या काम में उतना वक्त नहीं दे पाता। कल क्या होगा, कुछ नहीं कहा जा सकता। ऐसे में बस परिवार ही होता है, जो हर इंसान के साथ उसके अच्छे-बुरे वक्त में साथ देता है। मैं अपने बचपन में पैरेंट्स के साथ दिल्ली में रहती थी। जब एक्ट्रेस बनने के लिए यंग एज में स्ट्रगल करने मुंबई आई तो कभी फिल्म मिलती थी, कभी नहीं मिलती थी। उन्हीं दिनों में मैं मसाबा की अन-वेड मां बन गई। उस दौर में बेटी को पालने में सिर्फ मेरी फैमिली, खासकर मेरे फादर, का मुझे साथ मिला, तभी स्वाभिमान के साथ जीना संभव हुआ। अब मैं अपनी लाइफ की सेकेंड इनिंग अपने पति विवेक मेहरा के साथ बिता रही हूं। यही सारी बातें मैं मसाबा को समझाती रहती हूं, ताकि वो अपनी जिंदगी नए सिरे से शुरू कर सके। उम्मीद करती हूं कि आने वाले समय में मसाबा अपना घर बसा लेगी। एक मां के तौर पर भला मुझे और क्या चाहिए!' *

ईमानदार खुशबू की कहानियां

वरिष्ठ कथाकार सुधांशु गुप्त की कहानियां बहुत लंबी नहीं होतीं पर उनमें एक बिंदु ऐसा होता है, जिसके लिए वह कहानी लिखी गई होती है और अकसर वह बिंदु पाठक को एक अजीब-सी बेबसी जैसे अहसास के साथ छोड़ जाता है। हाल में प्रकाशित उनके कथा संग्रह 'तेरहवां महीना' की अधिकांश कहानियां भी इसी मिजाज की हैं। संग्रह में मौजूद 'खो रही है मां' कहानी, मां से जुड़ाव पर लिखी गई बेहतरीन कहानियों में से एक है। इसमें मां की बेबसी, बढ़ती उम्र के साथ उनकी कुछ न कर पाने की छटपटाहट है, जो उनके 'रिड्यूस' होने जैसे बिंब के साथ लिखी गई है। 'डर' कहानी में गंगा में बहते शव जिस तरह पैरों से लिपट रहे हैं, वो स्थिति भी किसी भी संवेदनशील इंसान को बेहद उदास कर सकती है। यह कथा संग्रह, कहानियों का ऐसा गुलदस्ता है, जिसमें अनोखी खुशबू है। जीवन में व्याप्त नीरसता से भरी एक ईमानदार खुशबू। *

पुस्तक: तेरहवां महीना, **लेखक:** सुधांशु गुप्त, **मूल्य:** 225 रुपए, **प्रकाशक:** भावना प्रकाशन, दिल्ली

परफेक्ट रोटी

लंच टाइम में ऑफिस के सभी कुलीग्स ज्यादातर साथ बैठकर ही लंच करते थे। आज भी लंच में सभी साथ बैठे थे। राधा ने जैसे ही लंच बॉक्स से अपनी टेढ़ी-मेढ़ी रोटी निकाली, राहुल उसकी रोटी देखकर मजाकिया अंदाज में बोला, 'यह क्या! महिला होकर ऐसी टेढ़ी-मेढ़ी रोटी बनाती हो?'

राधा चुप रहने वाली नहीं थी, तुरंत बोली, 'अच्छा! आप भी अपना टिफिन दिखाएं तो जरा। मैं भी देखूं कि भाभी जी कितनी परफेक्ट रोटी बनाती हैं?'

तभी बीच में रश्मि बोली, 'चलो! आज देखते हैं, किसकी रोटी या पूड़ी-परांठा कितनी परफेक्ट है?'

फिर क्या था, सभी अपनी-अपनी रोटी, पूड़ी-परांठा दिखाने लगे। सबसे परफेक्ट रोटी सतीश के लंच बॉक्स की थी।

सभी ने सतीश की वाइफ की तारीफ की,'वाह भाई! भाभी जी सच में बहुत अच्छी रोटी बनाती हैं, एकदम गोल-गोल।'

सतीश हंसते हुए बोला, 'थैंक्यू दोस्तों! पर तुम लोग गलत सोच रहे हो। दरअसल, मेरी वाइफ भी वर्किंग है। वह रोज सब्जी बनाती है और मैं रोटी। हमने आपस में काम बांट रखे हैं, और फिर जरूरी नहीं कि परफेक्ट रोटी सिर्फ एक महिला ही बनाए, हम पुरुष भी तो बना सकते हैं न?' यह सुनकर राहुल का चेहरा देखने वाला था। उसे अपने कहे पर शर्मिंदगी महसूस हुई। उधर सभी ने तालियां बजाकर सतीश की बात का समर्थन किया। *

वह बहुत ज्यादा चिंता में थी, उसे अपने बच्चे को डे-केयर से लेना था, लेकिन रात हो गई थी। आसमान में घटा छाई हुई थी। तभी एक डिलीवरी ब्वॉय मदद के लिए आ गया। बहुत ही सरल अंदाज में वह जिंदगी के मायने बता गया, अगर भीतर उम्मीदें बैठी हों तो जिंदगी आसान हो जाती है।

डिलीवरी ब्वॉय

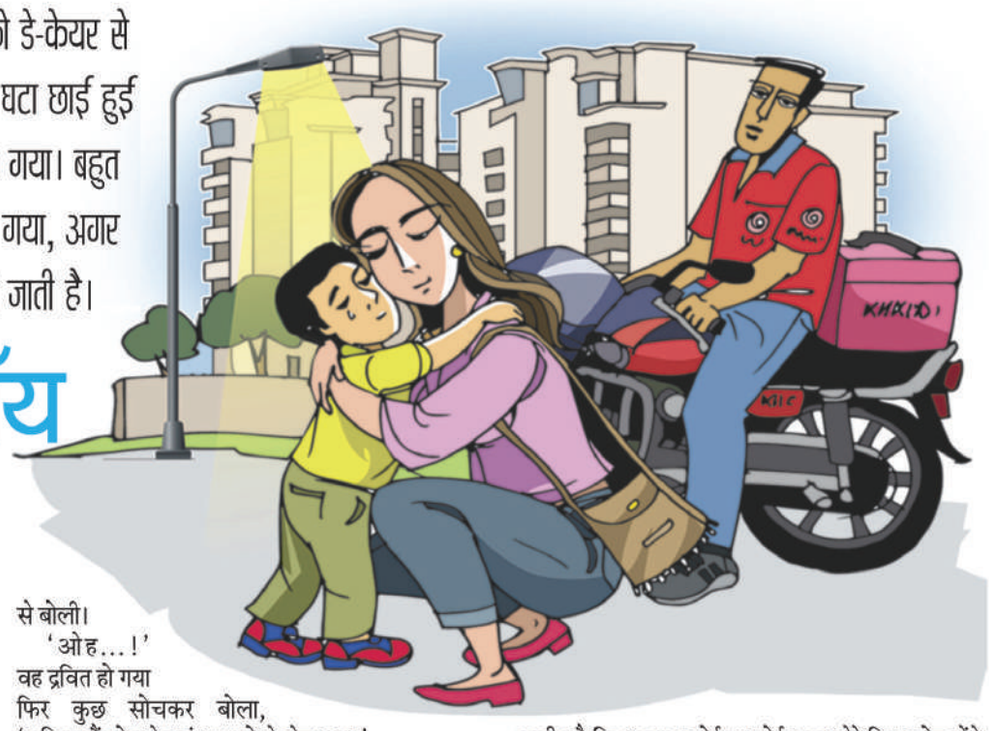

अंधेरा होने को था, वो समय से बेटे के पास पहुंच जाए, ऐसा होना लगभग नामुमकिन-सा था। घनघोर घटा छाई थी। बादल बरसे जा रहे थे। उसे मोक्ष का रुंआसा चेहरा साफ नजर आ रहा था। डे-केयर का टाइम खत्म हो गया था। उसे चिंता हो रही थी, मोक्ष वहां अकेला होगा। उसे अपनी मम्मा के बिना रहना बिलकुल पसंद नहीं है, लेकिन वह क्या करे, जिंदगी सबके लिए आसान तो नहीं होती ना, उसने भगवान को फिर से कोसा, 'क्यों दुनिया भर की मुसीबतें उसकी ही जिंदगी में दीं?'

वो सिंगल मदर है। मोक्ष के बेहतर भविष्य के लिए जरूरी है कि वो जॉब करे। उसने समय देखा, शाम के 7 बज गए थे। ऐसे मौसम में कैब का मिलना मुमकिन नहीं लग रहा था। इस नए शहर में उसका कोई अपना भी तो नहीं था। मां-बाप रहे नहीं और भैया-भाभी ने अपना नाता तोड़ लिया, जब उसने तलाक का निर्णय लिया था। उसकी आंखों से आंसू निकलने लगे।

'क्या हुआ, कुछ दिक्कत है क्या?' पीछे से किसी की आवाज आई। उसने पलट कर देखा तो एक फूड डिलीवरी ब्वॉय खड़ा था।

'आप बार-बार फोन देख रही हैं। अगर बैटरी नहीं है तो कोई बात नहीं, मेरे फोन से बात कर लीजिए।' उसने अपना फोन आगे देते हुए कहा।

'नहीं, बस अपने बेटे को लेने डे-केयर जाना था, कैब नहीं मिल रही है। वहां मेरा बेटा अकेला परेशान होगा।' वह मायूसी से बोली।

'ओह...!'

वह द्रवित हो गया फिर कुछ सोचकर बोला, 'चलिए, मैं छोड़ देता हूं आपको डे-केयर पर।'

यह कहकर उसने अपना फूड बॉक्स निकाल कर आगे रख लिया। 'लेकिन आपको तो यह डिलीवर करने जाना होगा ना।' उसने सकुचाते हुए कहा।

'हां, पर अभी आपका अपने बच्चे के पास पहुंचना ज्यादा जरूरी है।' यह कहकर उसने अपना फोन निकाला। उसमें से एक फोटो निकाली। एक प्यारा-सा बच्चा उसकी गोद में मुस्कुराते हुए बैठा था।

'यह मेरा बेटा है मैम। गांव में रहता है। आखिरी बार उससे मैं दो साल पहले मिला था। जिंदगी इतनी आसान नहीं है। सबको यही लगता है कि उसका दुख सबसे बड़ा है। बड़ा परिवार है मेरा, कमाने वाला मैं अकेला। उन सबके लिए बस इस शहर में आकर भाग रहा हूं। इस बार दिवाली पर भी घर नहीं जा पाया, क्योंकि इसी समय पर कमाई अच्छी होती है। आज भी उससे झूठ बोल कर दिलासा दिलाई है कि घर जल्दी आऊंगा। उम्मीद है कि भगवान कोई ना कोई रास्ता मेरे लिए खोज देंगे। मेरी झोली में भी सुख के पल होंगे।' यह कहते हुए उसकी आंखें नम हो गईं।

थोड़ी देर बाद वो डे-केयर के दरवाजे पर थी। मोक्ष भागता हुआ आया और उससे लिपट गया। उसने अपना पर्स खोला और कुछ रुपए डिलीवरी ब्वॉय की ओर बढ़ा दिए।

'नहीं मैम, आप रखिए इन्हें। लोगों की पसंद का खाना जब पहुंचाता हूं तो उनके चेहरे पर एक खुशी देखता हूं, आज एक मां को उसके बच्चे से मिलाकर मुझे बहुत ज्यादा खुशी मिली है। चलता हूं मैम।'

यह कहकर वह वहां से चला गया। उसे जाते हुए वह देखती रही। सोचने लगी, 'वाकई जिंदगी आसान नहीं है, लेकिन उम्मीद के साथ जीने से जिंदगी अपने आप आसान हो जाती है। यह सोचते हुए उसने आसमान की तरफ देखकर अपने हाथ जोड़ लिए। *

सीआरसी द्वारा अंतर्राष्ट्रीय दिव्यांगजन दिवस पर निकाली गई जागरूकता रैली

प्रखर गोरखपुर। सीआरसी गोरखपुर मे अंतरराष्ट्रीय दिव्यांगजन दिवस शनिवार को आयोजन किया गया। जिसमें दिव्यांगजन उनके अभिभावक, सीआरसी गोरखपुर के स्टाफ और डीएड-एमडी के प्रशिक्षु अध्यापकों द्वारा एक जागरूकता रैली निकाली गई। रैली सीआरसी गोरखपुर से होकर पंत पार्क तक गई। दिव्यांगता से संबंधित बैनर और पोस्टर के साथ पूरी रैली में दिव्यांगता जागरूकता के नारे गूंजते रहे। इसके अलावा सीआरसी में दिव्यांगजनों की दौड़ प्रतियोगिता, म्यूजिकल चेयर प्रतियोगिता तथा सांस्कृतिक कार्यक्रम का भी आयोजन किया गया। दौड़ प्रतियोगिता में शिव शरन पासवान, रूही सिंह एवं अविका सिंह ने प्रथम द्वितीय तथा तृतीय स्थान प्राप्त किया वहीं दौड़ में बड़े बच्चों के ग्रुप में अभिषेक शर्मा, अंशु, प्रियांशु ने प्रथम,द्वितीय तथा तृतीय स्थान प्राप्त किया। इसके अतिरिक्त ऑनलाइन वेबीनार श्रृंखला 207 का भी आयोजन किया गया जिसमें दिव्यांगजनों के अधिकार तथा सरकारी योजनाओं से संबंधित जानकारी प्रो0 प्रेम शंकर सोनकर,बीएचयू ने प्रदान किया। इस कार्यक्रम को गोरखपुर के प्रमुख मीडिया कर्मियों ने कबर किया। इस अवसर पर सक्षम के प्रमोद दुबे, गोरखपुर इनरव्हील क्लब की सवित टिबरेवाल सहित सीआरसी गोरखपुर के सभी अधिकारी और कर्मचारी गण उपस्थित रहे। कार्यक्रम का संचालन अरविंद कुमार पांडे ने किया। कार्यक्रम का समन्वय राजेश कुमार, राजेश कुमार यादव और नागेंद्र पांडे ने किया.सीआरसी गोरखपुर के रेजिडेंट कोऑर्डिनेटर रवि कुमार ने कार्यक्रम की सफलता पर अपनी शुभकामनाएं व्यक्त की। राष्ट्रीय दृष्टि दिव्यांगजन सशक्तीकरण संस्थान के निदेशक डॉ हिमांशु दास ने कार्यक्रम के सफल आयोजन हेतु टीम सीआरसी को विशेष रुप से निर्देशित किया था।

गोरखपुर विकास भवन बना कूड़ेदान

प्रखर गोरखपुर। सिंगल यूज प्लास्टिक पर बैन और स्वच्छता भारत अभियान प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के दो ड्रीम प्रोजेक्ट हैं.गोरखपुर विकास भवन की सरकारी दफ्तरों के आसपास गंदगी का अंबार लगा हुआ है।अधिकारी उस पर कोई ठोस कदम नहीं उठा रहे हैं।जबकि स्वच्छता मिशन भाजपा सरकार की प्राथमिकताओं में पहले पायदान पर है।जिले के विकास का प्रशासनिक केंद्र विकास भवन में ही गंदगी का अंबार दिखा।विकास भवन में मुख्य द्वार से कुछ दूरी पर समाज कल्याण ऑफिस से प्रवेश करते ही बाएं खाली स्थान पर पॉलीथिन और कचरे का अंबार आगंतुकों को सलामी देता दिखा।आने-जाने वाले इस समस्या को देखकर जिला प्रशासन की सफाई व्यवस्था को कोसते दिखे। आगे बढ़ते ही बहुमंजिला विकास भवन की सीढ़ियों और खिड़कियों पर पान और गुटखे की पीक स्वच्छता अभियान की असलियत बयां करती रही। यही नहीं, विकास भवन के लगभग सभी विभागों के शौचालय गंदे दिखे। उनका इस्तेमाल करने वाले लोग नाक पर रुमाल या हाथ लगाकर ही इस्तेमाल कर पा रहे थे। विकास भवन के कमरों के कोनों में गुटखे और पान की पीक से नारकीय हुईं दीवारें मानों लापरवाही के बदनुमा दाग से खुद को छुटकारा दिलाने की गुहार लगा रहीं हों।हालांकि अधिकारियों के चैंबरों के शौचालय और वाशरूम साफ-सुथरे दिखे।आपको बता दें कि एक ओर केंद्र और प्रदेश सरकारें स्वच्छता के नारे लगाने से नहीं थक रहीं दूसरी ओर उनके लोग ही इस मंशा पर पलीता लगा रहे हैं।जब पूरे जिले को स्वच्छता का पाठ पढ़ाने के लिए जिम्मेदार सरकारी दफ्तर ही गंदा रहेगा तो वह दूसरों को कैसे स्वच्छता का सबक सिखा पढ़ाएंगे।बाहर से चमक-दमक और अंदर गदंगी का आलम. इसे ही कहते हैं चिराग तले अंधेरा. ज़िले में जिस विकास भवन से विकास की धारा बहने की उम्मीद की जाती है यह वहीं का नजारा है.नगर पालिकाओं, नगर निगमों और सरकारी विभागों में स्वच्छता और प्लास्टिक, पॉलीथीन इस्तेमाल न करने के लिए कई नियम बनाए गए हैं लेकिन उन पर अमल कितना हो रहा है उसकी सच्चाई ये तस्वीरें बयां कर रही हैं।

गंगा देवी कपिल देव तिवारी महाविद्यालय में स्मार्टफोन का हुआ वितरण

प्रखर संतकबीरनगर। उत्तर प्रदेश सरकार की महत्वाकांक्षी टैबलेट व स्मार्टफोन वितरण योजना में रविवार को गंगा देवी कपिल देव तिवारी महाविद्यालय भुजैनी में कुल 587 छात्र-छात्राओं को स्मार्टफोन वितरित किया गया। कार्यक्रम में उदय राज तिवारी साथ में एसडीम अपने हाथों से स्मार्टफोन देकर कार्यक्रम का शुभारंभ किया। मुख्य अतिथि एसडीएम सदर अजय कुमार तिवारी खण्ड विकास अधिकारी खलीलाबाद विनोद मणि त्रिपाठी, महाविद्यालय के संरक्षक उदय राज तिवारी प्रचार डॉ संतोष कुमार सिंह, स्मार्टफोन बितरण के नोडल अधिकारी डॉ वेद प्रकाश झा, महा विद्यालय के मुख्य नियंता डॉ रंग नाथ तिवारी ,हरि शंकर शुक्ला, दुर्गेश शुक्ला, वंदना यादव शशि चौधरी ,सुशील मिश्रा ,आनंद शुक्ला, विजय लक्ष्मी, आदि लोग मौजूद रहे। इस दौरान एसडीम सदर ने बताया मुख्यमंत्री का सपना है कि यहां का युवा समग्र रूप में सक्षम हों। आज के इस तकनीकी युग में प्रदेश में वितरित किये जा रहे स्मार्टफोन से युवा अपनी पढ़ाई व रोजगार को आगे बढ़ाने में सफल होंगे। और इस दौरान उदय राज तिवारी ने कहा कि आज के युग में स्मार्टफोन हर व्यक्ति के लिए लाभकारी है। आप लोगों को जो स्मार्टफोन वितरित किए जा रहे हैं उसका प्रयोग केवल अच्छे कार्य व पढ़ाई के लिए करें। कार्यक्रम में आये हुऐ छात्र सभी फाइनल वर्ष के बीए ,बीएससी, बीकाम, बीएड आदि आये छात्र स्मार्ट फोन पाकर काफी उत्साहित हो गये। दुर्गेश चौरसिया , जगत जगत सिंह अष्टभुजा अग्रहरी अग्रहरि सुप्रभात त्रिपाठी ,अनामिका ,कंचन आदि छात्राओ को स्मार्ट फोन वितरित किया गया।

अशराफ संगठन और कुछ मुस्लिम नेता आर्टिकल 341 को लेकर सांप्रदायिक मुद्दा बनाने की रहे है कोशिश: जावेद मालिक

प्रखर दिल्ली। अखिल भारतीय पसमांदा मुस्लिम मंच के राष्ट्रीय अध्यक्ष एवं भाजपा अल्पसंख्यक मोर्चा प. उ. प्र. के क्षेत्रीय अध्यक्ष जावेद मलिक का आरोप है कि कुछ अशराफ संगठन और नेता पसमांदा समाज को दलित के आरक्षण के लिए आर्टिकल 341 पैरा 3 का राग अलाप कर इसे हिन्दू-मुस्लिम यानी सांप्रदायिक मुद्दा बनाने का प्रयास कर रहें हैं, ऐसा कर अशराफ एक तीर से दो निशाना हासिल करना चाहता है पहला सांप्रदायिकता माहौल बना कर पहले से गुलाम पसमांदा की गुलामी को और मजबूत करना और दूसरा उन्हें भीड़ बना सरकार पर दबाव डाल अपने सत्ता एवं वर्चस्व को बनाएं और बचाएं रखना। अगर इसे न रोका गया तो पसमांदा आंदोलन के इस महत्वपूर्ण मांग का भी हाल अशराफ बाबरी मस्जिद वाला कर

देंगे और पूरे देश में पसमांदा समाज को सरकार से तकरार कर स्वयं मलाई खायेंगे। अगर अशराफ वाकई चिंचित है तो वो पहले अपने संगठनों और संस्थाओं में पसमांदा दलित को भागेदारी क्यों नही दे देता, याद रखें किसी भी हालत में समाज का नेतृत्व शोषक/उत्पीड़क के हाथ में नहीं जाने देना है। अपरिचित तो आपकी सहायता कर सकता है लेकिन शोषक कभी भी आपका सहायक नहीं हो सकता। आपको बता दे कि जावेद मलिक निरन्तर पसमांदा समाज के हितों के लेकर कार्य करते आ रहे है और अभी हाल ही में जावेद मालिक ने लखनऊ में पसमांदा समाज के एक बड़े महासम्मेलन को अंजाम दिया था और सम्मेलन में मुख्य अतिथि के रूप में उपस्तिथ उत्तर प्रदेश के उप-मुख्यमंत्री केशव प्रसाद मौर्य के समक्ष पसमांदा समाज की आवाज को बुलंद किया था।

बाबा दरबार में वृक्षारोपण सम्पन्न

प्रखर पूर्वान्चल वाराणसी। बाबा विश्वनाथ के मंदिर परिसर स्थित कॉरिडोर में उत्तराखंड के पूर्व सीएम तीरथ सिंह रावत एवम भाजपा प्रवक्ता श्रीमती रीता निलेश सिंह केंद्रीय लघु उद्योग मंत्रालय हिंदी भाषी निर्वाचित सदस्य के आगमन पर उनके स्वागत में विश्वनाथ मंदिर प्रांगण में वृक्षारोपण कार्यक्रम किया गया। कार्यक्रम में अमित मिश्रा, नरेश, एवम मंदिर की सफाई व्यावस्था से जुड़े सभी कर्मचारी एवम अन्य लोग उपस्थित रहें। भाजपा प्रवक्ता रीता सिंह ने सफाई कर्मचारियों का स्वागत किया कॉरिडोर बनने के बाद पहली बार काशी यात्रा पर आए उत्तराखंड के पूर्व मुख्यमंत्री बाबा का विशाल परिसर देख के अभिभूत नजर आए पूर्व सीएम तीरथ सिंह ने बताया कि पूर्व की सरकारें बस कागजी बजट पर काम करती थी जन सरोकार से जुड़े मुद्दों पर जमकर लुटखोरी की जाती थी और अब विकास का काम जनता अपने आंखों के सामने देख रही है भाजपा प्रवक्ता रीता नीलेश सिंह ने बताया कि बाबा दरबार में वृक्षारोपण करना मेरा सौभाग्य ये पौधे जब विशाल वृक्ष बनेंगे तो आने वाली पीढ़ियों को एक अतीत के इतिहास से रूबरू कराएंगे प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी एवम उत्तर प्रदेश के यशस्वी मुख्यमंत्री योगी जी ने काशी के विकाश के लिए निरंतर प्रयत्नशील है आने वाले दिनों में काशी में और अद्भुत विकाश कार्य होने वाले है जिसके साक्षी हम सब होंगे।

नगर पंचायत पीपीगंज में विकास कार्य को गति

प्रखर गोरखपुर। नगर पंचायत पीपीगंज से लगातार तीन बार से सभासद रहे समाजसेवी रामानंद दाढ़ी वाले ने नवसृजित वार्ड नंबर 2 में सेमी हाई मास्ट लगवाया। सेमी हाई मास्ट लगने से वहां के लोगों का चेहरा खिल उठा। रामानंद दाढ़ी वाले ने बताया कि विकास कार्य को गति देना मेरे जीवन का लक्ष्य है और मैं जब तक जिंदा रहूंगा मैं अपने जनता का कर्जदार हूं। और आजीवन लोगों का सेवा करता रहूंगा। उक्त अवसर पर चेयरमैन श्री गंगा प्रसाद जयसवाल, विश्वनाथ चौधरी, अशोक सहानी, रमाशंकर निषाद, दीपक चौधरी किशन चौधरी, मुरारी चौधरी, राजमन चौधरी, श्रवण चौधरी राम नरेश चौधरी संजय चौधरी लालू एवं समस्त वार्ड वासी मौके पर मौजूद रहे।

तीन केंद्रों पर हुई वेलफेयर क्लब की बौद्धिक ज्ञान प्रतियोगिता

प्रखर ब्यूरो गाजीपुर। जनपद की समाजसेवी संस्था वेलफेयर क्लब द्वारा छात्र छात्राओं के बहुमुखी विकास हेतु बौद्धिक ज्ञान प्रतियोगिता अंतर्गत लिखित परीक्षाओं का आयोजन आज 4 दिसम्बर 2022 दिन रविवार को किया गया। यह परीक्षा जनपद के 3 केन्द्रों पर आयोजित की गयी। गाजीपुर सदर क्षेत्र में गौरी शंकर पब्लिक स्कूल को मुख्य परीक्षा केंद्र बनाया गया जहा रेवतीपुर, सुहवल, आदर्श गाँव, महाराजगंज क्षेत्र के प्रतियोगी शामिल हुये। केंद्र व्यस्थापिका रिंकू यादव के अनुसार 676 प्रतियोगियों में से 631 प्रतिभागी शामिल हुए, जबकि करण्डा, मनिहारी, नंदगंज, शादियाबाद, सादात तथा देवकली क्षेत्र के प्रतियोगियों के लिए रेनबो मार्डन स्कूल नंदगंज को केंद्र निर्धारित किया गया था। जहाँ केंद्र व्यस्थापक अभिषेक सिंह के अनुसार 180 में 172 प्रतियोगी शामिल हुए। करीमुद्दीनपुर, शेरपुर, भावरकोल के प्रतियोगियों के लिए मार्टिन्स चिल्ड्रेन एकेडमी, भावरकोल रहा। केंद्र व्यवस्थापक शाहाना जहां ने बताया सभी 110 प्रतियोगी शामिल रहे। क्लब पीआरओ सूर्य रेख मणि ने बताया कि सभी परीक्षा केन्द्रों पर ओजस कोचिंग नवाबगंज के कुशल 65 कक्ष निरीक्षक नियुक्त किये गये,

जबकि शुचिता एवम पारदर्शिता के लिए क्लब उपाध्यक्ष धीरेन्द्र त्रिपाठी, पवन कुमार पांडेय को प्रेक्षक तथा गौरी शंकर पब्लिक स्कूल के प्रबंधक राजेश्वर सिंह को मुख्य प्रेक्षक के रूप में नियुक्त किया गया था। मुख्य परीक्षक के रूप में आदित्य कुमार पांडेय को नियुक्त किया गया था। सामान्य ज्ञान, गणित एवं तार्किक शक्ति के अलावा चित्रकला विषय में राष्ट्रीय पक्षी, तैराकी का दृश्य, सेटेलाइट का दृश्य बच्चो ने एक से बढ़कर एक बनाया। जबकि निबंध प्रतियोगिता में भी पूर्व निर्धारित विषयों पर छात्र-छात्राओं ने अपने विचारों को उत्तर पुस्तिका पर लिखा। क्लब सचिव अभिषेक सिंह ने समस्त प्रतियोगिताओ के परिणाम जनवरी माह के प्रथम सप्ताह तक आने की बात कही। इस अवसर पर परीक्षा को सकुशल संपन्न कराने में डा0 विजय कुमार ओझा, आमिर हुसैन, रोशन यादव, सलोनी गोयल, अनन्या अग्रवाल, दिव्या ओझा, सिफत बानो, गृह लक्ष्मी वर्मा, सपना वर्मा, दीपांजली चौधरी, नैंसी जायसवाल, कशिश गांधी, साक्षी चौरसिया, गोल्डी यादव, साहिना परवीन, वागीशा गुप्ता, प्रीति बाला, रोशनी कुशवाहा, साजिया रहमान, कविता पाल, अजय यादव, प्रमोद बिन्द, सुषमा यादव, राम कुमार विश्वकर्मा, उमा का विशेष योगदान रहा। क्लब अध्यक्ष डा० शरद कुमार वर्मा ने स सभी का आभार व्यक्त किया।

धार्मिक और सांस्कृतिक शहर काशी की मस्ती से सराबोर रैप सॉन्ग हम हैं बनारसी का लोकार्पण

प्रखर पूर्वान्चल वाराणसी। बता दें कि कला-संस्कृति को आगे बढ़ाने वाली संस्था खुद ने बनारस पर विशेष रूप से लिखे गए रैप सॉन्ग को तैयार किया है। इस विशिष्ट गीत के ऑडियो और वीडियो का लोकार्पण कबीर की प्राकट्य स्थली मठ लहरतारा में 4 दिसम्बर रविवार को दोपहर 2 बजे किया गया ` समारोह के मुख्य अतिथि कबीर प्राकट्य स्थल मठ के महंत गोविन्द दास शास्त्री और दूरदर्शन/आकाशवाणी, वाराणसी के कार्यक्रम प्रमुख राजेश कुमार गौतम ने दीप प्रज्वलित कर कार्यक्रम का शुभारम्भ किया तत्पश्चात दोनों मुख्य अतिथियों ने "हम है बनारसी" गीत पर बात करते हुए बनारस के फक्कड़पन, यहाँ की संस्कृति के साथ ही गीत के बोलों में छाए हुए कबीर के साथ ही प्रेमचंद, जयशंकर प्रसाद, गिरिजा देवी, बिस्मिल्लाह खान सहित कई विभूतियों पर बात की` इस अवसर

पर इस गीत के परफॉर्मर, सिंगर और डायरेक्टर रोहिताश जायसवाल ने इस गीत के निर्माण के पीछे की सोच और कहानी को बयान किया। उन्होंने इस गीत पर बात करते हुए बताया कि इसका वीडियो देखते हुए आप बनारस को थोड़ा और करीब से महसूस करेंगे इसमें यहाँ की रंगत के साथ ही बनारसीपन का खूब खयाल रखा गया है` मौके पर गीत से जुड़े दूसरे कलाकार और टीम के सदस्य भी मौजूद रहे डायरेक्टर और प्रॉड्यूसर रोहिताश जायसवाल ने टीम के बाकी सदस्यों का परिचय दिया। "हम हैं बनारसी" गीत के सिनेमेटोग्राफर हैं रोहित सिंह, म्यूजिक प्रॉड्यूसर अनिल रमन, एडिटर आकाश जायसवाल, लाइन प्रॉड्यूसर रवि अग्रहरि के साथ ही गीत से जुड़े आकाश,नितिन अग्रहरि और मेकअप मैन कुतुब कमल भी मीडिया से रूबरू हुए` इस अवसर पर भारी संख्या में बाहर से आए दर्शक भी लुत्फ उठाते दिखे साथ गीत के प्रॉड्यूसर ने बताया कि दर्शक इसे यूट्यूब चैनल 'Khud' सहित सोशल मीडिया के सभी प्लेटफॉर्म पर देख और सुन सकते हैं धन्यवाद ज्ञापन रवि अग्रहरि ने किया।

शार्ट सर्किट से इलेक्ट्रॉनिक के दुकान में लगी आग

10 लाख रुपये से अधिक के नुकसान का अनुमान

प्रखर पिंडरा वाराणसी। सिंधोरा थाना क्षेत्र के गरथमा बाजार में इलेक्ट्रिक के बड़े शो रूम में शार्ट सर्किट से बीती रात आग लगने से 10 लाख रुपए से अधिक के मोबाइल व इलेक्ट्रॉनिक उपकरण जलकर राख हो गए। सूचना पर एसीपी मय फोर्स मौके पर पहुच कर आग पर काबू पाया। पुलिस और आसपास के लोगों की सक्रियता से आग अन्य दुकानों को चपेट में आने से बच गए। बताया जाता है कि गरथमा गांव निवासी समीर मौर्य की गरथमा बाजार में बड़ी इलेक्ट्रिक व इलेक्ट्रॉनिक के सामानों की दुकान है। जिसमे कीमती मोबाइल, फ्रिज, एसी समेत अनेक इलेक्ट्रॉनिक उपकरण थे। बीती रात 10 बजे तक आग की लपट दुकान से बाहर निकलने लगी तो लोग उसे बुझाने के साथ पुलिस और फायर ब्रिगेड को सूचना दी। गश्त पर निकले एसीपी डॉ. अतुल अंजान त्रिपाठी सिंधोरा पुलिस के साथ मौके पर पहुचे और थोड़ी देर में फायर बिग्रेड की टीम भी पहुच गए। सभी के प्रयास से एक घण्टे की कड़ी मशक्कत के बाद आग पर काबू पाया जा सका। लेकिन तब तक आग से दुकान जलकर नष्ट हो गई। आग की लपट इतनी तेज थी कि दुकान के छत तक उखड़ गए और दिवाले चटक गई। गनीमत रही कि आग पर काबू पा लिया गया, नही तो आसपास की आधा दर्जन

दुकाने भी चपेट में आ जाती। काम के सिलसिले में दिल्ली गए दुकान मालिक समीर मौर्य ने बताया कि मौके पर पहुचने पर देखने के बाद ही नुकसान का अनुमान लगा सकते है। वैसे 10 लाख रुपए से अधिक का नुकसान पहुंचा है। एसीपी ने बताया कि आग पर रात में ही काबू पा लिया गया। आग से लाखों रुपये के इलेक्ट्रॉनिक उपकरणों के जलने की जानकारी मिली।

संक्षिप्त खबरें

डा. आनन्द सिंह को मिलेगा अखिल भारतीय अटल बिहारी बाजपेई पुरस्कार

प्रखर ब्यूरो गाजीपुर। मध्य प्रदेश साहित्य अकादमी ने 2021 का अखिल भारतीय अटल बिहारी वाजपेई पुरस्कार अथर्वा मैं वही वन हूं के रचनाकार डॉ आनंद सिंह को प्रदान किया जायेगा। यह पुरस्कार पिछले 4 वर्षों से देश में हिंदी कविता के लिए दिया जाता है। इस बार यह पुरस्कार अथर्वा को दिया गया है। अथर्वा समकालीन हिंदी कविता में एक चर्चित काव्य की तरह सामने आया जिसका पाठकों एवं आलोचकों ने हृदय से स्वागत किया। हिंदी भवन भोपाल की पत्रिका अक्षरा ने मई का अपना विशेषांक अथर्वा पर ही केंद्रित किया जिसकी स्वीकृति साहित्य जगत में बहुत अधिक हुई। यह महाकाव्य इस मायने में चुनौतीपूर्ण रहा किसने मनुष्यता के लाखों वर्षों के इतिहास के साथ ज्ञात इतिहास के 5000 से लेकर 10000 वर्षों तक के इतिहास को भी समेटने का प्रयत्न किया है। आलोचकों का यह भी मानना है कि जयशंकर प्रसाद की कामायनी के 70 वर्षों बाद अथर्वा एक विमर्शात्मक आख्यान की भारतीय परंपरा के अंतर्द्वन्द्व को प्रकट करता है।

निपुण भारत मिशन उत्तर प्रदेश हेतु जागरूकता के लिए नुक्कड़ नाटक प्रदर्शन कार्यक्रम का आयोजन

प्रखर चंदवक जौनपुर। गांधी पार्क चंदवक में आयोजित हुआ जिसमें बच्चों को स्कूल भेजने एवम निपुण बनाए जाने को लेकर बहुत ही सुंदर प्रस्तुति की गई। कार्यक्रम के अंत मे ए आर पी सतीश यादव ने सबको धन्यवाद ज्ञापन करते हुए निपुण मिशन को सफल बनाए जाने का आह्वाहन किया।

मार्ग दुर्घटना में बहू की मौत ससुर गंभीर रूप से घायल

प्रखर गोरखपुर। सहजनवा थाना क्षेत्र के ग्राम रिठुआखोर निवासिनी कुसुम लता व उसके ससुर लालचंद का रविवार सुबह बखिरा थाना क्षेत्र के ग्राम घेचुआ के पास मार्ग दुर्घटना में गंभीर चोट लग गयी, कुसुमलता को स्वजनों द्वारा सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र ठरार्पार लाया गया, जहां डॉक्टरों ने मृत घोषित कर दिया है। वहीं गंभीर घायल उसके ससुर लालचंद को जिला अस्पताल संतकबीरनगर द्वारा मेडिकल कॉलेज गोरखपुर रेफर कर दिया है। जानकारी के अनुसार कुसुमलता अपने पति विनोद कुमार व ससुर लालचंद के साथ बाइक से दवा कराने संत कबीर नगर के खलीलाबाद गई हुई थी। घर वापस आते समय अचानक बाइक के सामने नीलगाय आ गई, जिससे हादसा हो गया। मृतका के दो मासूम बच्चे हैं- आर्य 7 वर्ष तथा आर्यन 4 वर्ष का है। सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र ठरार्पार पहुंची बखिरा पुलिस ने शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया है। उक्त संदर्भ में चौकी प्रभारी बखिरा जितेंद्र सिंह ने बताया कि-शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए जिला मुख्यालय संतकबीरनगर भेज दिया गया है। पोस्टमार्टम रिपोर्ट के बाद अग्रिम कार्रवाई की जाएगी।

डॉ. डी.ए. खान ने भी बढ़ाया असहाय मासूमों के लिए हाथ

प्रखर गोरखपुर। पाली क्षेत्र के भरोहिया में पहले बाप उसके बाद भाई और बुधवार रात में मां माया देवी की मौत के बाद अनाथ हुए मासूम प्रदीप,संदीप व मोनिका की सूचना पाकर ग्राम गाही निवासी समाजसेवी डॉ. डी.ए. खान भरोहिया गांव पहुंचकर पांच हजार रुपए सहायता देकर बच्चों को ढांढस बंधाते हुए कहा कि होनी को कौन टाल सकता है, सुख दुख सबके साथी होते है । ऐसे असहाय लोगों के सहयोग करने का मौका बार बार नहीं मिलते है जिससे कुछ पूण्य के भागी बना जा सके। तथा असहाय इन बच्चों को कभी भी जरूरत पड़ने पर उपचार हेतु दवा जांच निःशुल्क हमारे क्लीनिक के दरवाजे हमेशा के लिए खुले रहेंगे। इस दौरान प्रधान प्रतिनिधि जय प्रकाश मिश्रा सहित गांव के कई लोग मौजूद रहे।

प्रखर पूर्वांचल
RNIUPHIN/2016/68754
मुद्रक प्रकाशक 'पंकज सिंह' के लिए सम्पादक 'अरूण सिंह' द्वारा 'गायत्री प्रिंटिंग प्रेस' सकलेनाबाद नियर दुर्गा चौक, गाजीपुर पिन कोड: 233001 से छपवाकर कनेरी गाजीपुर से प्रकाशित
सम्पादकीय कार्यालय: 9/10, टैगोर मार्केट, कचहरी, गाजीपुर पिन कोड: 233001
सम्पर्क सूत्र: 0548-2223833, +91-8858563779 +91-9450208067, +91-9452844802
सभी विवाद गाजीपुर न्यायालय के अधीन होगें।
ताजा खबर पढ़ने के लिए लॉगइन करें हमारी वेबसाइट
https://prakharpurvanchal.com
Email ID: prakharpurvanchal@gmail.com
सांध्य दैनिक प्रखर पूर्वांचल अखबार के सभी पद अवैतनिक हैं